डेटा सुरक्षा उल्लंघन से जुड़ी याचिका पर आरबीआई और केंद्र से जवाब-तलब - 10

ग्रोक मामले में एक्स की रिपोर्ट की जांच करेगा आईटी मंत्रालय - 10

दूसरे देश भारत को सलाह देने की बजाय अपने यहां हिंसा पर दें ध्यान - 11

हरमनप्रीत कौर ने कहा- मुंबई इंडियंस ने भरी जीत की मानसिकता - 12

आज का मौसम
16.0° अधिकतम तापमान
4.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.07
सूर्यास्त 05.30

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:05 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 8 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 319, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

स्टेट ब्रीफ

राजाराम चौराहे के पास दुकान में हुई चोरी

टनकपुर : टनकपुर के राजाराम चौराहे की एक दुकान से चोर हजारों का सामान ले उड़े। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। मंगलवार की रात नगर के व्यस्ततम राजाराम चौराहा स्थित कुमार पान भंडार में चोरों ने सामान पर हाथ साफ कर लिया। बुधवार तड़के पांच बजे इमली पड़ाव निवासी विनोद कुमार ने दुकान का शटर खोला तो सामान बिखरा मिला। दुकान की छत का दरवाजा खुला था। उन्होंने बताया कि चोर दूसरे मकान की दीवार में चढ़ कर दुकान में घुसा। इधर कोतवाल चेतन रावत ने बताया कि इस मामले में अभी किसी के द्वारा कोतवाली में तहरीर नहीं दी गई है।

जनवरी चतुर्थ व फरवरी प्रथम सप्ताह में होंगी प्री-बोर्ड परीक्षाएं

हल्द्वानी : माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी शैक्षिक पंचांग के अनुसार शैक्षिक सत्र 2025-26 में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्री-बोर्ड परीक्षाएं जनवरी व फरवरी में होंगी। बोर्ड परीक्षा की मुख्य परीक्षाएं 21 फरवरी से 20 मार्च तक संपन्न होनी हैं। इससे पहले ग्रीष्मकालीन अवकाश वाले स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षाएं जनवरी के तृतीय व चतुर्थ सप्ताह और शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में फरवरी के प्रथम व द्वितीय सप्ताह में आयोजित की जाएंगी। प्री-बोर्ड का रिजल्ट जारी होने के बाद कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वे बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

आईटीआई में इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड शुरू होने से बढ़ेंगे रोजगार के मौके

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने राज्य के 13 आईटीआई के लिए इलेक्ट्रिक वाहन किए रवाना

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान निरंजनपुर से राज्य के 13 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं टाटा ऐस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये वाहन आईटीआई के विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिक व्हीकल व्यवसाय संबंधित प्रशिक्षण के लिए मुहैया कराए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने कहा कि भविष्य इलेक्ट्रिक व सोलर उपकरणों का है। ऐसे में आईटीआई में भविष्य की मांग को देखते हुए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण मुहैया कराया जाना लक्ष्य है। इसी क्रम में इलेक्ट्रिक व्हीलक दोपहिया या चौपाया वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। इसी को देखते हुए राज्य की सभी आईटीआई में इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस बाबत टाटा टेक्नोलोजी के साथ करार हुआ है।

इसी क्रम में राज्य की आईटीआई में इलेक्ट्रिक व्हीकल को भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थी इसकी बारीकियां सीख सकें। इस दौरान प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशक संजय कुमार, संयुक्त निदेशक अनिल सिंह, उपनिदेशक निरंजन कुमार खुगशाल, प्रधानाचार्य दिनकर रौतला, आशीष नौटियाल प्रधानाचार्य, जेआर चन्देल, पूनम नौटियाल, अनुपमा भंडारी, कार्यादेशक जगबीर सिंह राणा, अनुदेशक दीपेन्द्र सिंह, रविन्द्र सिंह चौहान, टाटा टेक्नोलोजी लिमिटेड के नार्थहेड रणधीर सिंह आदि रहे।

390 घंटे का हो सकता है प्रशिक्षण : इन दीर्घ अवधि ट्रेडों से संबंधित 23 लघु अवधि 270 से 390 घंटे तक का प्रशिक्षण कोर्स होगा। इन चयनित संस्थानों में नाबार्ड के सहयोग से प्रत्येक संस्थान में लगभग 10 हजार वर्ग फुट की कार्यशाला बनाई जा रही है इसके लिए नाबार्ड से 79.0955 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है। पहले चरण में 7 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों सितारगंज, हल्द्वानी, काशीपुर, हरिद्वार, पिरानकलियर, देहरादून, एवं बड़कोट में निर्माण लगभग पूर्ण हो गया है। टाटा टैक्नोलॉजी ने उपकरण साज-सज्जा संयंत्र की आपूर्ति भी लगभग कर दी है, इंस्टॉलेशन की कार्यवाही गतिमान है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए टाटा टैक्नोलॉजी की ओर प्रथम दो साल तक 2 प्रशिक्षक एवं तीसरे साल 1 प्रशिक्षक नियुक्त किया जाएगा।

देहरादून में आईटीआई के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को रवाना करते कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा।

यहां-यहां आएंगे इलेक्ट्रिक व्हीकल

देहरादून : टाटा की ओर से 13 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के लिए ईवी मुहैया कराए गए हैं। इनमें देहरादून, हरिद्वार, पिरानकलियर, बड़कोट, चम्बा, गोपेश्वर, काशीपुर, सितारगंज, हल्द्वानी, कालाढूंगी, पिथौरागढ़, चम्पावत एवं अल्मोड़ा के उच्चीकरण के अंतर्गत मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल व्यवसाय संबंधित इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं टाटा ऐस भेजे गए हैं।

इन ट्रेड में ले सकेंगे प्रशिक्षण

1. मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल
2. एडवांस्ड सीएनसी मशीनिंग
3. इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग
4. बेसिक्स डिजाइनर एंड वर्चुअल वेरिफाइर
5. मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड ऑटोमेशन
6. आर्टिसन यूजिंग एडवांस्ट टूल्स
7. कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्रामर
8. इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेकनीशियन

माल्टा महोत्सव में महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों से वार्ता करते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

माल्टा उत्पादन बढ़ाएगा किसानों की आय

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को आईटीबीपी स्टेडियम सीमा द्वार में सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की ओर से आयोजित दो दिवसीय माल्टा महोत्सव में हिस्सा लिया। उन्होंने कृषकों से मुलाकात कर माल्टा और नींबू की खटाई का स्वाद लिया।

सीएम धामी ने कहा कि राज्य में माल्टा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने इस दिशा में ठोस पहल करते हुए माल्टा मिशन शुरू करने की घोषणा की है, जिससे माल्टा के उत्पादन, विपणन और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। इस मिशन से पहाड़ी क्षेत्रों के कृषकों की आय में वृद्धि होगी और स्थानीय फलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। कहा कि राज्य सरकार कीवी, सेब, आड़ू, पुलम आदि फलों के उत्पादन को भी बढ़ावा दे रही है। यहां आईजी आईटीबीपी संजय गुंज्याल रहे।

स्व. हरबंस कपूर की कार्यशैली प्रेरणा स्रोत

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गढ़ी कैंट स्थित हरबंस कपूर मैमोरियल सामुदायिक भवन में स्व. हरबंस कपूर की 80वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह में प्रतिभाग किया। उन्होंने स्व. कपूर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह हम सभी के लिए प्रेरणादायक थे, उनकी कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देती रहेगी। सीएम ने कहा कि स्व. हरबंस कपूर ने अपने जीवन में सदैव समाज और जनता के हितों को सर्वोपरि रखा। उनका पूरा जीवन जनता और अपने लोगों के लिए समर्पित रहा है। विकास के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। वह सादगी और संवेदनशीलता के प्रतीक थे। उन्होंने प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए काम किया और राज्य के विकास से जुड़े हर विषय पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़े। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने स्व. कपूर को नमन करते हुए कहा कि वह एक आदर्श जननेता थे, जिन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण जनसेवा को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि स्व .कपूर उनके राजनीतिक गुरु थे, वह आज जिस भी स्थान पर हैं, उसमें कपूर साहब का महत्वपूर्ण योगदान है। इस दौरान विधायक सविता कपूर, दायित्वधारी श्याम अग्रवाल आदि रहे।

हाईकोर्ट में 9 को फुल कोर्ट फेयरवेल रेफरेंस

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुहानाथन नरेंदर 9 जनवरी को अपने पद से सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल योगेश कुमार गुप्ता द्वारा जारी आधिकारिक नोटिस के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में प्रशासनिक स्तर पर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बताया गया कि मुख्य न्यायाधीश को सम्मानजनक विदाई देने के लिए 9 जनवरी को अपराह्न 03:30 बजे मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट कक्ष में फुल कोर्ट फेयरवेल रेफरेंस का आयोजन किया जाएगा। इस गरिमामय कार्यक्रम में हाईकोर्ट के सभी न्यायाधीश, बार काउंसिल व बार एसोसियशन के पदाधिकारी और वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल होकर न्यायमूर्ति जी. नरेंदर के कार्यकाल और उनके योगदान को याद करेंगे। हाईकोर्ट प्रशासन ने विदाई समारोह की सूचना एडवोकेट जनरल, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सभी जिला न्यायाधीशों और संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों को भेज दी है। नोटिस में सुरक्षा व्यवस्था, प्रोटोकॉल व अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इधर, मुख्य न्यायधीश सेवानिवृत्ति से पूर्व आज गुरुवार दोपहर 1:15 बजे हाईकोर्ट बार एसोसियशन सभागार में पहुंचेंगे। हाईकोर्ट बार एसोसियशन के अध्यक्ष डीसीएस रावत व महासचिव सौरभ अधिकारी ने सभी अधिवक्ताओं से मुख्य न्यायाधीश के सम्मान में मौजूद रहने की अपील की है।

प्रांतीय लोक सेवा आयोग ने मांगे आवेदन

देहरादून : शासन ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष के एक, सदस्यों के तीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवदेन आमंत्रित किए हैं।

कार्मिक एवं सतर्कता विभाग ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र,शैक्षिक एवं अनुभव प्रमाणपत्रों की प्रतियों के साथ 22 जनवरी की सांय 6 बजे तक स्पीड पोस्ट, पंजीकृत डाक अथवा कोरियर से सचिव कार्मिक एवं सतर्कता विभाग में उपलब्ध करा सकते हैं।

सचिव शैलेश बगोली ने इस संबंध में विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अध्यक्ष एवं सदस्य ऐसे सक्षम, ईमानदार एवं निष्पक्ष व्यक्ति होंगे, जिनमें उत्कृष्ट क्षमता, सत्यनिष्ठा एवं उच्च प्रतिष्ठा के साथ साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा के साथ ही प्रशासनिक अथवा न्याय क्षेत्र में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव हो।

महिला सशक्त होगी तो देश मजबूत होगा : जोशी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में फिक्की एफएलओ की ओर से हुए फिक्की एफएलओ सम्मलेन-2026 में हिस्सा लिया। दो दिवसीय सम्मेलन की थीम सशक्त बनाने की शक्ति निर्धारित की गई है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को डिजिटल सशक्तिकरण, उद्यमिता विकास, सरकारी सहभागिता तथा सतत आजीविका के अवसरों से जोड़ना है।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि महिला नेतृत्व वाला विकास केवल एक नारा नहीं बल्कि भारत और विशेषकर उत्तराखंड की ग्रामीण एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के भविष्य की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण आधार है। सरकार महिलाओं के आजीविका संवर्धन एवं सशक्तिकरण की दिशा में प्रयासरत है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं उद्यमी बन रही हैं, स्वयं सहायता समूह चला रही हैं, एफपीओ और सहकारिताओं का नेतृत्व कर रही हैं तथा लोकल को ग्लोबल बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। लखपति दीदी अभियान के माध्यम से महिलाएं न केवल अपनी आय बढ़ा रही हैं बल्कि अपने बच्चों के भविष्य को भी सुरक्षित दिशा दे रही हैं।

जैविक खेती, मिलेट्स, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, डेयरी एवं एग्री-प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। यह केवल आजीविका नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और निर्णय क्षमता का सशक्तिकरण है।

फिक्की एफएलओ सम्मलेन को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी।

आत्मनिर्भर भारत के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी

परिवार सशक्त होगा तो गांव सशक्त होगा और जब गांव सशक्त होगा, तब भारत आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने इस परिवर्तन में फिक्की एफएलओ जैसी संस्थाओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर जोशी ने फिक्की एफएलओ संस्था के पदाधिकारियों को इस सार्थक पहल के लिए शुभकामनाएं देते हुए सम्मेलन की सफलता की कामना की। इस दौरान फिक्की एफएलओ की चेयरपर्सन डॉ. गीता खन्ना, अंकित कौर, जूही खन्ना, करिश्मा डिंगरा, रमा, नेहा शर्मा रहीं।

अनारवाला-मालसी मोटर मार्ग के पुनर्निर्माण का किया शिलान्यास

देहरादून : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को गुच्छुपानी चौक स्थित हिल माउंट स्कूल परिसर में 319 .30 लाख से अनारवाला मालसी मोटर मार्ग के पुनर्निर्माण का विधिवत शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि अनारवाला–मालसी मोटर मार्ग के निर्माण से क्षेत्रीय लोगों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध होगी। सुदृढ़ सड़क नेटवर्क से क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। डबल इंजन सरकार जन जन की सरकार जन-जन के द्वार के नारे के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने नाईवाला क्षेत्र के 500 मीटर का क्षेत्र सड़क निर्माण, पतालेश्वर पुलिया और सड़क मार्ग और द्वार का निर्माण, गुच्छूपानी चौक पर पिकेट और सीसीटीवी की मांग, नयागांव गढ़वाली कॉलोनी में सड़क की मांग तथा 16 बीघा में बिजली की समस्या और नया गांव अनारवाला में पुश्ता निर्माण सहित विभिन्न मांगों का ज्ञापन भी सौंपा। इस पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सकारात्मक आश्वासन दिया। इस दौरान राजीव गुरुंग, संध्या थापा, विष्णु गुप्ता, पार्षद भूपेंद्र कठेत, ज्योति कोटिया, निर्मला थापा, प्रमिला, पार्षद सागर लामा, दिनेश प्रधान, सुखेदव गुरुंग, गंभीर लामा, मनोज क्षेत्री, समीर डोभाल, संजय नौटियाल, रतन लाल गुप्ता रहे।

ऊधमसिंह नगर

सुभाष चंद्र बोस चौक का कायाकल्प होगा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: काशीपुर बाईपास रोड पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से बनाए गए चौक का जल्द ही कायाकल्प होगा। 30 लाख की लागत से इस चौक का सौंदर्यीकरण होगा और चौक को थोड़ा आगे शिफ्ट कर यहां पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की छोटी प्रतिमा को हटाकर घोड़े पर सवार 11 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसको लेकर महापौर विकास शर्मा ने नगर आयुक्त और नगर निगम की टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बुधवार को निरीक्षण के दौरान महापौर विकास शर्मा ने कहा कि नगर निगम जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। काशीपुर बाईपास रोड पर वर्तमान में स्थापित नेताजी की प्रतिमा आकार में काफी छोटी थी, जिसे लेकर विशेषकर बंगाली समाज द्वारा लंबे समय से एक भव्य और बड़ी मूर्ति स्थापित करने का आग्रह किया जा रहा था। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए अब नगर निगम ने कोलकाता की ऐतिहासिक तर्ज पर नेताजी की घोड़े पर सवार 11 फीट ऊंची प्रतिमा लगाने का निर्णय लिया है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक का निरीक्षण करते महापौर और नगर आयुक्त।

दुर्घटनाओं को देखते हुए चौक को आगे शिफ्ट करने का लिया निर्णय

रुद्रपुर : महापौर शर्मा ने बताया कि वर्तमान में चौक की बनावट में कुछ ऐसी तकनीकी खामियां थीं जिनके कारण यहां अक्सर दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती थी। इन खतरों को देखते हुए नगर निगम ने चौक को थोड़ा आगे शिफ्ट करने का निर्णय लिया है, जिससे आवागमन सुचारू होगा। साथ ही वाहन चालकों को बेहतर दृश्यता प्राप्त होगी। तीस लाख की लागत से होने वाले इस नवनिर्माण में चौक के चारों ओर आधुनिक लाइटिंग और लैंडस्केपिंग का कार्य भी किया जाएगा।

रेलवे दुकानों के किराए में 17 गुना वृद्धि का विरोध

किच्छा: रेलवे व्यापारी संघर्ष समिति ने दुकानों के किराए में बेतहाशा बढ़ोतरी के खिलाफ एसडीएम के माध्यम से केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ज्ञापन भेजा है। समिति के अध्यक्ष जगरूप सिंह गोल्डी के नेतृत्व में व्यापारियों ने आरोप लगाया कि रेलवे प्रशासन ने वार्षिक किराए को सर्किल रेट के 10 प्रतिशत के आधार पर तय किया है, जिससे किराया वर्तमान दर से 17 गुना बढ़ गया है। व्यापारियों का कहना है कि जो किराया पहले 3 हजार रुपये था, वह अब 50 हजार रुपये से अधिक हो जाएगा। छोटे दुकानदारों पर यह भारी बोझ है। इस दौरान एनबी तिवारी, अख्तर रजा और अविनाश गुप्ता ादि रहे।

सड़क सुरक्षा सुदृढ़ करने की महत्वपूर्ण पहल, गड्डों को भरा

संवाददाता, पौड़ी

अमृत विचार: पौड़ी में बुधवार को जिलाधिकारी स्वाति सिंह भदौरिया के निर्देशन तथा संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी विमल पांडे के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत सड़कों पर मौजूद गड्ढों को भरने का कार्य कराया गया।

इस कार्य का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर गड्ढों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं में कमी लाना तथा आम जनमानस को सुरक्षित, सुगम एवं निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराना रहा। उल्लेखनीय है कि नैनीताल के हल्द्वानी में बीते दिवस सड़क पर बने गड्ढे के कारण बाइक गिर जाने से उसमें सवार एक किशोर की मिक्सर ट्रक से कुचलने के कारण मौत हो गई थी। इसको देखते हुए राज्य के अन्य जिलों में भी सतर्कता बरती जा रही है।

इस अभियान में परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, पौड़ी एवं नगर पालिका परिषद, पौड़ी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर सहभागिता निभाई। सभी संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से यह कार्य योजनाबद्ध ढंग से संपन्न किया गया। सड़क सुरक्षा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता एवं जनहित की भावना के साथ यह कार्य निष्ठा से संपन्न कराया गया।

पौड़ी में सड़क पर बने गड्ढे को भरने के कार्य में सहयोग करते अधिकारी।

दुग्ध प्लांट के विरोध में ग्रामीणों का धरना शुरू

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : राजनगर में आंचल द्वारा प्रस्तावित मिल्क पाउडर एवं आइसक्रीम प्लांट का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस पांच एकड़ भूमि पर प्लांट लगाया जा रहा है, उस पर वे दशकों से खेती कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यह जमीन राजस्व अभिलेखों में ग्रामीणों के नाम दर्ज है।

बुधवार को कांग्रेस सचिव नवतेज पाल सिंह और पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे ने धरने को समर्थन देते हुए प्लांट को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की। दूसरी ओर, दुग्ध विभाग के राजेश मेहता ने बताया कि प्रशासन ने 2023 में यह भूमि विभाग को हस्तांतरित की थी, जहां नाबार्ड की सहायता से प्लांट स्थापित होना है।

बैंक के बाहर पर्यावरण मित्रों का प्रदर्शन

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नगर पालिका के पर्यावरण मित्रों के वेतन का चेक कैश नहीं होने के विरोध में पर्यावरण मित्रों ने बैंक परिसर पर प्रदर्शन कर हंगामा किया। पर्यावरण मित्रों ने कूड़ा लदी ट्राली बैंक के गेट पर लगाकर चैनल बंद कर दिया। बाद में बातचीत के बाद कूड़े की ट्रॉली हटाई गई।

नगर पालिका द्वारा वेतन के रूप में स्टेट बैंक के चेक पर्यावरण मित्रों को जारी कर उनके बैंक ऑफ़ बड़ौदा के खातों में जमा किया जाता था। लेकिन इस बार चेक से जारी वेतन कर्मचारियों के खाते में बुधवार तक जमा नहीं हो सका। सफाई कर्मचारी नेता संतोष गौरव कर्मचारियों के वेतन का एक चैक जारी करने की डिमांड कर रहे थे। नगर पालिका का भारतीय स्टेट बैंक में खाता था। कर्मचारियों को एसबीआई के चेक जारी किए जाते थे। लेकिन इस बार 3 जनवरी को जारी चेक 7 जनवरी तक खाते में जमा नहीं हो सकें। चेकों के कैश होकर खाते में रकम ट्रांसफर नहीं होने पर नगर पालिका सफाई कर्मचारी खफा थे। उन्होंने बीओबी में कूड़ा ट्राली लगाकर प्रदर्शन किया। बाद में शाखा प्रबंधक अमित कुमार, पीयूष रौतेला, ईओ प्रियंका आर्य, कर्मचारी नेता संतोष गौरव, सुभाष कुमार लेखाधिकारी ने जारी चैकों के भुगतान संबंधी उचित निर्णय लिया और स्थिति सामान्य बनी। प्रदर्शन करने वालों में कर्मचारी नेता संतोष गौरव, विनोद कुमार, विक्की राणा, राकेश, अनिल कुमार, दिनेश, सरताज, श्यामवीर, गणेश देवी ादि रहे।

नोटिस पर 17 को दर्ज कराएं आपत्ति

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने हल्द्वानी में देवखड़ी नाले पर हुए अतिक्रमण के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने जिला प्रशासन, सिंचाई विभाग व नगर निगम की ओर से अतिक्रमणकारियों के मामले पर की जा रही जन सुनवाई की प्रशंसा की।

बुधवार को सुनवाई में याचिकर्ता की ओर से कहा गया कि सभी अतिक्रमणकारी चिन्हित किए जा चुके हैं। उनसे आपत्ति दर्ज करने के नोटिस जारी कर दिए गए हैं। इस पर प्रशासन की तरफ से कहा गया कि उनके आपत्तियों की सुनवाई के लिए 17 जनवरी को शाम चार बजे नगर निगम सभागार में बैठक बुलाई गई है। जिस किसी को जारी नोटिस पर आपत्ति देनी है तो वह अपनी आपत्ति व्यक्त कर सकते है। सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत गौनिया के पत्र का संज्ञान लेते हुए उच्च न्यायालय ने इस मामले में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि हल्द्वानी में तीनपानी से काठगोदाम तक सड़क मार्ग का चौड़ीकरण प्रस्तावित है। देवखड़ी नाले पर अतिक्रमण के चलते चौड़ीकरण प्रभावित हुआ है। कुछ व्यावसायिक संस्थानों को फायदा पहुंचाया गया है। अदालत के आदेश पर जिला प्रशासन ने अदालत को जो सर्वे रिपोर्ट सौंपी उसमें कहा गया है कि देवखड़ी नाले पर 200 अतिक्रमण चिन्हित हुए हैं। सभी को नोटिस जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों की सूची भी अदालत को सौंपी है।

- डेटा सुरक्षा उल्लंघन से जुड़ी याचिका पर आरबीआई और केंद्र से जवाब-तलब - 10

- ग्रोक मामले में एक्स की रिपोर्ट की जांच करेगा आईटी मंत्रालय - 10

- दूसरे देश भारत को सलाह देने की बजाय अपने यहां हिंसा पर दें ध्यान - 11

- हरमनप्रीत कौर ने कहा- मुंबई इंडियंस ने भरी जीत की मानसिकता - 12

आज का मौसम
16.0⁰ अधिकतम तापमान
4.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.07
सूर्यास्त 05.30

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:05 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 8 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 319, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

शिमला की सैर

शिमला में इन दिनों पर्यटकों की भीड़ है, बुधवार को लक्कर बाजार में एक आइस स्केटिंग रिंक पर स्केटिंग करते लोग।

सुप्रीम निर्देश : सभी आवारा जानवरों से मुक्त हों सड़कें

- कहा- कुत्तों के काटने के साथ सड़कों पर आवारा जानवरों की वजह से भी जा रही हैं जानें

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने नगरीय निकायों की ओर से नियमों और निर्देशों का अनुपालन न करने का संज्ञान लेते हुए बुधवार को कहा कि देश में न सिर्फ कुत्तों के काटने बल्कि सड़कों पर घूम रहे आवारा जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से भी लोगों की मौत हो रही है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, सड़कों पर आवारा जानवरों का घूमना खतरनाक साबित हो रहा है। सड़कों को कुत्ते और दूसरे आवारा जानवरों से मुक्त रहना चाहिए। पीठ ने यह सुझाव भी दिया कि आवारा पशुओं को सड़कों पर आने से रोकने के लिए सड़कों और एक्सप्रेस-वे पर बाड़ लगाई जाए।

आदेशों का पालन न करने वाले राज्यों से निपटेंगे

शुरुआत में 'न्याय मित्र' के रूप में नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब जैसे राज्यों ने अभी तक अनुपालन हलफनामे दाखिल नहीं किए हैं, जबकि कुछ राज्यों ने बेहद निराशाजनक हलफनामे दाखिल किए हैं। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि हम उन राज्यों से सख्ती से निपटेंगे। सभी नियमों, विनियमों और मानक प्रक्रियाओं का पालन करना अनिवार्य है।

सोनम वांगचुक के मामले में सुनवाई आज

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो की ओर से रासुका के तहत उनकी हिरासत के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई बुधवार को आठ जनवरी के लिए स्थगित कर दी। इस मामले की सुनवाई इससे पहले न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारी की पीठ ने की थी।

कुत्ता प्रेमियों और आदेशों के कड़े अनुपालन की मांग करने वालों की ओर से दायर न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह इसलिए सुनवाईकर रही है क्योंकि कई वकीलों और पशु कार्यकर्ताओं ने दावा किया है कि सात नवंबर को आदेश पारित होने से पहले उनकी बात नहीं सुनी गई थी। अदालत के पूर्व आदेश में संशोधन का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि समाधान सभी कुत्तों को पकड़ना नहीं है, बल्कि पशु-मानव संघर्ष को कम करने के लिए विश्व स्तर पर स्वीकृत वैज्ञानिक फार्मूला अपनाना है। उन्होंने तर्क दिया कि अदालत आवारा कुत्तों की आबादी के प्रबंधन के लिए सीएसवीआर (पकड़ना और नसबंदी व टीकाकरण करके छोड़ना) के फार्मूले को अपना सकती है, जिससे धीरे-धीरे कुत्ते के काटने की घटनाओं में कमी आएगी। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, इलाज से परहेज बेहतर है।

ब्रीफ न्यूज

देश का पहला ए321 एक्सएलआर विमान इंडिगो के बेड़े में शामिल

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो के बेड़े में देश का पहला ए321एक्सएलआर विमान बुधवार को शामिल हो गया। लंबी दूरी की उड़ान भरने में सक्षम एयरबस कंपनी का यह विमान बुधवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। कंपनी इसका परिचालन मुंबई-एथेंस मार्ग पर 23 जनवरी और दिल्ली-एथेंस मार्ग पर 24 जनवरी से करेगी। यह विमान एक बार ईंधन भरने के बाद 8,700 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है। एयरलाइंस ने बताया कि इसमें इंडिगोस्ट्रेच की 12 सीटें और इकोनॉमी श्रेणी की 183 सीटें हैं।

कठुआ में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले की बिलावर तहसील में बुधवार शाम सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का कमाध नाले के जंगल में आतंकवादियों से आमना-सामना हुआ है। उन्होंने बताया कि सटीक सूचना पर सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान आतंकियों ने दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी कार्रवाई की है। पूरे इलाके को घेराकर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

तस्करी कर लाया गया 40 करोड़ रुपये मूल्य का सोना पकड़ा

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने सोने की तस्करी में लगे एक नेटवर्क का भंड़ाफोड़ कर 40 करोड़ रुपये कीमत का 29 किलो सोना और 2.9 करोड़ रुपये नकदी बरामद की है। इस नेटवर्क के तार दुबई और बांग्लादेश से जड़े थे और यह माल त्रिपुरा के रास्ते आता था। वित्त मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली और अगरतला में मंगलवार को छापों और तलाशी से इस नेटवर्क का पता चला है। इस गिरोह में शामिल अपराधी दुबई और बांग्लादेश के रास्ते तस्करी का सोना भेजते थे।

चीन सीमा का मध्य सेक्टर संवेदनशील

राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा- इस सेक्टर में ठोस सुरक्षा की जरूरत

- हिमालयी सीमाओं की सुरक्षा के लिए सैन्य-नागरिक समाज के समन्वित दृष्टिकोण पर जोर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि यद्यपि मध्य सेक्टर को परंपरागत रूप से अपेक्षाकृत शांत माना जाता रहा है, किंतु वर्तमान परिस्थितियां सतत सतर्कता और पूर्व तैयारी की मांग करती हैं। हिमालयी क्षेत्र, विशेष रूप से भारत-चीन सीमा के मध्य सेक्टर में, सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सैन्य, नागरिक प्रशासन और समाज के बीच प्रभावी समन्वय की आवश्यकता है।

राज्यपाल के साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को राजधानी में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित किया। 'फोर्टिफाइंग द हिमालयाजः ए प्रोएक्टिव मिलिट्री-सिविल-सोसाइटी फ्यूजन स्ट्रेटजी इन द मिडिल सेक्टर' विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि हिमालय भारत के लिए केवल एक भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि एक जीवंत रणनीतिक प्रणाली भी है, जहां भू-आकृति, आधारभूत संरचना, जनसंख्या, शासन और सैन्य क्षमता निरंतर परस्पर क्रिया में रहती हैं।

संगोष्ठी को संबोधित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

राज्यपाल ने कहा, समकालीन सुरक्षा चुनौतियां अब केवल प्रत्यक्ष सैन्य गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हाइब्रिड वारफेयर, ग्रे-जोन गतिविधियों, द्वि-उपयोगी आधारभूत संरचना और सीमा क्षेत्रों में निरंतर दबाव जैसे कारकों से भी आकार ले रही हैं। ऐसे परिदृश्य में हिमालयी क्षेत्रों की दीर्घकालिक सुरक्षा केवल सैन्य तैयारियों से नहीं, बल्कि नागरिक प्रशासन, स्थानीय समुदायों और प्रौद्योगिकी के साथ प्रभावी समन्वय से सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने सीमावर्ती गांवों को राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण घटक बताते हुए कहा कि स्थानीय समुदाय केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सेना के लिए सीमायी सुरक्षा के सहभागी और बलवर्धक हैं।

राज्यपाल ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज जैसे कार्यक्रम सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ जनसंख्या स्थिरता, लॉजिस्टिक मजबूती व सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थायी राष्ट्रीय उपस्थिति को भी सुदृढ़ करते हैं। सीमा सुरक्षा में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

सशक्तीकरण व तकनीक के अपग्रेडेशन पर जोर

जीओसी-इन-सी, सेंट्रल कमांड लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने मध्य क्षेत्र के बॉर्डर की चुनौतियों, नागरिक समाज के सशक्तीकरण और तकनीक के अपग्रेडेशन के साथ ही अवसंरचनात्मक विकास के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राजदूत अशोक के. कांथा (सेवानिवृत्त), ब्रिगेडियर अंशुमान नारंग (सेवानिवृत्त), लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सीमांत में अवसंरचनात्मक और सामुदायिक विकास पर फोकस

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित जनसंख्या जैसी चुनौतियों को देखते हुए सेना, नागरिकों, सिविल प्रशासन और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच बेहतर समन्वय होना आवश्यक है। हिमालयी क्षेत्रों में सीमाओं के आसपास निवास करने वाले नागरिक देश की सबसे बड़ी शक्ति है, जो वास्तव में देश के आंख और कान बनकर राष्ट्रीय सुरक्षा में अहम योगदान निभाते हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, राष्ट्र की सुरक्षा करना सेना के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत सीमावर्ती गांवों के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सीमांत गांव माणा जैसे दूरस्थ और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने ही माणा को देश के अंतिम गांव की जगह देश के प्रथम गांव बताया था। राज्य सरकार सीमांत क्षेत्रों के विकास और नागरिकों के कल्याण के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, हिमालयी क्षेत्र की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण तथा सैन्य नागरिक से जुड़े विषय पर सेमिनार का होना अति महत्वपूर्ण है। कहा कि सेमिनार से निकले सुझाव हमारी सामरिक नीति को सुदृढ़ बनाने में सहायक एवं हिमालयी क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दिल्ली में मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने पर हिंसा पांच पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में फैज-ए-इलाही मस्जिद के निकट बुधवार तड़के अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान हिंसा हो गई। कुछ लोगों ने पथराव करने के साथ कांच की बोतलें फेंकी जिसमें 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने नारे लगाते हुए पुलिस के बैरिकेड भी तोड़ दिए। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन को काबू में करने के लिए बल प्रयोग के साथ आंसू गैस का इस्तेमाल किया। एक नाबालिग सहित पांच लोगों को हिरासत में लिया। मामले में प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जरिए अफवाह फैलाई गई कि अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान मस्जिद को ध्वस्त किया जा रहा है। इसके बाद हंगामा मच गया। काफी लोग वहां एकत्र हो गए, कुछ लोगों ने पुलिस और एमसीडी कर्मचारियों पर पथराव किया और कांच की बोतलें फेंकीं। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारी मस्जिद से सटी और कब्रिस्तान के निकट स्थित जमीन पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चला रहे थे। एमसीडी के उपायुक्त विवेक कुमार ने बताया कि एक निदान केंद्र, बैंक्वेट हॉल समेत कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को ध्वस्त किया गया लेकिन मस्जिद को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

- उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव के साथ कांच की बोतलें फेंकी

पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान ॉ100-150 लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए थे। हालांकि उनमें से ज्यादातर समझाने-बुझाने के बाद वहां से हट गए, लेकिन कुछ लोगों ने हंगामा किया और पथराव किया जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि वह इस बात की जांच कर रही है कि हिंसा अचानक हुई थी या यह अभियान को बाधित करने की कोई पूर्व नियोजित साजिश थी। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने चेतावनी दी कि हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बांग्लादेशः हमले में एक और हिंदू की मौत

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं जारी हैं। ताजा घटना में उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश में भीड़ ने एक 25 वर्षीय एक हिंदू युवक पर चोरी का आरोप लगाते हुए हमला कर दिया। भीड़ से अपनी जान बचाने के लिए युवक ने नहर में छलांग लगा दी। इस घटना में उसकी डूबने से मौत हो गई।

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीयूसी) के प्रवक्ता काजल देबनाथ ने बताया कि मृतक की पहचान मिथुन सरकार के रूप में हुई है। मंगलवार को नौगांव जिले में चोरी के आरोप को लेकर भीड़ ने मिथुन पर हमले की कोशिश की। अपनी जान बचाने के लिए वह नहर में कूद गया, लेकिन डूब गया। मंगलवार को जारी एक बयान में परिषद ने अल्पसंख्यकों के बढ़ते उत्पीड़न के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

- चोरी का आरोप लगाकर भीड़ ने किया हमला, बचने के लिए नहर में कूदा, डूबने से चली गई जान

दिसंबर में ही सांप्रदायिक हिंसा की 51 घटनाएं

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद की केंद्रीय समिति ने सांप्रदायिक हिंसा पर गंभीर चिंता जताने के साथ इनकी कड़ी निंदा की है। परिषद ने बताया कि उसने अकेले दिसंबर 2025 में सांप्रदायिक हिंसा की 51 घटनाएं दर्ज की हैं। परिषद ने कहा, इनमें हत्या की 10, चोरी और डकैती की 10 तथा घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, मंदिरों और जमीनों पर कब्जे, लूटपाट और आगजनी की 23 घटनाएं शामिल हैं।

टी-20 वर्ल्ड कपः आईसीसी ने बांग्लादेश का अपने मैच भारत में न करने का अनुरोध ठुकराया

ढाका। आईसीसी ने पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान बांग्लादेश के मैचों को भारत के बजाय कहीं और कराने के बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के आग्रह को ठुकरा दिया है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए भारत जाने में अपनी अनिच्छा जताई थी।

आईपीएल के सीजन 2026 से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज किए जाने के बाद दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच तनाव का माहौल है। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत दौरे को लेकर सुरक्षा चिंताएं जताईं और अपने मैच भारत के बजाय दूसरी जगह कराने की मांग की। वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका को करनी है।

सरकारी आंकड़ाः चालू वित्त वर्ष में 7.4% रह सकती है जीडीपी

नई दिल्ली। सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के दम पर सरकार की ओर से भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में 7.4 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ने की संभावना जताई गई है जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत थी। कहा गया है कि इस रफ्तार के जरिए भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी राष्ट्रीय आय के प्रथम अग्रिम अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले 6.4 प्रतिशत थी। इससे पहले वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, विनिर्माण क्षेत्र में जीवीए के आधार पर वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में सात प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2024-25 में 4.5 प्रतिशत थी। वहीं, सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 9.1 प्रतिशत आंकी गई है, जो पिछले वर्ष 7.2 प्रतिशत रही थी।

- विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर अनुमान

एमटेक-पीएचडी पाठ्यक्रम में बदलाव करेंगे आईआईटी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों को आईआईटी परिषद की बैठक के बाद नया रूप दिया जाना सुनिश्चित हो गया है। यह कदम आईआईटी परिषद की पिछले साल अगस्त में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत उठाया जा रहा है। आईआईटी परिषद देश के 23 प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों की सर्वोच्च समन्वय संस्था है।

अधिकारियों का दावा है कि एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों से मिलने वाले अवसरों का पूरा उपयोग नहीं किया जा रहा है। इससे पहले अगस्त 2024 में दो वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित आईआईटी परिषद की बैठक जेईई एडवांस्ड परीक्षा को भी बेहतर और कम तनावपूर्ण मूल्यांकन वाला बनाने के उद्देश्य से अधिक अनुकूल बनाने की संभावना तलाशने की सिफारिश की गई थी। इसके तहत उम्मीदवार की क्षमता के अनुसार प्रश्न वास्तविक समय में स्वतः तैयार किए जाएंगे और उनमें बदलाव किया जाएगा। भी आईआईटी परिषद ने आईआईटी में पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन और अनुसंधान पर एआई के प्रभाव पर चर्चा की।

- उम्मीदवार की क्षमता के अनुसार वास्तविक समय में स्वत: तैयार किए जाएंगे प्रश्न

दिलासा | मुख्यमंत्री ने की अंकिता के माता पिता से मुलाकात, हर मदद का दिया आश्वासन

अंकिता भंडारी के परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में स्वर्गीय अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी और माता सोनी देवी से मुलाकात की।

इस दौरान अंकिता के माता-पिता ने इस प्रकरण से संबंधित अपने मंतव्य एवं भावनाएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने उन्हें पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना और आश्वस्त किया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। धामी ने उनसे कहा कि इस मामले में न्याय सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग एवं उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

अंकिता भंडारी के माता-पिता को ढांढस बंधाते मुख्यमंत्री धामी।

दुष्यंत को अंकिता भंडारी की हत्या से जोड़ने वाले पोस्ट हटाएं कांग्रेस-आप

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) को वरिष्ठ भाजपा नेता दुष्यंत कुमार गौतम को वर्ष 2022 के अंकिता भंडारी हत्याकांड से जोड़ने वाली सोशल मीडिया पोस्ट 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने गौतम की ओर से दायर मानहानि के मामले में अंतरिम आदेश देते हुए दोनों राजनीतिक दलों को हत्या के मामले में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव को कथित वीआईपी के तौर पर दर्शाने वाली कोई भी सामग्री पोस्ट करने से भी रोका है। न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यदि 24 घंटे के भीतर सामग्री को नहीं हटाया गया तो सोशल मीडिया मंच नियमों के अनुसार उसे हटा देगा। अदालत ने अभिनेत्री उर्मिला सनावर और उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी सहित अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ भी आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति पुष्करणा ने कहा कि गौतम ने अपने पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला साबित कर दिया है और यदि मानहानिकारक सामग्री को बनाए रखने पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश पारित नहीं किया गया तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी। अदालत ने सोशल मीडिया मंचों को निर्देश दिया कि भाजपा नेता की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद वे किसी भी 'समान' सामग्री को हटा दें। अपने मुकदमे में दुष्यंत गौतम ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के साथ उर्मिला सनावर, सुरेश राठौर, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी और उसके अध्यक्ष गणेश गोदियाल और कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट आलोक शर्मा से दो करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है। इस मामले में अगली सुनवाई चार मई को होगी।

- भाजपा के राष्ट्रीय सचिव की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

सिटी ब्रीफ

प्लाईवुड ला रहा कैंटर टेढ़ी पुलिया पर पलटा

कालाढूंगी : बाजपुर-कालाढूंगी मोटर मार्ग पर बुधवार को टेढ़ी पुलिया के पास प्लाईवुड ला रहा कैंटर संख्या यूके 04 सी सी 0175 अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में कैंटर चालक बाल-बाल बच गया तथा बड़ा हादसा होने से टल गया। चालक अब्दुल हक ने बताया कि व दिल्ली से प्लाईवुड लेकर हल्द्वानी जा रहा था।सुबह लगभग पांच बजे टेढ़ी पुलिया के पास नींद की झपकी आने से कैंटर अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर पलट गया। कैंटर सागौन के पेड़ों से टकराकर रुक गया। जिसके बाद दूसरे कैंटर से प्लाईवुड भेजकर क्रेन से कैंटर का निकाला गया।

वीडियो वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार

नैनीताल। नैनीताल-हल्द्वानी रोड पर न्यायिक अधिकारी के चालक से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। बीते 8 दिसंबर को हल्द्वानी रोड पर एक टैक्सी चालक और न्यायिक अधिकारी के चालक राजेंद्र सिंह के साथ मारपीट हो गई थी। पीड़ित की तहरीर पर तल्लीताल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर टैक्सी चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हालांकि, घटना का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी हरिद्वार शांतिकुंज निवासी पंकज पंत को सोमवार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। टीम उसे लेकर नैनीताल पहुंची।तल्लीताल थानाध्यक्ष मनोज नयाल ने बताया कि आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया।

"जरूरत है श्रीमती जी" नाटक का शानदार मंचन

रामनगर : समन्वय सांस्कृतिक समिति द्वारा रामनगर में आयोजित नाट्य महोत्सव में बरेली के कलाकारों ने "ज़रूरत है श्रीमती जी" नाटक का शानदार मंचन किया। नाटक में हास्य, श्रृंगार और कपट का अद्भुत मिश्रण दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। इसी दौरान ग्रेट मिशन स्कूल के बाल कलाकारों ने "द प्रपोजल" नाटक प्रस्तुत कर खूब वाह-वाह बटोरी। महोत्सव स्वर्गीय के.बी. लाल श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख, नगर पालिका अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि वअन्य गणमान्य लोग रहे। समिति और स्कूल के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम सफल रहा और बच्चों एवं युवाओं में रंगमंच की प्रतिभा को बढ़ावा मिला।

जो बोले सो निहाल के उद्घोष से गूंजी राम की नगरी

गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर गुरुमत प्रचार कमेटी की ओर से निकाला गया नगर कीर्तन, सैकड़ों लोगों ने की शिरकत

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर गुरुमत प्रचार कमेटी द्वारा आयोजित नगर कीर्तन में रामनगर नगरी श्रद्धा और आस्था से भर गई। पीरुमदारा गुरुद्वारे से निकले नगर कीर्तन में हजारों की संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। नगर कीर्तन ने लगभग दस किलोमीटर का मार्ग तय कर रामनगर पहुंचते ही "जो बोले सो निहाल" के उद्घोष से पूरी नगरी को गुंजायमान कर दिया।

रामनगर में आयोजित नगर कीर्तन में शामिल पंज प्यारे। ● अमृत विचार

रामनगर में बुधवार को नगर कीर्तन के दौरान सड़क की सफाई करतीं महिलाए। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन में गुरुवाणी के साथ-साथ पंच प्यारों की झांकी ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। गुरुमत प्रचार कमेटी के उपाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ने बताया कि यह महानगर संकीर्तन पीरुमदारा गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर रामनगर के मुख्य मार्गों, बाजारों और गलियों से होते हुए नगर गुरुद्वारा में समापन हुआ। नगर कीर्तन में गुरुनानक पब्लिक स्कूल के बेड, पंच प्यारो और श्री गुरु साहिब का पवित्र ग्रंथ शोभा बढ़ाते नजर आए। इस अवसर पर श्रद्धालु महिलाएं और पुरुष मार्ग की सफाई करते हुए नगर कीर्तन में शामिल हुए। हजारों लोगों ने नगर कीर्तन में अटूट लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। नगर कीर्तन में झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सव की रौनक बढ़ाई। पुष्प वर्षा और ढोल नगाड़ों के साथ नगर कीर्तन पूरे मार्ग में भक्ति और उल्लास का प्रतीक बनकर गुजरा।

नगर कीर्तन के दौरान पुलिस और प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। विधायक दीवान सिंह बिष्ट, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, कनिष्ठ प्रमुख मीना रावत, पूर्व विधायक रंजीत रावत, नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा सहित भाजपा और कांग्रेस के कई नेता और स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस भव्य नगर कीर्तन ने रामनगर की गलियों और मुख्य मार्गों को श्रद्धा और उल्लास से भर दिया। बाहर से आए कलाकारों की प्रस्तुतियों, झांकियों और पुष्प वर्षा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। नगर कीर्तन ने सिक्ख धर्म की आस्था, सांस्कृतिक विरासत और नगरवासियों की सहभागिता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसे देख श्रद्धालु और पर्यटक दोनों मंत्रमुग्ध हो उठे। इस प्रकार रामनगर में आयोजित यह नगर कीर्तन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि शहर में सामूहिक भाईचारे और सांस्कृतिक उत्सव का अद्भुत उत्सव भी सिद्ध हुआ।

नगर कीर्तन में शामिल श्री गुरु साहिब का फूलों से सजा वाहन।

डीएसबी में हो परीक्षा प्रभारी की नियुक्ति

नैनीतालः डीएसबी परिसर में परीक्षा समय निर्धारण में हुई गलती को लेकर छात्र नेताओं ने परिसर निदेशक को ज्ञापन सौंपा।परीक्षा समय निर्धारण में हुई त्रुटि के चलते छात्रों को हुई परेशानी को लेकर बुधवार को छात्र नेताओं ने परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा को ज्ञापन सौंपा। छात्र नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से परिसर में नियमित रूप से परीक्षा प्रभारी की नियुक्ति की मांग की।

छात्र नेताओं का कहना है कि परीक्षा प्रबंधन के लिए एक स्थायी परीक्षा प्रभारी की नियुक्ति बेहद आवश्यक है, ताकि छात्रों को समय पर परीक्षा से जुड़ी सभी जानकारियां मिल सकें। उन्होंने बताया कि बीते मंगलवार को सूचना के अभाव में परीक्षा समय को लेकर छात्रों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। छात्र नेताओं का कहना है कि यदि परीक्षा प्रभारी की नियुक्ति हो तो भविष्य में इस तरह की अव्यवस्था नहीं होगी और छात्रों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस दौरान छात्र महासंघ अध्यक्ष आशीष कबड़वाल, छात्रसंघ सचिव आयुष आर्या, अभिषेक कुमार सहित अन्य छात्र नेता मौजूद रहे।

पालिकाध्यक्ष ने डाक बंगला मोटर मार्ग का निरीक्षण किया

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने भीमताल के नौकुचियाताल मार्ग अंतर्गत डाक बंगला मोटर मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क पर जगह-जगह गड्ढे पाए गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि मोटर मार्ग की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है, जिसके चलते कई दोपहिया वाहन फिसल चुके हैं और कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं।

डाक बंगला मोटर मार्ग का निरीक्षण करतीं नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा।

स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने मार्ग की जर्जर स्थिति पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र मरम्मत की मांग की। उन्होंने बताया कि खराब सड़क के कारण आवाजाही में परेशानी के साथ-साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। मौके पर मौजूद व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही सड़क की दशा में सुधार नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने मौके से ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर मोटर मार्ग की स्थिति में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और सड़क मरम्मत में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान सभासद रामपाल सिंह गंगोला, अवर अभियंता नगर पालिका महेंद्र धोनी, सुनील सांगुड़ी, पूरन चंद तिवारी, हरदयाल सिंह न्याल, गिरधारी भगवाल, आनंद सिंह रावत, मोहन ध्यानी, अयूब अहमद, मोंटू सरकार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पेयजल पंप में अतिरिक्त ऑपरेटर रखने की मांग

भीमताल : पिनरों के पूर्व बीडीसी सदस्य यशपाल आर्या ने पिनरो छोटा कैलाश पंप में अतिरिक्त पंप ऑपरेटर रखने की मांग की है। उन्होंने जल संस्थान के अधिकारियों से अपील की है कि सिंगल पंप ऑपरेटर की सुरक्षा के दृष्टिगत यह कदम आवश्यक है।

यशपाल आर्या ने बताया कि पिनरो छोटा कैलाश पंप का वर्तमान ऑपरेटर रोजाना 4-5 किलोमीटर घने जंगल में अकेले ड्यूटी करने जाता है। इस क्षेत्र में जंगली जानवरों का खतरा हमेशा बना रहता है और तेंदुए की मौजूदगी के निशान अक्सर देखे जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस इलाके में पहले भी मानव और जंगली जानवरों के बीच संघर्ष की घटनाएं हो चुकी हैं। इसलिए उन्होंने जल संस्थान से अनुरोध किया है कि शीघ्र एक अतिरिक्त पंप ऑपरेटर तैनात किया जाए, ताकि कर्मचारी की सुरक्षा सुनिश्चित हो और ड्यूटी सुचारू रूप से चलती रहे।

छात्रों व खिलाड़ियों को स्कॉलरशिप व स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड दिए गए

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः नेचर बायो फूड्स किसान परियोजना ने कोटाबाग, रामनगर और बेतालघाट ब्लॉक के सरकारी स्कूलों के होनहार छात्रों और उत्कृष्ट एथलीटों को सम्मानित करने के लिए स्कॉलरशिप और स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों की अकादमिक और खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचानना और उन्हें प्रोत्साहित करना है, विशेषकर उन छात्रों को जो इस प्रोजेक्ट की ऑर्गेनिक खेती से जुड़े किसान परिवारों से हैं।

रामनगर में विजेताओं को पुरस्कार देते अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यक्रम के दौरान छात्रों और खिलाड़ियों को उनके मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण का मकसद उन्हें शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में ऊँचे लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करना है। यह पहल ग्रामीण विकास और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए की गई है। यह कार्यक्रम इकोलाइफ फाउंडेशन के सहयोग से सरकारी प्राइमरी स्कूल, गिनती गांव में आयोजित किया गया। इस दौरान प्रोजेक्ट अध्यक्ष श्री बहादुर सिंह, प्रोजेक्ट इंचार्ज वीरेंद्र कुमार, प्रधानाचार्य ममता गुप्ता, स्कूल के शिक्षक, एसएमसी समिति के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त करने के साथ-साथ शिक्षा व खेल के महत्व को समझा। कार्यक्रम ने युवाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने का काम किया। इसके अलावा, ग्रामीण समुदाय में शिक्षा और खेल के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

बसंत पंचमी पर 23 जनवरी को होंगे सामूहिक उपनयन संस्कार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः नैनीताल की प्राचीनतम धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था श्री राम सेवक सभा द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया जाएगा, वहीं 23 जनवरी को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सामूहिक उपनयन (यज्ञोपवीत) संस्कार संपन्न कराए जाएंगे।

इस संबंध में सभा के अध्यक्ष मनोज साह एवं महासचिव जगदीश बावरी ने बताया कि जो भी अभिभावक अपने बच्चों का उपनयन संस्कार कराना चाहते हैं, उनके लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य किया गया है।

यज्ञोपवीत संस्कार, जिसे उपनयन संस्कार भी कहा जाता है, हिंदू धर्म के प्रमुख संस्कारों में से एक है। यह संस्कार बालक को शिक्षा एवं आध्यात्मिक ज्ञान के लिए गुरु के सान्निध्य में ले जाने का प्रतीक है। इस दौरान बालक को यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण कराया जाता है और ब्रह्मचर्य व्रत के साथ वैदिक शिक्षा की दीक्षा दी जाती है। यज्ञोपवीत के तीन सूत्र ऋषि ऋण, देव ऋण और पितृ ऋण के प्रतीक माने जाते हैं, वहीं इसके नौ गुण जैसे तप, सत्य, ब्रह्मचर्य आदि जीवन मूल्यों का स्मरण कराते हैं। यह संस्कार व्यक्ति को पशुता त्यागकर मनुष्यत्व की ओर अग्रसर होने का संकल्प दिलाता है। उपनयन संस्कार के अंतर्गत मुंडन, चंदन लेप, हवन, गायत्री मंत्र जाप, गुरु मंत्र दीक्षा एवं भिक्षाटन जैसे अनुष्ठान संपन्न होते हैं। श्री राम सेवक सभा बीते एक दशक से निरंतर इस सामूहिक संस्कार का आयोजन कर रही है।बसंत पंचमी को विद्या की देवी मां सरस्वती को समर्पित पर्व माना जाता है। इसे 'अबूझ मुहूर्त' माना जाता है, जिस दिन बिना पंचांग देखे शुभ कार्य किए जा सकते हैं। इस कारण इस दिन अक्षरारंभ, मुंडन एवं विशेष रूप से उपनयन संस्कार कराना अत्यंत शुभ माना जाता है।

यूसीसी पंजीकरण शिविर का आयोजन

कालाढूंगीः समान नागरिक संहिता के अंतर्गत विवाह पंजीकरण के लिए नगरपालिका की ओर से नगर में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

बुधवार को वार्ड नंबर दो में यूसीसी शिविर का शुभारंभ वार्ड मेंबर सुमन अधिकारी ने किया। नगरपालिका के ईओ अभिनव कुमार ने बताया कि जन सामान्य की सुविधा के दृष्टिगत विवाह एंव पंजीकृत विवाह की अभिस्वीकृति के निशुल्क पंजीकरण के लिए प्रत्येक वार्ड में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वार्ड मेंबर के पति मनोज अधिकारी ने बताया कि 12 दंपति के विवाह का पंजीकरण किया गया। शिविर में विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया सुगम व सुलभ है।

धारी में किसानों ने बीमा राशि को दिया धरना

संवाददाता, भीमताल

● **बीमा भुगतान में भेदभाव का आरोप, उग्र आंदोलन की चेतावनी**

अमृत विचारः नैनीताल जनपद के धारी विकासखंड में आलू की फसल को हुए भारी नुकसान के बावजूद फसल बीमा राशि का समुचित भुगतान न मिलने से किसानों में गहरा रोष है। इसी के विरोध में किसानों ने उपजिलाधिकारी कार्यालय धारी में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया और सरकार व बीमा कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धारी में फसल बीमा भुगतान को लेकर धरना-प्रदर्शन करते किसान।

धरने का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोपाल सिंह बिष्ट ने आरोप लगाया कि बीमा भुगतान में खुलेआम भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेतालघाट क्षेत्र के किसानों को प्रीमियम का छह गुना और ओखलकांडा के किसानों को साढ़े चार गुना तक भुगतान किया गया, जबकि धारी क्षेत्र के किसानों को केवल प्रीमियम का एक-चौथाई हिस्सा देकर मामले को टाल दिया गया। बिष्ट ने इसे बीमा कंपनी द्वारा किसानों के साथ किया गया "भद्दा मजाक" बताया।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही किसानों को पूरी बीमा राशि का भुगतान नहीं किया गया तो धारी के किसान उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। धरना स्थल पर किसानों को संबोधित करते हुए हरीश पनेरु ने भाजपा सरकार और क्षेत्रीय विधायक पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों से किसानों को केवल आश्वासन ही दिए जा रहे हैं, जबकि धारी क्षेत्र में लगभग 80 प्रतिशत फसलें बर्बाद हो चुकी हैं।

धरना-प्रदर्शन के उपरांत किसानों की मांगों से संबंधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी धारी अंशुल भट्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री एवं संबंधित बीमा कंपनी को प्रेषित किया गया।

रामनगर में आयोजित बैठक में मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

सांवल्दे में बाघ न पकड़े जाने पर होगा प्रदर्शन

रामनगर : सांवल्दे गांव में 2 जनवरी को बाघ के हमले में सुखिया की मौत के बाद ग्रामीणों ने गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने 9 जनवरी को सांवल्दे पूर्व स्थित वन चौकी का घेराव कर धरना प्रदर्शन करने की घोषणा की है। सांवल्दे पश्चिम में हुई संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि कॉर्बेट प्रशासन ने पिंजरा तो लगाया है, लेकिन बाघ को पकड़ने में कोई गंभीर प्रयास नहीं किए जा रहे। इसके कारण टाइगर गांव के आसपास घूम रहा है और किसी भी व्यक्ति को अपना शिकार बना सकता है। महेश जोशी ने कहा कि कॉर्बेट पार्क की धारण क्षमता 65 टाइगर है, जबकि वर्तमान में 260 से अधिक टाइगर हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अधिक संख्या वाले टाइगर को नियंत्रित नहीं किया गया, तो भविष्य में और मौतें हो सकती हैं। ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को मुआवजा बढ़ाकर 25 लाख रुपए देने और आश्रित को नियमित सरकारी नौकरी देने की मांग की। ग्राम प्रधान धर्म सिंह ने जनता से अपील की कि 9 जनवरी को दोपहर 12 बजे वन चौकी में पहुंचकर अपनी मांग दर्ज कराएं। बैठक में तुलसी बेलवाल, कौशल्या चुनियाल, जानकी पांडे, राशिद हुसैन, प्रताप सिंह, गंगा देवी, सुनीता देवी आदि उपस्थित रहे।

चिंता की बात | पिछले पांच वर्षों में लगातार गिर रहा है झील का जलस्तर, बारिश की कमी को माना जा रहा कारण

न्यूनतम 7 फीट पर पहुंचा नैनी झील का जलस्तर

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचारः नैनीताल की पहचान मानी जाने वाली नैनीताल झील गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। पिछले पांच वर्षों में झील का जलस्तर लगातार गिरता रहा है और 2026 में यह अपने न्यूनतम स्तर 7 फीट पर पहुंच गया है। मौसम में लगातार बारिश और बर्फबारी न होना तथा जल स्रोतों का कमजोर होना इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते पर्याप्त वर्षा और हिमपात नहीं हुआ, तो आने वाले पर्यटन सीजन में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। झील से जुड़े नालों और धाराओं में पानी की आवक कम होने से जैविक संतुलन प्रभावित हो रहा है। नैनीताल का पर्यटन पूरी तरह झील पर निर्भर है। नौकायन और झील किनारे की गतिविधियां इस जलस्रोत से जुड़ी हैं। पर्यटन कारोबार से जुड़े लोग बता रहे हैं कि जलस्तर गिरने की स्थिति में न केवल पर्यटन प्रभावित होगा, बल्कि शहर की पेयजल व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ सकता है। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों की मांग है कि झील के जल स्रोतों के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, वर्षा जल संचयन को प्रभावी बनाया जाए और अंधाधुंध निर्माण एवं पर्यावरणीय दबाव पर नियंत्रण रखा जाए।

आंकड़ों के अनुसार झील का जलस्तर

2022 – 9 फीट 33 इंच
2023 – 7 फीट 83 इंच
2024 – 7 फीट 6 इंच
2025 – 7 फीट 6 इंच
2026 – 7 फीट

पहाड़ी क्षेत्रों में खेती पर भी संकट

नैनीताल के मुक्तेश्वर, धारी और रामगढ़ क्षेत्र मौसमी फल फसलों जैसे आड़ू, पुलम, काफल और सेब की खेती के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन लगातार बारिश और बर्फबारी न होने के कारण इन क्षेत्रों की फसलें भी संकट में हैं। पहाड़ के काश्तकार अब अपनी फसल और आय को लेकर बेहद चिंतित हैं। यदि जल संरक्षण और कृषि उपाय समय पर नहीं किए गए, तो नैनीताल का पारिस्थितिकी तंत्र और स्थानीय जीवन दोनों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

गांवों में आयोजित किए कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः ओखलकांडा ब्लॉक के क्षेत्रों, ग्राम सभा बरमधार और ग्राम सभा महतोली में अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति उप योजना के अंतर्गत कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय मुक्तेश्वर द्वारा संचालित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान मोहन चंद्र ने की। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ. अरुण किशोर ने पूर्व ग्राम प्रधान मुकेश चंद्र बौद्ध का धन्यवाद किया और बताया कि भविष्य में कृषकों को बागवानी हेतु फलदार पौधे और उन्नत बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को कृषि को वैज्ञानिक पद्धति से करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे उनकी उत्पादकता और आय में सुधार हो सके। मुख्य अतिथि मुकेश चंद्र बौद्ध ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध किया कि भविष्य में भी ओखलकांडा ब्लॉक के दूरस्थ गांवों को अपनी योजनाओं में शामिल किया जाए। कार्यक्रम के दौरान ग्राम सभा महतोली में 136 कृषकों को तथा ग्राम सभा बरमधार में 60 कृषकों को कृषि प्रशिक्षण और कृषि उपयोगी सामग्री जैसे पाइप, ट्रे आदि प्रदान की गई। कार्यक्रम में डॉ. अरुण किशोर, डॉ. रश्मि और डॉ. चांदनी, विनोद चंद्र, अंकुर और नारायण सिंह उपस्थित रहे। साथ ही ग्राम प्रधान विपिन चंद्र, देवेंद्र सिंह चौसाली, विमला देवी, संजय सिंह बरगली, राजेंद्र प्रसाद रहे।

सिटी ब्रीफ

आज धारी में लगेगा किसान दिवस

हल्द्वानी : जिला विकास अधिकारी नैनीताल गोपाल गिरी ने बताया कि गुरुवार को विकास खंड कार्यालय धारी में किसान दिवस का आयोजन किया जाना है। इसमें सभी रेखीय विभागों की ओर से आयोजन स्थल पर विभागीय स्टॉल लगाकर कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही किसानों की समस्याओं को भी सुना जाएगा।

अपराधिक मानसिकता देवभूमि के लिए घातक

हल्द्वानी : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने शहर में नितिन लोहनी की निर्मम हत्या पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि देवभूमि में अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि शहर में एक जनप्रतिनिधि ने इस घटनाक्रम को अंजाम दिया है, जिसने देवभूमि को दागदार कर दिया। ऐसे अपराधी को कड़ी सजा मिलनी जरूरी है। कहा कि प्रदेश के व्यापारी समाज ने भी ऐसी वीभत्स हत्याकांड की घोर निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से जघन्य हत्याकांड की पैरवी सही तरीके से करने की अपील की है, ताकि अपराधी को फांसी की सजा मिल सके।

रिक्शे पर मरा मिला चालक, मुंह से निकल रहा था झाग

हल्द्वानी : ठंड में एक रिक्शा चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह लोगों ने उसे रिक्शे पर लेटे और कंबल ढका पाया। कंबल हटाने पर देखा तो उसके मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस के मुताबिक, 7 जनवरी को उत्तर उजाला बनभूलपुरा निवासी जुबेर पुत्र रफीक अहमद ने रिक्शे पर लाश की सूचना दी थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक राजपुरा नई बस्ती का रहने वाला 45 वर्षीय रमेश उर्फ लल्ला पुत्र देवतादीन है। मृतक के राजपुरा नई बस्ती निवासी भाई अरुण ने शव की पहचान की है।

ठंड की पकड़ बरकरार पारे में गिरावट जारी

हल्द्वानी : ठंड का असर पूरी तरह से बरकरार है। इतनी राहत है कि दोपहर के समय धूप निकल रही है हालांकि शाम होने के साथ ही ठंड फिर से जोर पकड़ रही है। हल्द्वानी में दोपहर के समय अच्छी धूप निकली। अधिकतम तापमान 14 .6 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 8 .4 डिग्री था। मुक्तेश्वर में पारा 11 .1 डिग्री रहा जो सामान्य से एक डिग्री कम है वहीं न्यूनतम तापमान माइनस 1 .2 डिग्री दर्ज किया गया है। पहाड़ों में रात के समय तापमान अब माइनस डिग्री में पहुंच गया है। फिलहाल शीत दिवस के प्रकोप से लोगों का बुरा हाल है, वे शाम होते ही अलाव या हीटर्स के सामने बैठ जा रहे हैं।

नितिन लोहनी की हत्या में पार्षद अमित बिष्ट चिंटू के मुंह से निकला था दरम्वाल गैंग का नाम, अब इस गैंग के गुर्गों से की जाएगी पूछताछ

रडार पर आया दरम्वाल गैंग, एक-एक की होगी पेशी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नितिन लोहनी हत्याकांड में हत्यारोपी पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू के मुंह से दरम्वाल गैंग का नाम निकला था। यह दरम्वाल गैंग अब पुलिस की रडार पर है। पुलिस अब गैंग की कुंडली खंगाल रही है। कुछ लोगों के नाम भी पुलिस को मिले हैं, जिसमें गैंग के सरगना का नाम भी बताया जा रहा है। पुलिस अब सरगना समेत गैंग से जुड़े कई लोगों से पूछताछ करने वाली है।

4 जनवरी की तकरीबन आधी रात जज फार्म निवासी नितिन लोहनी को पार्षद अमित बिष्ट ने अपने मानपुर उत्तर वार्ड नंबर 56 स्थित घर के बाहर गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। घटना से पहले नितिन के साथ मौजूद कमल भंडारी ने पार्षद के घर की घंटी बजाई थी। पार्षद अमित अपने 19 वर्षीय बेटे जय के साथ बालकनी पर आया और बोला, दरम्वाल गैंग से हो। इतना कहते ही पार्षद के अपनी लाइसेंसी डबल बैरल पौनिया (शॉट गन) से कमल पर फायर झोंक दिया। दोनों भागे और पार्षद ने पीछा कर नितिन को गोलियों से भून डाला।

नितिन लोहनी। (फाइल फोटो)

हत्या का आरोपी अमित बिष्ट उर्फ चिंटू।

पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या से कुछ दिन पहले दरम्वाल गैंग के कुछ लोग पार्षद अमित बिष्ट के होटल पहुंचे थे। होटल में पार्षद के बेटे जय का गैंग के लोगों से विवाद हो गया। गैंग के एक सदस्य का सिर फट गया था। जिसके बाद गैंग ने जय और उसके पिता अमित को जान से मार डालने की धमकी दी थी। पुलिस अब इस गैंग की तस्दीक में जुटी है। पुलिस यह पता कर रही है कि इस घटनाक्रम के तार कथित दरम्वाल गैंग से कैसे जुड़े हैं। एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि जो भी गैंग है, इस हत्याकांड को लेकर उनसे भी पूछताछ की जाएगी। यदि इस घटना में इस गैंग का भी हाथ मिलता है तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी, फिलहाल जांच जारी है।

सबूतों की कड़ी न जुड़ी तो क्राइम सीन री-क्रिएट कराएगी पुलिस

हल्द्वानी : एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि उनके पास हत्यारोपी अमित और उसके बेटे जय के खिलाफ पर्याप्त सुबूत हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी है और इसके अलावा इलेक्ट्रानिक और वैज्ञानिक साक्ष्य भी हैं। अभी तक की जांच में मिले सुबूत एक-दूसरे का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन यह जांच आगे जाकर मेल नहीं खाती या कुछ विरोधाभास होता है तो फिर अमित और और उसके बेटे की न्यायालय से रिमांड मांगी जाएगी। जिसके बाद घटना स्थल पर क्राइम सीन को री-क्रिएट कराया जाएगा। एसपी का यह भी कहना है कि आरोपियों के मोबाइल की सीडीआर भी निकाली गई है। घटना के दिन और घटना से पहले आरोपियों की किस-किस से और क्या-क्या बात हुई थी, इसका भी पता लगाया जा रहा है।

जय की विदेशी पिस्टल से भी गोली चली या नहीं एफएसएल रिपोर्ट बताएगी

हल्द्वानी : नितिन की हत्या में पार्षद अमित ने अपनी लाइसेंसी पौनिया से फायर झोंके थे, जिसके छर्रों से नितिन का जिस्म छलनी हुआ था। कहानी में तब नया मोड़ आया, जब पुलिस ने यह बताया कि पिता के साथ जय भी पिता की लाइसेंसी पिस्टल लेकर नितिन और कमल के पीछे दौड़ा था। संभव है कि जय ने भी विदेशी पिस्टल से फायर झोंके हों। इसके अलावा षड्यंत्र के तहत हत्यारोपी ने अपने घर भी फायर झोंक कर यह साबित करने का प्रयास किया कि पहले हमला उनपर हुआ और उन्होंने जवाबी फायरिंग की। हत्यारोपी ने जिस फायर की बात की, वो हत्यारोपी के घर की मुख्य खिड़की की चौखट पर लगी। इस गोली का निशान देख कर माना जा रहा है कि यह फायर पिस्टल से किया गया होगा। क्योंकि अगर पौनिया से गोली चलती तो खिड़की पर निशान सिर्फ एक स्थान पर नहीं होगा। बल्कि नितिन की पीठ की तरह पूरी खिड़की में छर्रों के निशान होते। इन सभी सवालों का जवाब तलाशने के लिए पुलिस ने बरामद दोनों असलहों और खोखों को जांच के लिए एफएसएल देहरादून भेजने की बात कही है।

तस्कर ने कांस्टेबल पर चढ़ा दी बाइक, 82 लाख की स्मैक बरामद

नानकमत्ता से लाली नाम के बड़े ड्रग डीलर से हल्द्वानी में बेचने के लिए लाया था स्मैक

कार्यलय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुखबिर की खबर पर पुलिस ने एक बड़े तस्कर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। तस्कर ने खुद को फंसता देखा तो उसने वाहन रोक रहे कांस्टेबल पर चढ़ा दिया, लेकिन वह भाग निकलने में कामयाब नहीं हुआ। टक्कर के बाद तस्कर वाहन समेत जमीन पर जा गिरा। वह भाग पाता, इससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। तलाशी में शातिर तस्कर के पास से पुलिस ने लगभग 82 लाख रुपए कीमत की स्मैक बरामद की। बरामद स्मैक की इतनी बड़ी खेप शातिर नानकमत्ता के बड़े ड्रग डीलर से खरीद कर लाया था।

बुधवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में मामले का खुलासा करते हुए एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि बीती 6 जनवरी को काठगोदाम पुलिस को स्मैक तस्करी की खबर मिली थी। शाम ढले पुलिस ने तस्कर को पकड़ने के लिए गौलापार के कुंवरपुर में जाल बिछाया। पुलिस को तस्कर का हुलिया मुखबिर से मिल चुका था। मुखबिर ने बताया कि तस्कर बाइक पर सवार है। चेकिंग के दौरान जब तस्कर ने पुलिस को देखा तो मुड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन घात लगाए कांस्टेबल भानू, तस्कर के सामने आ गया। लेकिन तस्कर रुका नहीं। तस्कर ने भानू के ऊपर अपनी मोटर साइकिल चढ़ा दी।

तस्कर बचकर भाग निकलने की फिराक में थे, लेकिन भानू को टक्कर मारने के बाद वो खुद भी मोटर साइकिल समेत सड़क पर जा गिरा। इससे पहले वह दोबारा भाग पाता, पुलिस ने तस्कर को दबोच लिया। तलाशी में आरोपी के पास से पुलिस ने 275 ग्राम स्मैक बरामद की। एसपी सिटी ने बताया कि बरामद स्मैक की कीमत लगभग 82.50 लाख रुपए है। पुलिस पूछताछ में तस्कर ने अपना नाम मंजीत सिंह पुत्र स्व. संतोक सिंह निवासी ग्राम टुकड़ी थाना नानकमत्ता जिला ऊधम सिंह नगर बताया। जांच में सामने आया कि वह स्मैक नानकमत्ता से लाली नाम के व्यक्ति से लाया था और हल्द्वानी बेचने जा रहा था। आरोपी जिस मोटर साइकिल का इस्तेमाल कर रहा था, उसमें पीछे नंबर भी नहीं था। एसपी कात्याल के मुताबिक, मंजीत पहले भी एनडीपीएस के केस में पिथौरागढ़ से जेल जा चुका है।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते एसपी मनोज कात्याल व हिरासत में तस्करी का आरोपी।

लाखों की स्मैक का तस्कर और जेब में चिल्लर

हल्द्वानी : पुलिस ने जिस तस्कर को 82 लाख रुपए की स्मैक के साथ पकड़ा वो जेब से फकीर निकला। तलाशी में पुलिस को आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और जेब से दो-दो रुपए के दो सिक्के और पांच रुपए का एक सिक्का बरामद किया। यानी 82 लाख रुपए की स्मैक लेकर चलने वाले की जेब में सिर्फ 9 रुपए थे। आरोपी ने बताया कि स्मैक को लाली नाम के व्यक्ति से ग्राम गिधौर थाना नानकमत्ता ऊधमसिंह नगर से खरीदकर लाया था। लाली का नंबर उसे याद नहीं और मोबाइल फोन से उसने लाली का नंबर हटा दिया था।

काठगोदाम को नगद इनाम, बनभूलपुरा ने पकड़े इंजेक्शन

हल्द्वानी : एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने स्मैक और नशीले इंजेक्शन बरामदगी को बड़ी सफलता बताया। उन्होंने स्मैक पकड़ने वाली काठगोदाम पुलिस टीम को ढाई हजार रुपए नगद पुरस्कार की घोषणा की है। टीम में पुलिस टीम में एसआई दिलीप कुमार, कांस्टेबल भानु प्रताप, सुरेन्द्र और प्रेम प्रकाश थे। इधर, बनभूलपुरा पुलिस ने 6 जनवरी को गौला पार्किंग रेलवे पटरी के पास से नशीले इंजेक्शन की तस्करी करते अभिषेक आर्या पुत्र हिमांशु आर्या निवासी नारायण नगर कुसुमखेड़ा मुखानी को पकड़ा। उसके पास से पुलिस ने 26 इंजेक्शन बरामद किए हैं। पुलिस टीम में एसआई मोनी टम्टा, कांस्टेबल सुनील कुमार, महबूब अली, लक्ष्मण राम थे।

किशोर को कुचलने वाले मिक्चर ट्रक के चालक पर केस

हल्द्वानी : नहर कवरिंग रोड जगदंबानगर में किशोर को कुचलने वाले मिक्चर ट्रक के अज्ञात चालक के खिलाफ हल्द्वानी कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी तहरीर में तल्ली बमौरी बंदोबस्ती वार्ड 49 निवासी ललित मौर्य ने लिखा, बीती 5 जनवरी को वह बाइक पर सवार होकर 13 वर्षीय अर्जुन मौर्य के साथ जा रहा था। जगदंबानगर में सामने से आए मिक्चर मशीन ट्रक ने अर्जुन को कुचल दिया। ललित का कहना है कि मिक्चर ट्रक की झोक और तेज लाइट की वजह से उसके छोटे भाई अर्जुन मौर्य की ट्रक से कुचल कर मौत हो गई। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर ट्रक के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद से वह फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

इधर डीएम ललित मोहन रयाल ने इस घटना की मजिस्ट्रीयल जांच के लिए एडीएम प्रशासन को जांच अधिकारी नामित किया है। एडीएम विवेक राय ने आमजन से अपील की है कि उक्त दुर्घटना के कारणों के संबंध में जानकारी रखने वाले सम्बद्ध, असम्बद्ध या अन्य व्यक्तियों से अपेक्षा है कि आगामी 7 दिवस में अपना मौखिक /लिखित बयान/अभिकथन अथवा उक्त के संबंध में कोई साक्ष्य हों तो कार्य दिवस के दिन कार्यालय में दे सकते हैं।

साईं कृपा नशा मुक्ति केंद्र में निरीक्षण करतीं जिला विधिक प्राधिकरण की टीम।

अवैध ढंग से संचालित हो रहा साईंकृपा नशा मुक्ति केंद्र

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- जिला विधिक प्राधिकरण, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग ने किया औचक निरीक्षण

अमृत विचार : जिला विधिक प्राधिकरण, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने कमुलवागांजा स्थित नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि केंद्र अवैध ढंग से संचालित हो रहा है। फिलहाल नशा मुक्ति केंद्र के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

जिला विधिक प्राधिकरण सचिव सिविल जज (सीडि) पारुल थपलियाल, एसडीएम नवाजिश खलीक व एसीएमओ डॉ. श्वेता भंडारी ने बुधवार को कमलुवागांजा स्थित साईं कृपा ट्रस्ट पुनर्वास केंद्र नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान नशा मुक्ति केंद्र में अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण में यह संज्ञान में आया कि उक्त संस्थाओं ने नवीनीकरण नहीं कराया है। बिना वैध नवीनीकरण के ही संस्था का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परिसर में साफ सफाई की स्थिति अत्यंत दयनीय मिली और रोशनी की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में रोगियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके दृष्टिगत साईंकृपा ट्रस्ट का नवीनीकरण न होने तथा रोगियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का अभाव होने एवं मानसिक स्वास्थ्य देखरेख अधिनियम 2017 की धारा 65 मानसिक स्वास्थ्य देखरेख (राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, उत्तराखंड) नियमावली 2023 की धारा 12 एवं में व्यवस्था के उल्लंघन के कारण केंद्र के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

एनएचएम से पहाड़ को मिल गए सात डॉक्टर्स

संवाददाता, देहरादून/हल्द्वानी

- चौखुटिया, गैरसैण, बीरोंखाल व डीडीहाट में होंगे तैनात

अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग को सात और विशेषज्ञ चिकित्सक मिल गये हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत 'यू कोट, वी पे' मॉडल के तहत इन विशेषज्ञ चिकित्सकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया, डीडीहाट, बीरोंखाल और उप जिला चिकित्सालय गैरसैंण में तैनाती दी गई है।

इन डॉक्टरों में एनेस्थेटिस्ट व पीडियाट्रिशियन के दो-दो जबकि ऑब्स्टेट्रीक एंड गायनी के तीन विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं। विभागीय अनुबंध के तहत चयनित इन विशेषज्ञ चिकित्सकों को विभिन्न जनपदों की चिकित्सा इकाईयों में तैनाती दे दी गई है। जिसमें डॉ. आर. हेमचन्द्रन (एनेस्थेटिस्ट), डॉ. देविका खत्री (ऑब्स्टेट्रीक एंड गायनी) और डॉ. अनंत गुप्ता (पीडियाट्रिशियन) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया में तैनाती दी गई है। डॉ. विशाल प्रताप सिंह (एनेस्थेटिस्ट) व डॉ. शिल्पा भानुदास (ऑब्स्टेट्रीक एंड गायनी) को उप जिला अस्पताल गैरसैंण, डॉ. ममता थपलियाल (ऑब्स्टेट्रीक एंड गायनी) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरोंखाल और डॉ. किशन सिंह महर (पीडियाट्रिशियन) को सीएचसी डीडीहाट में तैनाती दी गई है।

पहले जमरानी के टनल तो अब बलियानाला ने पानी किया गंदा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर के गांधीनगर, दमुवाढूंगा सहित अन्य कई क्षेत्रों में इन दिनों मटमैले और धुंधले पानी की आपूर्ति से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जहां-जहां गौला से पानी की आपूर्ति होती है वहां यही हाल हैं। हालात ऐसे हैं कि बिना आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) या विशेष फिल्टर के पानी पीना संभव नहीं रह गया है। जल संस्थान के अनुसार बलियानाला की वजह से पानी गंदा हो रहा है हालांकि इससे पहले समस्या जमरानी के टनल से थी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नलों से आ रहा पानी पीने योग्य नहीं है। पानी में गंदगी और मटमैलेपन के कारण पहले उसे साफ करना पड़ रहा है, उसके बाद ही उपयोग किया जा रहा है। गांधीनगर निवासी राजकुमार, रामगोपाल और निर्मला ने बताया कि पानी की गुणवत्ता लगातार खराब होने से लोग बेहद परेशान हैं। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

जल संस्थान के ईई रविशंकर लोशाली ने बताया कि कुछ स्थानों पर लाल रंग का पानी आने की शिकायत मिली थी, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए चिन्हित कनेक्शन को बंद कर दिया गया है। इसके बाद उस समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने बताया कि दमुवाढूंगा, गांधीनगर में धुंधला पानी आने का मुख्य कारण बलियानाला क्षेत्र में चल रहे कार्य हैं। इससे नदी का पानी गंदा हो रहा है, जिसका असर पेयजल पर पड़ रहा है। पानी को शुद्ध करने के लिए बड़ी मात्रा में एलम डालकर फिल्टर किया जा रहा है, ताकि लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा सके। उल्लेखनीय है कि पहले जल संस्थान ने कहा था कि जमरानी में टनल का काम होने की वजह से मटमैला पानी आ रहा है और अब बलियानाला की वजह से दिक्कत आ रही है जिसका निस्तारण किया जा रहा है।

- गौला से जहां मिल रहा है पानी वहां हो रही परेशानी

नाली के बीच से जंग लगे पाइपों से गुजर रहीं पेजयल लाइनें। • अमृत विचार

गांधी नगर में नाली से निकल रही पानी की लाइनें। • अमृत विचार

जल संस्थान से आ रहा मटमैला पानी।

जनता बोली साफ पानी दें

हल्द्वानी : गांधीनगर निवासी राजकुमार और रामगोपाल ने कहा कि काफी गंदा आ रहा है। पहले दुर्गंध भी आ रही थी। साफ कैसे करें समझ नहीं आ रहा है। निर्मला ने कहा कि यह जलसंस्थान की जिम्मेदारी है कि वह साफ पानी दें। दमुवाढूंगा निवासी जगत सिंह ने आरओ को हर तीन माह में सर्विस कराने की नौबत आ रही है। बारिश के दिनों से ही पानी मटमैला आ रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा में अब भारत को एक्शन लेना चाहिए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: विधायक सुमित हृदयेश ने अपने आवास पर जारी बयान में बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा की भी निंदा की है। उन्होंने यह भी कहा कि कहा कि जेएनयू में देश के शीर्ष नेतृत्व के पदाधिकारियों को लेकर जो टिप्पणी की गईं हैं वह निंदनीय है।

उन्होंने बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर चिंता जताई और कहा कि अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इसमें भारत को अब कोई एक्शन लेना चाहिए। भारत सरकार की नीतियों के अधीन आईपीएल है इसलिए किसी एक व्यक्ति को निशाना बनाना ठीक नहीं है। पीएम और गृहमंत्री की आलोचना करनी है तो नियम सम्मत हो। संविधान यह अधिकार देता है कि यदि हमारे विचार से किसी नहीं मिलते तो हम उनको गलत बोलें लेकिन ऐसा भी नहीं है कि आलोचना करते समय अपशब्दों का प्रयोग करें। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर कहा कि प्रदेश की यही मांग है कि सिटिंग जज की निगरानी में इस हत्याकांड की सीबीआई जांच हो। सीएम धामी ने स्वयं कहा कि वह अंकिता के माता और पिता बात करेंगे। भाजपा का यह आरोप गलत है कि कांग्रेस इस मामले में राजनीति कर रही है। यह मामला पूरे देश में चर्चा का विषय है।

व्यापारी की मौत मामले में पिकप चालक पर केस

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुछ दिन पूर्व गौलापार में कार और पिकअप की टक्कर में कार सवार बहेड़ी के व्यापारी रिजवान की मौत हो गई थी। काठगोदाम पुलिस ने रिजवान के पिता इस्लाम की तहरीर पर पिकअप के चालक पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रिछा देवरनिया बरेली निवासी मो. इस्लाम पुत्र उस्मान ने पुलिस को बताया कि बीती 1 जनवरी की रात करीब साढ़े 11 बजे उनका बेटा अपनी कार से दोस्त सनाउर रहमान, अफजल, मो.इसरार और मुजाहिद निवासीगण रिछा के साथ हल्द्वानी गया था। कार जब खेड़ा गौलापार पहुंची तभी एक पिकअप का चालक लाहपरवाही से वाहन चलाते हुए आया और बेटे की कार मे टक्कर मार दी। इस घटना में रिजवान की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य को एसटीएच में भर्ती कराया। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच और चालक की तलाश की जा रही है।

कभी अपराधी का समर्थन नहीं किया

कार्यालय संवाददता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने नितिन लोहानी के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और हत्या की घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद, निंदनीय और हृदयविदारक है।

विकास भगत ने कहा कि पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू द्वारा नितिन लोहनी के गोली मारकर की गई निर्मम हत्या केवल एक परिवार की नहीं बल्कि पूरे समाज को झकझोर देने वाली घटना है। एक युवा की इस प्रकार हत्या सामाजिक मूल्यों पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने इस जघन्य अपराध की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए मृतक के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर भ्रम फैला रहे हैं कि आरोपी को विधायक बंशीधर भगत का संरक्षण दि था, जो पूरी तरह असत्य है। उन्होंने या विधायक भगत ने कभी किसी भी अपराधी तत्व को संरक्षण नहीं दिया है। कभी किसी अपराधी का समर्थन नहीं किया और न ही भविष्य में कभी करेंगे।

जज फार्म में नितिन लोहनी के पिता व भाई को सांत्वाना देने पहुंचे विकास भगत।

सिटी ब्रीफ

जिले में किसान दिवस का रोस्टर तैयार

हल्द्वानी : जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने बताया कि किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान, उन्हें तकनीकी एवं वैज्ञानिक रूप से सक्षम व जागरूक बनाने के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय बृहस्पतिवार को ब्लॉकवार किसान दिवस मनाया जाएगा। डीएम ने बताया कि 8 जनवरी को धारी, 12 फरवरी को रामगढ़, 12 मार्च रामनगर, 9 अप्रैल बेतालघाट में, 14 मई ओखलकांडा, 11 जून कोटाबाग, 12 जुलाई भीमताल और 13 अगस्त को हल्द्वानी में किसान दिवस का आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें किसान गांवों, खेती की समस्याओं को रखेंगे तथा उन समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा।

14500 का चालान, दो ट्रॉली सामान किया जब्त

हल्द्वानी : प्रशासन और नगर निगम ने बुधवार को शहर में अतिक्रमण के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की। इस दौरान निगम की टीम की ओर से सदर बाजार, कारखाना बाजार और कालाढूंगी रोड पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। अभियान में 14500 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई। इसके साथ ही दो ट्राली समान जब्त किया गया। अभियान में दुकानों से बड़ी मात्रा में पॉलीथीन भी पकड़ी गई। अभियान का नेतृत्व सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने किया। इस दौरान उपजिलाधिकारी राहुल शाह, सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट, मुख्य सफाई निरीक्षक अमोल असवाल, चतर सिंह सहित नगर निगम की टीम शामिल थी।

कैले बजै मुरुली, काली गंगा को कालो पाणी .... से बांधा समां

पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच में गोल्ज्यू पूजन के साथ हुआ मेले का शुभारंभ, लोकगायकों की न्यौली, झोड़ा की प्रस्तुति ने जीता दर्शकों का दिल

- सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ लक्ष्मण सिंह लमगड़िया ने किया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हीरानगर स्थित पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच में बुधवार को स्वस्ति वाचन, शगुन आखर और गोल्ज्यू पूजन के साथ उत्तरायणी मेले (घुघुतिया त्यार) का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर, मंच के अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल व समिति के सभी पदाधिकारियों ने गोल्ज्यू पूजन के बाद उत्तरायणी मेले का शुभारंभ किया।

पूजन कार्यक्रम में संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर- बीना कुंवर और अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल व गीता बगडवाल यजमान की भूमिका में रहे। देर शाम आयोजित सांस्कृतिक संध्या में लोकगायक अमित गोस्वामी ने कैले बाजै मुरुली, पी जाओ-पी जाओ ठंडो पाणी, काली गंगा को कालो पाणी गीत से समा बांधा और दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया। हरेंद्र कठायत ने न्यौली, उत्तरायणी त्यार आयी, तेरी हाथों में चूड़ियां अंजू बाजनी छम, ओ मेरी उर्मिला तू समझी रये जन, बन जाली भौजी घास काटन और हाथ दातुली कमर जोड़ी झोड़ा सुनाकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया। इससे पूर्व सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ लक्ष्मण सिंह लमगड़िया ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के महोत्सव कुमाऊंनी संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। साथ ही युवा पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति और सभ्यता को समझने का मौका मिलता है। अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल ने बताया कि पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच में 15 जनवरी तक चलने वाले उत्तरायणी मेले (घुघुतिया त्यार) में रोजाना पहाड़ी संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक व रचनात्मक कार्यक्रम होंगे।

जिसमें पूरे कुमाऊं से लोक कलाकार प्रतिभाग कर रहे हैं। इस दौरान गोपाल सिंह बिष्ट, देवेंद्र तोलिया, त्रिलोक बनौली, शोभा बिष्ट, भुवन चंद्र जोशी, धन सिंह बिष्ट, मोहन सिंह बोरा, हेम चंद्र भट्ट, तरूण नेगी, ललित बिष्ट, पुष्पा सम्मल, ऋतिक आर्या, संदीप भैसोड़ा, चंद्रशेखर परगाई, नीरज बगडवाल, कमल किशोर समेत अन्य मौजूद रहे।

पर्वतीय उत्थान मंच में उत्तरायणी मेले के शुभारंभ पर गोल्ज्यू देवता की पूजा करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

उत्थान मंच में आयोजित कुमाउनी नाटक प्रतियोगिता के दौरान मौजूद कलाकार। ● अमृत विचार

ग्रामोद्योग व पहाड़ी उत्पादों की खरीदारी करने पहुंचे लोग

मंच परिसर में लगे स्टालों में लोग पहाड़ी उत्पाद, हस्तशिल्प और ग्रामोद्योग के उत्पादों की खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। मेला स्थल पर विभिन्न उत्पादों के करीब 120 स्टॉल लगाए गए हैं। इस दौरान महिलाओं की ओर से लगाया हुआ सना हुआ नींबू के स्टॉल ने लोगों को खासा आकर्षित किया। मेले में मुनस्यारी, पिथौरागढ़, धारचूला, चंपावत और अल्मोड़ा से हस्तशिल्प और ग्रामोद्योग के उत्पाद पहुंचे हैं। जिनमें लोग खरीदारी कर रहे हैं। साथ ही बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी लगाए गए हैं।

कुमाउनी नाटक से दिया पर्वतीय संस्कृति बचाने का संदेश

मेले में कुमाऊनी भाषा पर आधारित नाटक प्रस्तुत किए गए। जिसमें देवभूमि एकेडमी और एपीएस लामाचौड़ ने शानदार प्रस्तुति दी। देवभूमि एकेडमी ने पर्वतीय संस्कृति को बचाने और गांव के परिदृश्य पर आधारित अपनी सुंदर और मार्मिक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। स्कूली बच्चों ने कुमाऊनी भाषा में सुंदर अभिनय कर अपनी जड़ों से जुड़े रहने और गांव की संस्कृति को नहीं भुलाने की अपील की।

प्रस्तुति देते हरेंद्र कठैत।

प्रस्तुति देते अमित गोस्वामी।

रक्षित के ताबड़तोड़ 175 रन से डीके स्पोर्ट्स ने एचसीएफ को हरा दिया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से कराई जा रही जिला क्रिकेट लीग के सीनियर पुरुष वर्ग में बुधवार को जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में डीके स्पोर्ट्स और एचसीएफ के बीच खेला गया। डीके स्पोर्ट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 45 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 360 रन बनाए। टीम से रक्षित डालाकोटी ने 102 गेदों में 10 छक्कों और 17 चौकों की मदद से ताबड़तोड़ 175 रन बनाए। गुरसिमर सिंह ने 37 और दक्ष पांडे ने 35 रनों का योगदान दिया। एचसीएफ के गेंदबाज दिग्विजय सिंह ने 3, अनिरुद्ध तिवारी ने 2, देवेश जोशी और वसीम ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एचसीएफ की पूरी टीम 35वें ओवर में 134 रन बनाकर ऑल-आउट हो गयी और 226 रनों से मैच हार गयी। डीके स्पोर्ट्स के गेंदबाज गुरसिमर ने 4, आयुष तिलारा और राकेश बिष्ट ने 2-2 विकेट लिए।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शानदार बल्लेबाजी के लिए रक्षित डालाकोटी को दिया गया। अंपायर की भूमिका में विजय आर्या और शिवम पांडे जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कंबोज ने निभाई। इस मौके पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, लीला कांडपाल, नरेंद्र अधिकारी, जगमोहन बगड़वाल, आंनद बिष्ट, संजय चौधरी, सुनील साह, त्रिलोक जीना, विजय कुकसाल, बीएल साह, रवि नेगी, मनोज जोशी, विकास गुणवंत, दिलीप रावत आदि मौजूद रहे।

जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में हुए मैच में शामिल खिलाड़ी।

एनईपी के अंतर्गत शोध के बारे में दी जानकारी

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र पंचम सेमेस्टर के शिक्षार्थियों के लिए आयोजित शोध परियोजना कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने गुणवत्तापूर्ण और मौलिक शोध पर जोर दिया। अकादमिक निदेशक पीडी पंत ने परीक्षा व्यवस्था व परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यशाला में प्रो. डिगर सिंह फर्सवान ने एनईपी 2020 के अंतर्गत शोध के बारे में बताया। समाज शास्त्र विद्याशाखा की निदेशक प्रो. रेनू प्रकाश सहित विभागीय शिक्षकों और बाह्य विशेषज्ञों ने शोध के विभिन्न चरणों पर व्यवहारिक मार्गदर्शन किया। कार्यशाला के माध्यम से शिक्षार्थियों को सामाजिक शोध की वैज्ञानिक पद्धतियों, अकादमिक अनुशासन और परीक्षा प्रणाली से परिचित कराया।

दो साल तक चौड़ी नहीं होगी चोरगलिया रोड

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बनभूलपुरा रेलवे क्रासिंग के पास गौलापुल से पहले हल्द्वानी-चोरगलिया रोड का एक हिस्सा गौला की बाढ़ में समा गया। लोनिवि ने बचाव कार्य पूरे कर दिए हैं लेकिन सड़क तक लेवल लाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। साथ ही अब माना जा रहा है कि लोनिवि सड़क को चौड़ा करने के लिए काफी समय लगेगी।

गौला नदी के बहाव में बनभूलपुरा रेलवे क्रासिंग से गौलापुल तक की सड़क को काफी नुकसान हुआ था। सड़क का पूरा हिस्सा नदी में समा गया। ऐसा लगातार दो बार बारिश में हुआ है जब सड़क को नुकसान हुआ हो। लोक निर्माण विभाग ने सड़क के नीचले हिस्से में गौलानदी के अंदर बचाव के काम को पूरा कर दिया है। अब सड़क के लेवल तक भरान किया जा रहा है। इसके लिए हल्द्वानी शहर में एडीबी की परियोजनाओं के तहत जो मलबा बन रहा है उसको लगातार यहां लाकर डाला जा रहा है। लोनिवि का कहना है कि मलबा डालने का काम काफी दिनों तक करना होगा उसके बाद ही सड़क तक का लेवल आएगा। लेवल आने के बाद भरान को सेट होने के लिए दो से तीन साल का समय लगेगा। उसके बाद ही इस सड़क को चौड़ा करने का काम किया जाएगा। अभी सड़क की चौड़ाई करीब साढ़े चार मीटर है और उसके दो से तीन साल बाद जब भरान का काम पूरा हो जाएगा तब ढाई मीटर और चौड़ा किया जाएगा और पूरी सड़क की चौड़ाई सात मीटर तक हो जाएगी। अभी भारी वाहनों की इंट्री बंद है जो आगे भी जारी रहेगी। लोनिवि के ईई प्रत्यूष कुमार ने बताया कि गौला नदी के अंदर सुरक्षा के काम कर दिए गए हैं जिससे आगामी बारिश में कटान न हो और लगातार भरान किया जा रहा है।

सड़कों के पुनर्निर्माण को लेकर ज्ञापन देते पहाड़ी आर्मी के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बाराही कॉलोनी में सड़कों को ठीक करने की मांग

हल्द्वानी : पहाड़ी आर्मी ने नगर निगम से बाराही कालोनी, पीलीकोठी की सड़कों के पुनर्निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा। सड़क सही नहीं होने की वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। पहाड़ी आर्मी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कांडपाल ने कहा कि पूरी सड़क टूटी हुई है और लगातार दुर्घटनाओं का शिकार कालोनी वाले हो रहे हैं। महिला जिला अध्यक्ष पहाड़ी आर्मी प्रेमा मेर ने कहा कि पूरी सड़कों पर पानी का भराव होने से कीचड़ हो रहा है, महिलाओं का, बुजुर्ग का चलना मुश्किल हो रहा है। कहा कि रोड में छोटी-छोटी रोड़ी पड़ी हुई हैं और दोपहिया वाहन वाले दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कालोनी के निवासियों ने कहा कि कम से कम सड़क के गड्ढे भरे होने चाहिए। इस दौरान संजय वर्मा, लाल सिंह रावत, नंद किशोर कांडपाल, सुजान सिंह दसोनी, नवीन जोशी रहे।

जिला विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक आज

हल्द्वानी, अमृत विचार : जिला विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक आज सुबह 11 बजे काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस सभागार में आयुक्त दीपक रावत की अध्यक्षता में की जाएगी। इसमें उपाध्यक्ष डीएम ललित मोहन रयाल समेत सभी पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। इसमें प्राधिकरण के सभी लंबित मुद्दों पर मंथन और जनसमस्याएं सुनी जाएंगी।

कार्यालय प्राचार्य रा. स्ना. महाविद्यालय, खटीमा (ऊधमसिंह नगर)

पत्रांक : 46-47/2025-26 | प्रेस विज्ञप्ति | दिनांक : 07-01-2026

इस महाविद्यालय में संचालित स्ववित्त पोषित बी०एड० पाठ्यक्रम में सत्र 2025-26 हेतु प्रवक्ताओं निम्न पदों पर नितान्त अस्थाई व्यवस्था के अन्तर्गत अधिकतम 15,000/-रू० प्रतिमाह या 250/-रू० प्रतिवादन के आधार पर NCTE एवं UGC के मानकानुसार योग्यता धारक अभ्यर्थियों से आवेदन (जीवनवृत्त व शैक्षिक योग्यता की स्वप्रमाणित प्रति) आमंत्रित किये जाते है।

क्रमांक	पदनाम का नाम	रिक्त संख्या	शैक्षिक अर्हता	वेतनमान
01	प्रवक्ता जीव विज्ञान (गैस्ट-फैकल्टी)	01	जन्तु / वनस्पति विज्ञान से एम०एस०सी०, बी०एड०, एम०एड० शिक्षाशास्त्र से नेट/पी०एच०डी०/ यू०सेट	प्रतिवादन/अधिकतम 250/-रू० 15,000/-रू० प्रतिमाह
02	प्रवक्ता गणित (गैस्ट-फैकल्टी)	01	एम०ए०/एम०एस०सी० गणित, बी०एड०, एम०एड० शिक्षाशास्त्र से नेट / पी०एच०डी० / यू० सेट	प्रतिवादन/अधिकतम 250/-रू० 15,000/-रू० प्रतिमाह

आवेदन पंजीकृत डाक द्वारा दिनाँक 10/01/2026 तक ही स्वीकार किये जायेगें। अभ्यर्थियों का चयन वरीयता के आधार पर किया जायेगा।

प्राचार्य
रा.स्ना. महाविद्यालय
खटीमा (ऊधमसिंह नगर)

चेकिंग करता परिवहन विभाग का प्रवर्तन दल। ● अमृत विचार

प्रवर्तन कार्रवाई में 17 ई-रिक्शा सीज, 25 वाहनों के चालान

हल्द्वानी : मंडलायुक्त दीपक रावत के निर्देश पर परिवहन विभाग के प्रवर्तन दलों ने बुधवार देर शाम चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान विशेष रूप से ई-रिक्शा वाहनों के खिलाफ चलाया गया। इस दौरान ई-रिक्शा की हेडलाइट, रिफलेक्टर और सभी प्रपत्रों को चेक किया गया। जिसमें लाइट बंद कर वाहन चलाने पर 17 ई- रिक्शा को सीज और 25 वाहनों के चालान किए गए। उल्लेखनीय है कि बीते मंगलवार को एक ई-रिक्शा ने मंडलायुक्त के वाहन में टक्कर मार दी थी। शहर में अधिकांश ई-रिक्शा हेड लाइट ऑफ करके चलाते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। प्रवर्तन टीम में इंटरसेप्टर प्रभारी पवन कुमार, परिवहन कर अधिकारी जगदीश चंद्र के नेतृत्व में नैनीताल रोड और हल्द्वानी कालाढूंगी रोड पर अभियान चलाया गया। अभियान में सहायक उप निरीक्षक आरसी पवार आदि शामिल रहे।

वैधानिक अधिकारों के लिए किया जागरूक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में छात्राओं के लिए जनजाति समुदाय के वैधानिक अधिकारों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि दिनेश लोशाली ने जनजाति समुदाय को संविधान और विभिन्न कानूनों के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और विधिक जानकारी के माध्यम से ही जनजाति समुदाय अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है और समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से भागीदारी मजबूत कर सकता है। प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरुकता बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि विधिक साक्षरता आज के समय की महत्वपूर्ण जरुरत है, जिससे छात्राएं न केवल अपने अधिकारों को समझें बल्कि दूसरों को भी जागरूक कर सकें।

एमबीपीजी कॉलेज में आयोजित माधव कैंप के समापन पर मौजूद विद्यार्थी।

माधव कैंप में दी एप्लाइड मैथमेटिक्स की जानकारी

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में आयोजित माधव गणित कैंप का समापन बुधवार को हुआ। कैंप में आखिरी दिन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. स्वप्निल श्रीवास्तव ने रियल और कांपलेक्स फंक्शन के अंतर को समझाया। डॉ. दीपक कुमार उप्रेती ने पॉलीनॉमियल फंक्शन के मूल के बारे में जानकारी दी। डॉ. मुकुल तिवारी ने एप्लाइड मैथमेटिक्स के विकास के बारे में बताया। गणित विभागाध्यक्ष के प्रो. दीपक कुमार तिवारी ने कहा कि कॉलेज में इस तरह के कैंप आगे भी होते रहेंगे। आयोजक सचिव डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि 11 जनवरी को माधव मैथमेटिक्स कंपटीशन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. प्रकाश चंद्र मठपाल, डॉ. सुरेंद्र धपोला, प्रो. चारु चंद्र ढौंढियाल, प्रो. प्रेम प्रकाश, डॉ. एमएम गुरुरानी मौजूद रहे।

कार्यालय सहायक अभियन्ता सिंचाई खण्ड
पी०एम०जी०एस०वाई० ज्योलीकोट (नैनीताल)
E-mail ID : eepmgsyjeyolikot@rediffmail.com/ntl.pmgsy@gmail.com
दूरभाष नं०/फैक्स नं० 05942-224034

पत्रांक : 01/निविदा/2025-26/ | -: अल्पकालीन निविदा सूचना :- | दिनांक : 07/01/2026

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य आपदा मोचन निधि के अन्तर्गत प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त निम्नलिखित कार्यों हेतु शील्ड निविदा दिनांक 22.01.2026 को अपरान्ह 1.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन दिनांक 22.01.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र जमा करते समय तीन प्रतिशत धरोहर धनराशि जो एन०एस०सी०/किसी राष्ट्रीय कृत बैंक द्वारा निर्गत टी०डी०आर०/एफ०डी०आर० हो, को प्रतिभूति के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, पी०एम०जी०एस०वाई, ज्योलीकोट के पद नाम से बन्धक कर कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.01.2026 से 21.01.2025 अपरान्ह 4.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा कर इस कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। अलग से निविदा प्रपत्र मगवाने पर डाक व्यय हेतु रु० 100.00 मात्र अलग से देय होगा। डाक से विलम्ब का उत्तरदायित्व विभाग का नहीं होगा। निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

क्र० सं०	कार्य का नाम	कार्य की लागत लाख रू० में	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	दैवीय आपदा मद के अन्तर्गत लोहाली से थुवाब्लॉक मोटर मार्ग में क्षतिग्रस्त भागों का पुनर्निर्माण कार्य	9.65	30000.00	रू. 1000+ 18% GST	2 माह	'डी' श्रेणी एवं उच्चतर

1. निविदा सम्बन्धी शर्तें / प्रतिबन्ध किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।
2. उक्त निविदाओं का विक्रय एवं निविदा से सम्बन्धित कार्यवाही उपखण्ड स्तर से की जायेगी।

(मिताली कपिल)
सहायक अभियन्ता
सिं०ख०, पी०एम०जी०एस०वाई०
ज्योलीकोट (नैनीताल)

पहल | हिमालयन डॉयलॉग्स एवं काफल ट्री फाउंडेशन के सहयोग से तीन दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन

बच्चों ने लिया संवाद व रचनात्मक एक्टिविटी में भाग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हिमालयन डॉयलॉग्स एवं काफल ट्री फाउंडेशन के सहयोग से ड्रामा डेरा संस्था की ओर से तीन दिवसीय 4सी ड्रामा वर्कशॉप रमोलिया हाउस में संपन्न हुई।

इस कार्यशाला का संचालन ड्रामा डेरा के संस्थापक सुभाष रावत शुबा ने किया।8 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित इस एक्टिविटी आधारित वर्कशॉप में हल्द्वानी व आसपास के विभिन्न विद्यालयों के कुल 18 बच्चों ने सहभागिता की। इनमें स्वस्तययन स्कूल से कार्तिक और जान्हवी, कंट्रीवाइड स्कूल सोमेश्वर (अल्मोड़ा) से मुनाल, ऑरम स्कूल से नित्यम और स्वास्तिक, शिवालिक स्कूल से सुब्बी और रक्षित, दीक्षांत स्कूल से जुन्याली, बिड़ला स्कूल से आराध्य, यात्रा, तेजस, भौम्यवर्धन सिंह और मायरा, मोनाड स्कूल दिनेशपुर से आवृत्ति, निर्मला कॉन्वेंट से ओजस्वनी, सेंट थेरेसा स्कूल से प्रत्यूष, बीएलएम स्कूल से सहज और अपूर्व तथा दिव्यांशी भट्ट शामिल रहीं। तीन दिनों की इस वर्कशॉप में बच्चों ने कम्युनिकेशन, कोलब्रेशन, क्रिटिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी को नाटक व खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से व्यवहारिक रूप में सीखा। बच्चों ने यह समझा कि कम्युनिकेशन केवल बोलना नहीं, बल्कि सुनना, प्रतिक्रिया देना और अपने विचारों को स्पष्ट रूप से सामने रखना भी है। विभिन्न गतिविधियों से बच्चों ने यह सीखा कि वे खुद को आत्मविश्वास के साथ कैसे एक्सप्रेस कर सकते हैं। क्रिटिकल थिंकिंग के अंतर्गत बच्चों को स्थितियों पर सवाल करना, अलग-अलग दृष्टिकोण से सोचना और समाधान खोजना सिखाया गया। इसके लिए कई ऐसी गतिविधियां कराई गईं जिनमें बच्चों को स्वयं निर्णय लेने और सोच को परखने का अवसर मिला। कोलैबोरेशन यानी सहयोग के अंतर्गत बच्चों ने समूह में काम करना, एक-दूसरे की बात सुनना, मतभेदों के साथ काम करना और साझा लक्ष्य तक पहुंचना सीखा। वर्कशॉप का एक महत्वपूर्ण पक्ष क्रिएटिविटी रहा। बच्चों को यह समझाया गया कि रचनात्मकता केवल आर्ट और क्राफ्ट तक सीमित नहीं होती, जैसा कि आमतौर पर समझ लिया जाता है, बल्कि यह हमारी सोच, समस्या-समाधान, संवाद और रोज़मर्रा के हर काम में दिखाई देती है। ट्रेनर सुभाष रावत ने कहा कि नाटक बच्चों के लिए एक ऐसी भाषा है जिसके माध्यम से वे बेहतर इंसान बनना, सहानुभूति विकसित करना और समाज के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ना सीखते हैं।

वर्कशॉप में नाटक के गुर सीखते बच्चे। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

वसीम सड़क हादसा मौत प्रकरण में मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर : दिसंबर माह में हुए वसीम सड़क हादसा मौत प्रकरण में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ट्रक चालक की तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत मसवासी भुवरा स्वार रामपुर यूपी निवासी मोहम्मद यामीन ने बताया कि 28 दिसंबर को उसका भाई वसीम अपने दोस्त मोहम्मद रिजवान के साथ बाइक से घर लौट रहा था। दोपहर एक बजे रुद्रपुर इंदिरा चौक के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उसके भाई वसीम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। वर्तमान में घायल रिजवान की हालत नाजुक बनी हुई है। आरोप था कि ट्रक चालक की रफ्तार तेज थी और संचालन लापरवाही से किया जा रहा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश तेज कर दी है।

बाघ के हमले में बाल-बाल बचे दुग्ध संघ के निदेशक और उनकी पत्नी

गूलरभोज : हरिपुरा जलाशय के पास बाघ ने बाइक सवार दंपत्ति पर जानलेवा हमला कर दिया। तिलपुरी निवासी और दुग्ध संघ के क्षेत्रीय संचालक चंद्रशेखर द्विवेदी अपनी पत्नी चित्रा द्विवेदी के साथ हल्द्वानी से इलाज कराकर लौट रहे थे। टांडा रोड स्थित ''जीरो पॉइंट'' के पास जंगल से निकले बाघ ने उन पर छलांग लगा दी, लेकिन बाइक की गति तेज होने के कारण वे बाल-बाल बच गए। घटना से दंपत्ति गहरे सदमे में हैं। चंद्रशेखर द्विवेदी ने बताया कि आबादी के पास जंगल होने से जंगली जानवरों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने उप प्रभागीय वन अधिकारी शशि देव को सूचना देकर क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

माइनिंग टीम की छापेमारी अवैध खनन से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

गूलरभोज : क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ माइनिंग टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। सूचना मिलने पर टीम ने राम मंदिर के पास घेराबंदी की, जिसे देख खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। पकड़े जाने के डर से माफियाओं ने अपनी चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां भरतपुर गांव के अंदर घुसा दीं और मुख्य सड़क पर ही अवैध खनन सामग्री पलट कर भागने की कोशिश की। इस दौरान तीन चालक वाहन समेत भागने में सफल रहे, जबकि एक चालक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। ग्रामीणों ने चालक से सड़क पर फैले मलबे को हटाने को कहा, इसी बीच माइनिंग टीम भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने वाहन को कब्जे में लेकर सीज कर दिया है और चालक पर भारी जुर्माना लगाया है। पुलिस के अनुसार अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

बिल्डर ने सिपाही के 28.11 लाख हड़पे

संवाददाता, रुद्रपुर

- प्लॉट के नाम पर रुपये लेने के बाद रजिस्ट्री करने से किया इंकार

अमृत विचार: पुलिस लाइन में तैनात सिपाही को प्लाट दिखाकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। रजिस्ट्री नहीं होने पर जब सिपाही ने दबाव बनाया तो बिल्डर ने रकम वापस करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन में तैनात सिपाही नईम खान ने बताया कि वर्ष 2023 में उसने किच्छा रोड स्थित डायनामाइक कॉलोनी में अपने दोस्त पंतनगर विवि निवासी मोहम्मद यार खान के साथ मिलकर 200 गज का प्लाट खरीदा था। उस वक्त बिल्डर सुधीर गुलाटी और मनीष अग्रवाल ने कॉलोनी को रेरा स्वीकृत होने की बात कही थी। बिल्डर को 28.11 लाख रुपये का भुगतान कर दिया और किसी कारणवश उस वक्त प्लाट की रजिस्ट्री नहीं करा पाया था। उस वक्त बिल्डर ने आश्वासन दिया था कि यदि मार्च 2025 तक रजिस्ट्री नहीं करवा पाया। तो खरीद का दोगुना वापस कर दूंगा। उन्होंने बताया कि प्लाट रजिस्ट्री की खातिर उसने पुश्तैनी जमीन बेच दी थी और आरटीजीएस, फोन पे के अलावा 12.61 लाख का भुगतान नगद दिया था। भुगतान के बाद बिल्डर रजिस्ट्री करने में टालमटोल करने लगा और जब रकम वापस करने का दबाव बनाया तो रकम देने से इंकार कर रहा है। आरोप था कि बिल्डर ने भ्रमित कर धोखा दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले चरण में होगा 20 करोड़ की लागत से निर्माण, विधायक ने प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ की चर्चा

मोदी मैदान की 20 एकड़ भूमि पर बनेगा स्टेडियम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधायक शिव अरोरा ने खुशी जताते हुए कहा कि नये साल में मोदी मैदान में खेल का स्टेडियम बनने जा रहा है। करीब 20 एकड़ भूमि पर यह स्टेडियम बनाया जाएगा। पहले चरण में 20 करोड़ रुपये की लागत से स्टेडियम का निर्माण होगा। इसको लेकर जिला विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जयकिशन व उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई है। साथ ही स्टेडियम के फाइनल डिजाइन पर विस्तृत चर्चा हुई।

बुधवार को बैठक के दौरान विधायक अरोरा ने बताया कि वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मोदी मैदान में इनडोर-आउटडोर स्टेडियम निर्माण को लेकर प्रस्ताव दिया था, जिसको

अधिकारियों से स्टेडियम निर्माण को लेकर चर्चा करते विधायक शिव अरोरा।

मुख्यमंत्री ने प्राथमिकता में लेते हुए मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल किया था। वर्ष 2024 के मई माह में तत्कालीन जिला अधिकारी उदयराज सिंह ने इसकी 20 एकड़ भूमि जिला विकास प्राधिकरण को हस्तांतरण कर दी गई थी।

विधायक शिव अरोरा का 2022 चुनावी के समय लिया गया संकल्प रुद्रपुर के युवाओं के लिये अपना खेल का मैदान हो, जिसको करने का कार्य किया। उसके बाद से ही रुद्रपुर के युवाओं का अपना खेल का मैदान हो उसकी उम्मीद विधायक शिव अरोरा के सार्थक प्रयासों से जगी। वहीं विधायक शिव अरोरा ने जिला विकास प्राधिकरण में बुधवार को अधिकारियों संग मोदी मैदान के निर्माण कार्य आरम्भ होने व उसकी फाइनल डिजाइन पर विस्तृत बैठक कर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पहल चरण में मोदी मैदान में चारों ओर बाउंड्रीवाल, गेट, साइकिल ट्रैक, ओपन एमपीथियेटर, छोटे बच्चों के खेल गतिविधि ब्लॉक, मैदान का सौंदर्यीकरण और बाउंड्री के चारों ओर 500 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग सुविधा की व्यवस्था की जाएगी। वहीं दूसरे चरण में दर्शक दीर्घा, वालीबॉल, क्रिकेट, फुटबाल, बास्केटबॉल जैसी खेल गतिविधि के लिये जोनवाइज ब्लॉक बनाकर निर्माण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 20 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य होगा। इसके साथ ही उन्होंने जो संकल्प जनता के सामने लिया था वह अब पूरा होते नजर आ रहा है। इस दौरान पेयजल निगम अधिशासी अभियंता नरेंद्र नवानी व अन्य लोग मौजूद रहे।

इस माह निकाला जाएगा निर्माण कार्य का टेंडर

रुद्रपुर : जिला विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष जयकिशन ने बताया मोदी मैदान में स्टेडियम निर्माण के पहले चरण के निर्माण संबंधित डिजाइन, डीपीआर तैयार है। जनवरी माह में हम इसके पहले चरण के निर्माण कार्य का टेंडर लगा देंगे। इसके बाद 20 करोड़ की लागत से निर्माण होगा। जबकि दूसरे चरण के निर्माण की प्रकिया के लिए डिजाइन व डीपीआर की प्रक्रिया गतिमान है। यह बड़ी योजना है इसका निर्माण चरणबद्ध रूप में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खेल गतिविधियों के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा और मोदी स्टेडियम की देखरेख जिला विकास प्राधिकरण स्वयं करेगा।

बदमाशों ने आध्यात्मिक गुरु पर किया जानलेवा हमला

अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग, पुलिस अधिकारियों ने मौका मुआयना कर बयान दर्ज किया

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : अज्ञात बदमाशों ने क्षेत्र के बैकुंठपुर निवासी, आध्यात्मिक गुरु एवं कथावाचक पर विगत रात्रि जानलेवा हमला किया। आध्यात्मिक गुरु ने पुलिस को अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की।

बैकुंठपुर निवासी कथावाचक एवं आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय, प्रत्येक दिन की भांति मंगलवार की शाम बैकुंठपुर से गोविंद नगर की ओर जाने वाली सड़क पर, माला जपते हुए पैदल मार्च कर रहे थे कि, करीब शाम 6:30 बजे तो अज्ञात बदमाशों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए, उन पर जानलेवा हमला कर दिया। आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय का कहना है कि दोनों बदमाश उनके सामने से आए एवं हथियार से उन्हें जान से मारने की कोशिश की। इस पर जब वह चिल्लाने की कोशिश की तो दोनों बदमाश उन्हें पकड़ने के लिए आए एवं उनके मुंह को दबाने की कोशिश की। जिस कारण वे सड़क किनारे गिर गए। तभी सड़क पर आवाजाही होता देख दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। बदहवास एवं अचेत अवस्था

घटना के बाबत जानकारी देते आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय। • अमृत विचार

में आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय को राह चलते लोगों ने चिकित्सक पास पहुंचाया जहां से उन्हें उनके घर पहुंचाया गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे कोतवाल सुंदरम शर्मा समेत पुलिस अधिकारियों ने मौका मुआयना कर आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय का बयान दर्ज किया। बुधवार को क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि एवं आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय पुलिस को अज्ञात बदमाशों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की।

आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय ने कहा कि वह हमेशा समाज हित में बात उठाते रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पूर्व में भी उन पर तीन बार जानलेवा हमला हो चुका है। मंगलवार को चौथी बार बदमाशों ने पुनः उन पर जानलेवा हमला किया।

कैबिनेट मंत्री ने की निष्पक्ष जांच की बात

शक्तिफार्म : कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय पर जानलेवा हमला दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से वार्ता की। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की बात कही। इधर पूर्व विधायक नारायण पाल भी घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, आईजी से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

पूर्व की घटनाओं को गंभीरता से नहीं लिया

शक्तिफार्म : आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय का कहना है कि, पूर्व में सिरसा मार्ग, सिडकुल फेज 2 एवं गोविंद नगर मार्ग पर उन पर हमला हुआ था, जिस पर उन्होंने शक्तिफार्म एवं सिडकुल पुलिस को शिकायत भी दर्ज कराया था परंतु पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया जिसका परिणाम ये रहा कि पुन : उन पर हमला हुआ।

तहरीर देने के लिए करना पड़ा लंबा इंतजार

शक्तिफार्म : बुधवार की सुबह जब आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र राय के साथ, क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि चौकी पहुंचे तो करीब, 2 घंटे तक इंतजार के बावजूद भी पुलिस द्वारा तहरीर नहीं ली गई। 2 घंटे बाद जनप्रतिनिधियों को कहा गया कि, तहरीर थाने में दिया जाए, जिस पर क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधियों ने जमकर नाराजगी जाहिर की। जनप्रतिनिधियों का कहना था कि जब क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधियों को ही लंबा इंतजार करना पड़े तो, आम लोगों के साथ पुलिस द्वारा कैसा व्यवहार होता होगा।

पुलिस कार्यालय में ज्ञापन देते बंगाली कल्याण समिति का शिष्टमंडल।

आरोपी की गिरफ्तारी का उठाया मुद्दा

रुद्रपुर : शक्तिफार्म सितारगंज के कथावाचक एवं समिति के महानगर अध्यक्ष पर हुए गोलीकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाते हुए बंगाली कल्याण समिति ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि 6 जनवरी को कथावाचक की हत्या का प्रयास किया गया और जब फायर नहीं हुआ तो हाथापाई कर घायल कर दिया। आगाह किया कि यदि जल्द ही गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन होगा।

बुधवार को बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी के साथ शिष्टमंडल पुलिस कार्यालय पहुंचा और एसएसपी को संबोधित ज्ञापन दिया। उनका कहना था कि शक्ति फार्म सितारगंज में समिति के महानगर अध्यक्ष गुरु रामचंद्र राय पर 6 जनवरी की सुबह बाइक सवार दो युवकों ने पिस्टल से गोली चलाई थी। गनीमत यह रही कि पिस्टल से फायर नहीं हुआ और हमलावरों ने महानगर अध्यक्ष पर हमला कर घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि रामचंद्र एक कथावाचक और धार्मिक एवं सामाजिक प्रवृत्ति के हैं। घटना से जहां परिवार भयभीत है वहीं इलाके में दहशत का माहौल है। कारण इससे पहले भी दो बार महानगर अध्यक्ष एवं कथा वाचक पर हमला हो चुका है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को आगाह किया कि यदि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो बंगाली समुदाय वृहद आंदोलन करेगा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, घर का सामान राख

रुद्रपुर: बुधवार की सुबह उस वक्त एक परिवार पर मुसीबत आई। जब शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई और देखते ही देखते घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाया, लेकिन लाखों का नुकसान हो गया।

जानकारी के अनुसार वार्ड-21 निवासी जिआउल नवी दिहाड़ी मजदूरी करता है और परिवार के साथ रहता है। रोजमर्रा की भांति जिआउल काम पर गया था और पत्नी साहिबा परवीन घर के बाहर काम कर रही थी। तभी कमरे से तेज धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। शोर शराबा सुनकर पड़ोसी दौड़ पड़े तो देखा कि आग विकराल हो चुकी थी और लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन अग्निकांड से घर में रखा फ्रिज, बैंड, दस्तोवज, कॉपी किताबों के अलावा कपड़े भी जलकर राख हो गये। जिसके बाद परिवार खुले आसमान में रहने को विवश है। गृह स्वामिनी साइबा ने बताया कि अग्निकांड से तीन लाख से अधिक का नुकसान हुआ है और आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है।

शिविर में 82 समस्याएं उठीं, 14 का मौके पर निस्तारण

- जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत आयोजन हुआ

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: ''जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार'' अभियान के तहत न्याय पंचायत खेतलसंडा खाम के ग्राम बगुलिया में एक वृहद बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों ने कुल 82 समस्याएं रखीं, जिनमें से 14 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष शिकायतों को समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया।

1500 से अधिक ग्रामीणों ने लिया लाभ शहीद हरिकिशन

कार्यक्रम में छात्रों को चेक सौंपते विधायक कापड़ी, सीडीओ शासनी और अन्य।

शिक्षण संस्थान परिसर में आयोजित इस शिविर में 25 विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जिसका कुल 1538 लोगों ने लाभ उठाया। शिविर का संबोधन विधायक भुवन कापड़ी, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता और पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने किया। दर्जा मंत्री दत्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे पात्र व्यक्ति तक शत-प्रतिशत पहुंचना चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम तुषार सैनी, तहसीलदार वीरेन्द्र सजवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिविर की मुख्य उपलब्धियां

स्वास्थ्य : 655 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ, 21 आयुष्मान कार्ड बने और 52 एक्सरे किए गए।

श्रम एवं समाज कल्याण : 16 श्रम कार्ड बने और एक मृतक श्रमिक के परिवार को 2 लाख रुपये का चेक सौंपा गया। समाज कल्याण विभाग ने पेंशन के 22 फॉर्म भरवाए और एक दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किया।

अन्य सेवाएं : 42 आधार कार्ड अपडेट हुए, 52 राशन कार्ड की ई-केवाईसी की गई और 5 छात्राओं को साइकिल के चेक वितरित किए गए। कृषि विभाग द्वारा एक लाभार्थी को ट्रैक्टर खरीद हेतु 4 लाख रुपये का अनुदान चेक प्रदान किया गया।

नगर निगम ने कई मस्जिदों से उतारे लाउडस्पीकर

- कई धार्मिक संस्थाओं को दी चेतावनी, बस्तियों के लोगों की शिकायत पर हुई कार्रवाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर में ध्वनि प्रदूषण को रोकने और उच्च न्यायालय के आदेशों का सख्ती से पालन कराने के लिए नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान महापौर के कड़े रुख के बाद टीम ने शहर की विभिन्न मस्जिदों में निर्धारित डेसिबल से अधिक आवाज में बजाए जा रहे लाउडस्पीकरों को उतरवा दिया। साथ ही धार्मिक संस्थाओं को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि यदि भविष्य में मानकों का उल्लंघन हुआ तो और भी वैधानिक कार्रवाई

मस्जिद परिसर में लाउडस्पीकर हटवाती नगर निगम और पुलिस टीम।

अमल में लाई जाएगी।

बता दें कि पिछले कुछ समय से विभिन्न बस्तियों के नागरिकों द्वारा महापौर विकास शर्मा को शिकायतें मिल रही थीं कि कई धार्मिक स्थलों पर मानकों के विपरीत अत्यधिक तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जा रहा है। इन शिकायतों में नागरिकों ने बताया था कि शोर के कारण स्कूली बच्चों की पढ़ाई में भारी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है, साथ ही बुजुर्गों और गंभीर मरीजों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जनहित के इस संवेदनशील मामले का तुरंत संज्ञान लेते हुए महापौर विकास शर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा से वार्ता की और शहर में शांति व्यवस्था एवं मानकों का पालन करने के लिए संयुक्त अभियान चलाने को कहा। इसकी क्रम में बुधवार को कोतवाली पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने खेड़ा स्थित चांद मस्जिद, सीरगोटिया मस्जिद और पहाड़गंज स्थित विभिन्न मस्जिदों में सघन चेकिंग की। जांच के दौरान जहां भी लाउडस्पीकर निर्धारित डेसिबल की सीमा से ऊपर पाए गए, उन्हें तत्काल मौके पर उतरवा दिया गया। कार्रवाई के दौरान उपनिरीक्षक अनिल जोशी, नगर निगम के जेई शिखर जोशी, जसवीर सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

सख्ती | परिसंपत्तियों की जीआईएस मैपिंग एवं निर्धारित एप पर करें पोलीगन तैयार, एडीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

15 दिन में बनाएं विभागीय परिसम्पत्ति की संपत्ति पंजिका

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने विभागों की भूमि व परिसंपत्तियों से अतिक्रमण हटाए जाने के लिए जनपद के विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जिन विभागों ने अभी तक विभागीय परिसंपत्ति का संपत्ति पंजिका नहीं बनाया है वे सभी विभाग 15 दिन के भीतर संपत्ति पंजिका बनाते हुए परिसंपत्तियों की जीआईएस मैपिंग एवं निर्धारित एप पर पोलीगन तैयार करें।

बुधवार को अपर जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देशन में जिला सभागार अधिकारियों के साथ

अधिकारियों के साथ बैठक करते एडीएम पंकज उपाध्याय। • अमृत विचार

बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों ने पोलीगन तैयार कर लिया है वे समय-समय पर निर्धारित एप पर पोलीगन अपडेट भी करते रहें। ताकि शासन स्तर पर वस्तुस्थिति से पता चलते रहे। उन्होंने कहा कि जिन विभागों के परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण है वे तत्काल अतिक्रमण हटाते हुए विभागीय संपत्ति पर अतिक्रमण नहीं है का प्रमाण पत्र दें।

उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि किस विभाग के नाम कितनी भूमि दर्ज उसका परीक्षण कराते हुए एक माह में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। विभागीय परिसंपत्तियों का प्रबंध और अधिक कुशलता से हो। ताकि संपत्तियों का बेहतर ढंग से उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि विभागीय संपत्ति प्रबंधन का उद्देश्य विभागीय संपत्तियों का सही से ध्यान रखना, उनका प्रबंधन करना, उनका उपयोग करना है। ताकि किसी भी दशा में अतिक्रमण न हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किस परिसंपत्ति को किस कार्य में लाया जा सकता है, उसकी भी वस्तु सूची तैयार की जाए। उन्होंने नगर निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निकाय क्षेत्रों में निरंतर अतिक्रमण हटाते रहें। ताकि सड़क, नाली, नालों पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो सके।

ये लोग रहे मौजूद

अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, महाप्रबंधक उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड निर्मला बिष्ट, ओसी गौरव पांडेय, अधीक्षण अभियंता सिंचाई पीके दीक्षित, एसीएमओ डॉ. हरेंद्र मलिक, अधिशासी अभियंता सिंचाई बीएस डांगी, एएस नेगी, जल निगम सुनील जोशी, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जातवेद पांडे, जीआईएस एक्पर्ट पिंकेश सिंह रावत आदि मौजूद रहे। वहीं उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व नगर निकाय के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

राइस मिलर्स एसोसिएशन के साथ चर्चा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का फसल उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए मक्का बिक्री में आ रही समस्या को लेकर मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. विकेश कुमार सिंह यादव और ऊधमसिंह नगर में कार्यरत राइस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बुधवार को बैठक के दौरान ऊधमसिंह नगर में कार्यरत राइस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के प्रतिनिधि उत्तराखंड राइस मिलर्स एसोसिएशन के महासचिव अजय बंसल एवं ऊधमसिंह नगर राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गगन गर्ग से मक्का उत्पादन करने वाले कृषकों निर्धारित मानक

राइस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ चर्चा करते मुख्य कृषि अधिकारी।

15% से अधिक 25-30% नमी प्रतिशत होना हैं। मक्का कटाई के समय अधिक नमी होने पर औद्योगिक इकाइयों द्वारा कृषकों की मक्का क्रय नहीं की जाती हैं। इस समस्या के समाधान के लिए आज जनपद की समस्या के संबंध में चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद लगभग 300 राइस मिल चल रही है और सभी मिलर्स के पास ड्रायर हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जनपद में स्थित मक्का क्रय करने वाली औद्योगिक इकाईयों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के निकटवर्ती इकाइयों से भी जनपद से मक्का क्रय करने का अनुरोध किया जा सकता हैं। श्री ऋषभ बंसल जिनका एथेनॉल प्लांट तिलहर शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश में है उनसे मोबाइल से वार्ता की गई। उन्होंने भी जनपद से मक्का क्रय करने की सहमति व्यक्त की हैं।

सिटी ब्रीफ

डिग्री कॉलेज में तेंदुए की दहशत

काशीपुर : बाजपुर रोड स्थित राधे हरि डिग्री कॉलेज के आवासीय परिसर के पीछे लंबे समय से तेंदुए की चहलकदमी से दहशत बनी हुई है। इससे शाम के समय से ही लोगों ने घरों से निकलना बंद कर दिया है। छात्र संघ अध्यक्ष जतिन शर्मा ने बताया कि करीब दस दिनों से कॉलेज के आवासीय परिसर के पीछे तेंदुआ घूमता नजर आ रहा था। तीन पहले उन्होंने मामले की शिकायत एसडीएम अभय प्रताप सिंह से की थी। एसडीएम ने मामले का संज्ञान लेकर वन विभाग को अवगत कराया। जिस पर मंगलवार को वन विभाग द्वारा तेंदुए के देखे जाने वाले मार्ग पर पिंजरा लगाया गया है।

शिक्षक संघ ने समायोजन प्रक्रिया पर उठाए सवाल

जसपुर : राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिले में चल रही शिक्षकों की समायोजन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। संघ के अध्यक्ष अमित त्यागी ने डीईओ को भेजे पत्र में कहा कि समायोजन में ''ठहराव की वरिष्ठता'' को आधार न मानकर आयु को आधार बनाया गया है, जो शासनादेश के विरुद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से उर्दू शिक्षकों को सामान्य मानक में शामिल करने पर आपत्ति जताई है। अध्यक्ष के अनुसार, उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति पृथक संवर्ग में होती है, अतः उन्हें इस प्रक्रिया से बाहर रखा जाए। संघ ने चेताया कि इस त्रुटि से सामान्य शिक्षकों के अधिकारों का हनन हो रहा है। मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से भी की गई है।

वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश मित्तल का हुआ निधन

सितारगंज : वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश मित्तल (83) का बुधवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। इस दौरान उनके आवास पर शोक जताने वालों का तांता लगा रहा।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, ब्लाक प्रमुख उपकार सिंह बल, वरिष्ठ समाजसेवी शिवकुमार मित्तल, अमरजीत कटवाल, खतीब अहमद, सौरभ सिंघल अफसार अहमद सहित अन्य लोगों ने शोक जताया।

एक्सरे टेक्नीशियन के आवास में हजारों की चोरी

जसपुर : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात एक्सरे टैक्नीशियन पति से मिलने मुजफ्फरनगर क्या गई चोरों ने उनके आवास से हजारों रुपये के सामान की चोरी कर ली। टेक्नीशियन ने पुलिस को तहरीर दी है। दीपा कोरंगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्सरे टेक्नीशियन के पद पर तैनात हैं। वह कुछ दिन पहले छुट्टी लेकर अपने पति से मिलने मुजफ्फरनगर गई थी। छुट्टी के बाद वापस घर आकर देखा तो उसके घर की खिड़की टूटी हुई थी तथा सामान बिखरा हुआ था। अलमारी से सोने का नाक का फूल एवं कान के टॉप्स समेत एक गैस सिलेंडर गायब थे। महिला ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धीरेन्द्र गहलोत के साथ कोतवाली जाकर पुलिस को तहरीर दी।

एक्यूप्रेशर हेल्थ केयर सेंटर का उद्घाटन

खटीमा : क्षेत्रीय विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने रिबन काटकर ''हरिका एक्यूप्रेशर हेल्थ केयर सेंटर'' का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के स्वामी हरि किशन लाल और संरक्षक राम भरोसे लाल को बधाई दी। विधायक ने कहा कि बिना दवाओं के उपचार की यह पद्धति बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए कारगर साबित होगी।

भाजपाइयों ने फूंका कांग्रेस का पुतला

अंकिता भंडारी हत्याकांड के नाम पर राजनीति चमकाने का आरोप, नारेबाजी की

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः भाजपा नगर मंडल ने अंकिता के नाम पर राजनीति चमकाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पार्टी का पुतला फूंका।

अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को काशीपुर के महाराणा प्रताप चौक पर भाजपा नगर मंडल के आक्रोशित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर कांग्रेसी पार्टी शर्म करो के नारों के साथ कांग्रेस पार्टी का पुतला फूंका। इस दौरान आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी पर प्रदेश में मृतका अंकिता भंडारी के नाम पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री बीते रोज प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अंकिता भंडारी मामले में पूर्णतः स्पष्ट कर चुके हैं और पूर्व में इस मामले में आरोपी आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे हैं लेकिन फिर भी कांग्रेस इस मामले को लेकर ओछी राजनीति कर रही है। इस मौके पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुरविंदर सिंह चंडोक, वरिष्ठ भाजपा नेता आशीष गुप्ता, महानगर मंडल अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह मानस, उपाध्यक्ष श्याम मोहन, महामंत्री वैभव गुप्ता, कोषाध्यक्ष धीरज वर्मा मौजूद रहे।

काशीपुर में कांग्रेस का पुतला फूंकते भाजपाई। ● अमृत विचार

बाजपुर के बेरिया मोड़ पर कांग्रेस का पुतला दहन करते भाजपाई। ● अमृत विचार

भ्रम फैलाने का आरोप, कांग्रेस का पुतला दहन किया

बाजपुर : अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए बेरिया तिराहे पर कांग्रेस का पुतला दहन किया। इस दौरान 'कांग्रेसियों सबूत बताओ-दिवंगत बिटिया को मत सताओ' और 'अंकिता की आत्मा को अपमानित करना बंद करो' जैसे नारे गूंजते रहे। दर्जा गन्ना राज्यमंत्री स. मंजीत सिंह 'राजू' ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा अंकिता भंडारी की आत्मा को अपमानित किया जा रहा है। पूर्व दर्जा राज्यमंत्री राजेश कुमार ने कहा कि कांग्रेस द्वारा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने हेतु उत्तराखण्ड की बेटी अंकिता के हत्याकांड जैसे अत्यंत गंभीर विषय को राजनीति का माध्यम बनाया जा रहा है। इस मौके पर भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष यशपाल राजहंस, भाजपा जिला मंत्री बिट्टू चौहान, भाजपा मण्डल अध्यक्ष टिंकू यादव, महामंत्री संदीप गुप्ता, मंत्री स्तुति गुप्ता मौजूद रहे।

सीएम जल्द बुलाएं उत्तराखंड का विशेष विधानसभा सत्र: कापड़ी

रुद्रपुर : उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने कहा कि प्रदेश के हालात बेहद खराब हो चुके हैं। जिसको लेकर जल्द मुख्यमंत्री को विशेष विधानसभा सत्र बुलाना चाहिए। ताकि 20 सूत्रीय कार्यक्रम सहित कई मुद्दों पर चर्चा हो सके। सत्र को लेकर सीएम को पत्र लिखकर मुद्दा उठाया जाएगा। बुधवार को उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने प्रेस वार्ता ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था के अलावा भूमि अधिकार का मुद्दा बेहद ज्वलंत मुद्दा है। जिसको लेकर मुख्यमंत्री को उत्तराखंड का विशेष विधानसभा सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 20 सूत्रीय कार्यक्रम के तहत वनवासियों को स्थान दिया गया था। ताकि वनवासी स्वावलंबी बन सकें। बावजूद भाजपा सरकार उसी भूमि पर काबिज लोगों को अतिक्रमणकारी बता रही है। इसके अलावा प्रदेश में भाजपा नेता खुलेआम हत्या कर रहे हैं। अंकिता हत्याकांड का मुद्दा कोई कांग्रेस का नहीं है, बल्कि प्रदेश की जनता का मुद्दा है। जब पूर्व विधायक की पत्नी ने वीआईपी के नाम का खुलासा किया और आंदोलन शुरू होने के कई दिनों बाद सीएम प्रेसवार्ता करते हैं। कारण सरकार ने एक बार फिर अंकिता हत्याकांड के सबूत मिटाने का कार्य कर दिया है।

मारपीट के दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

काशीपुरः कोतवाली क्षेत्र के एक युवक को हमलावरों ने रास्ते में रोककर मारपीट की और गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा कर जांच शुरू कर दी है।

शांतिनगर निवासी अर्जुन सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बीते 30 दिसंबर 2025 की शाम करीब 6:00 बजे अपनी ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था। रास्ते में वह एक मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने रुका। तभी गड्डा कालोनी निवासी बाबी और मुकुल, अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंचे और बिना किसी कारण के उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उसने विरोध किया, तो आरोपितों ने उग्र होकर उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। पीड़ित के अनुसार, इस हमले में उसकी बाईं आंख में गंभीर चोट आई है और शरीर के अन्य हिस्सों में भी काफी चोटें लगी हैं। झड़प के दौरान पीड़ित के पास रखे 15 हजार रुपये नकद और उसके आफिस की चाबियां भी कहीं गिर गईं। बताया कि शोर-शराबा सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर जमा हुए, तो हमलावर पुलिस से शिकायत करने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। पीड़ित कि तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपितों व उनके अज्ञात साथियों पर मुकदमा दर्ज किया है।

दहेज उत्पीड़न पर पांच के खिलाफ मुकदमा

- प्रेम विवाह के बाद विवाहिता का उत्पीड़न किया
- बुलेट मोटरसाइकिल और अन्य सामान की मांग

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः प्रेम विवाह के बाद एक महिला को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जबरन गर्भपात की दवा खिलाने के आरोप में पुलिस ने पति व ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जसपुर खुर्द निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका सुभाष नगर निवासी सौरभ कुमार के साथ पिछले नौ वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बीती 20 सितंबर 2020 को दोनों ने खोखरा मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया था। शादी के बाद दोनों काशीपुर में साथ रहने लगे। पीड़िता का आरोप है कि अगस्त 2024 में जब उसके ससुराल वालों को शादी की जानकारी हुई, तो उन्होंने इसे मानने से इनकार कर दिया। ससुराल वालों ने ताना दिया कि बिना दान-दहेज की शादी हम नहीं मानते, अगर किसी बड़े घर में शादी करते, तो बुलेट गाड़ी और कीमती सामान मिलता। जब पीड़िता ने इसकी शिकायत अपने पति से की तो पति सौरभ ने भी परिजनों का पक्ष लेते हुए उसके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया।

तहरीर के अनुसार, पीड़िता दो बार गर्भवती हुई। आरोप है कि जुलाई 2022 में और फिर समझौते के दौरान उसके पति ने उसे धोखे से गर्भपात की दवा खिला दी, जिससे पीड़िता को शारीरिक और मानसिक कष्ट झेलना पड़ा। मामला बढ़ने पर पूर्व में दोनों पक्षों के बीच एक समझौता हुआ था, जिसमें 18 माह बाद दोबारा धूमधाम से शादी करने और तब तक पांच हजार रुपये प्रति माह खर्चा देने की बात तय हुई थी।

इसी बीच 14 जुलाई 2025 को शादी का पंजीकरण भी कराया गया। लेकिन पीड़िता का आरोप है कि पंजीकरण के बाद से ही उसके पति ने उसका मोबाइल नंबर ब्लाक कर दिया और खर्चा देना भी बंद कर दिया। अब बुलेट मोटरसाइकिल और अन्य सामान की मांग पूरी न होने पर उसे अपनाने से इनकार किया जा रहा है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति सौरभ, ससुर अनिल कुमार रावत, सास निशा, जेठ गौरव रावत और जेठानी कोमल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काशीपुर बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण 12 को

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः बार एसोसिएशन काशीपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारी व सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 12 जनवरी को दोपहर 1:30 बजे उच्च न्यायालय नैनीताल के न्यायाधीश आलोक वर्मा के द्वारा शपथ दिलाकर किया जाएगा। काशीपुर बार एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्यों की एक बैठक हुई जिसमें यह निर्णय लिया गया। इसकी अध्यक्षता बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गिरिजेश खुल्वे व संचालन नवनिर्वाचित सचिव यशवंत चौहान ने किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष गिरिजेश खुल्वे ने कहा कि हमारी प्राथमिकता युवा अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करना व बुजुर्ग अधिवक्ताओं के बारे में विचार करना है। सभा का संचालन करते हुए नवनिर्वाचित सचिव यशवंत चौहान ने कहा कि हमारा प्रथम लक्ष्य बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाना तथा काशीपुर न्यायालय में एनडीपीएस एक्ट, पॉक्सो एक्ट तथा अन्य न्यायालयों की स्थापना करना होगा। न्यायमूर्ति आलोक वर्मा दोपहर 1:30 बजे शपथ ग्रहण कराएंगे। शपथ ग्रहण में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिकंद कुमार त्यागी मौजूद रहेंगे। इस मौके पर उपाध्यक्ष विद्युशेखर शर्मा, उपसचिव अंकित चौधरी, कोषाध्यक्ष बी सी नौटियाल आदि मौजूद रहे।

युवक ने फांसी लगाकर जान दी

काशीपुरः आईटीआई थाना क्षेत्र के ग्राम जैतपुर घोसी में एक 24 वर्षीय अमित चौबे ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अमित दिल्ली में नौकरी करता था और तीन दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया था।

मंगलवार रात जब अमित देर तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। घर से मात्र 10 मीटर की दूरी पर एक पीपल के पेड़ से उसका शव लटका मिला। सूचना मिलते ही आईटीआई थाना पुलिस और डायल 112 मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। अमित तीन भाइयों में सबसे छोटा था। थानाध्यक्ष कुंदन रौतेला के अनुसार, आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

कपड़ा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

- बुझाने में छूटे दमकल विभाग के पसीने, करोड़ों का नुकसान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः महुआखेड़ा गंज स्थित 'डेकोर पेंटिंग टूल्स प्राइवेट लिमिटेड' नामक कपड़ा फैक्ट्री में बुधवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि फैक्ट्री की दीवारों में दरारें आ गईं। इस अग्निकांड में एक करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 1:15 बजे जब सभी महिला और पुरुष कर्मचारी लंच के लिए गए थे, तभी अचानक फैक्ट्री से धुआं उठने लगा। गार्ड ने जब तक शोर मचाया, महज पांच मिनट में आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही काशीपुर और आसपास के क्षेत्रों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग इतनी भयानक थी कि दमकल कर्मी फैक्ट्री के भीतर प्रवेश नहीं कर पा रहे थे। शाम 5 बजे तक करीब 15 फायर टेंडर (गाड़ियां) खाली हो चुके थे, लेकिन आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। फैक्ट्री के एचआर मैनेजर विजय कश्यप ने बताया कि गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बिल्डिंग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

काशीपुर में कपड़ा फैक्ट्री में लगी आग को बुझाते फायर कर्मी। ● अमृत विचार

युवक पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला

बाजपुर : दोस्त के कहने पर एक युवक को स्कूटी से छोड़ने गए भाई पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए पीड़ित के भाई ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं घायल का उपचार रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

चीनी मिल वार्ड नंबर-10 निवासी आशीष ने पुलिस को बताया कि दो जनवरी की देर रात करीब 11 बजे उसके भाई कुनाल को मोहल्ले के ही साथी सागर ने मुड़िया निवासी एक युवक को स्कूटी से उसके घर छोड़ने के लिए भेजा था। आरोप है कि जब कुनाल इस कथित आरोपित युवक के घर पहुंचा, तो उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर कुनाल को घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आ गईं। सूचना मिलने पर सागर और गुड्डू ने घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रतिदिन 25 ई-रिक्शा होंगे संचालित

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः नगर में ई-रिक्शाओं के अव्यवस्थित संचालन से लगने वाले जाम व यातायात समस्याओं को लेकर पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में कोतवाली में ई-रिक्शा यूनियन पदाधिकारियों और कोतवाल नरेश चौहान के बीच वार्ता हुई, जिसमें नगर में प्रतिदिन केवल 25 ई-रिक्शाओं के नियमित संचालन पर सहमति बनी।

बुधवार को वार्ता के दौरान कोतवाल नरेश चौहान ने ई-रिक्शा चालकों की समस्याओं को सुना और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नगर में ई-रिक्शाओं के लिए नंबरिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे निर्धारित संख्या में ही ई-रिक्शे संचालित हो सकें। प्रत्येक ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, बाहर वाली साइड में जाली व अन्य जरूरी कागजात पूर्ण होना अनिवार्य होगा। कोतवाल ने स्पष्ट किया कि बिना रजिस्ट्रेशन अथवा आवश्यक दस्तावेजों के ई-रिक्शा चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। वार्ता में यह भी निर्णय लिया गया कि बन्नाखेड़ा रूट से आने वाले ई-रिक्शे रामराज रोड स्थित संजय कालोनी के सामने से आगे शहर की ओर प्रवेश नहीं करेंगे। पुलिस प्रशासन द्वारा समय-समय पर ई-रिक्शाओं की जांच व निगरानी की जाएगी।

बाजपुर में ई-रिक्शाओं की स्थिति का जायजा लेते कोतवाल नरेश चौहान।

पिता के दुष्कर्म से आहत होकर बेटियां गई थीं दिल्ली

बाजपुर। थाना केलाखेड़ा क्षेत्र से लापता हुईं दो नाबालिग बहनों के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बच्चियों नके बयानों के आधार पर पुलिस ने पिता को ही दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

एक जनवरी को वार्ड नंबर-सात आजादनगर निवासी पिता ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसकी दो नाबालिग पुत्रियां (उम्र 15 वर्ष व 13 वर्ष) घर से बिना बताए कहीं चली गई हैं। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों नाबालिग बहनों को दिल्ली से बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद दोनों बच्चियों को वन स्टाप सेंटर रुद्रपुर में रखा गया। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष दर्ज कराए गए बयानों में बच्चियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके पिता ने करीब दो वर्ष पूर्व जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे और लगातार छेड़छाड़ करता था। इसी कारण वह घर छोड़कर चली गई थीं।

प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ मुकदमा

- 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः काशीपुर में एक स्थानीय व्यक्ति ने शहर के एक बड़े बिल्डर पर उसके स्वामित्व वाले फ्लैट को जबरन कब्जा में लेने और 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद आरोपी बिल्डर और उसके सहयोगी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्टेडियम रोड, विनायक विला निवासी मनोज जैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी रितु जैन के नाम एक फ्लैट वेदांता हाइट्स, कटोराताल स्थित पांचवें तल पर खरीदा था, जिसका कब्जा अब भी उनका ही होना चाहिए था। लेकिन आरोप है कि बिल्डर ने इस फ्लैट पर अपना नियंत्रण जमा लिया और उसे दबंग लोगों को देने के लिए प्रेरित किया।

मनोज का कहना है कि वे पहले इस बिल्डर और उसके साथी शक्ति प्रकाश अग्रवाल तथा सत्यम अग्रवाल के साथ प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। फरवरी 2024 में दोनों पक्षों के बीच व्यापार विवाद हुआ जिसके बाद मनोज ने उनके कार्यालय जाना बंद कर दिया। उसके बाद उन्हें पता चला कि उनके फ्लैट में अंजान लोग रह रहे हैं, जिन्हें बिल्डर ने वहां भेजा था।

तहरीर में यह भी उल्लेख है कि जब मनोज ने बिल्डर से संपर्क किया तो उन्हें धमकाया गया और राजनीतिक प्रभाव का हवाला देते हुए कहा गया कि वे कुछ भी कर सकते हैं। आरोप है कि पिछले विवाद का बदला लेने के लिए उनके खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है।

मनोज ने आगे कहा कि आरोपियों ने बार-बार कहा है कि अगर वे अपना फ्लैट खाली नहीं करते हैं और सेल डीड तथा चाबी वापस नहीं करते हैं तो उन्हें 20 लाख रुपये रंगदारी के रूप में देने होंगे। उन्हें डर है कि बिना कार्रवाई के मामला और बिगड़ेगा।

मनोज जैन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शक्ति प्रकाश अग्रवाल और सत्यम अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एसआई कौशल सिंह भाकुनी को जांच सौंपी है।

आयोजन | ग्राम प्रधान बचुली देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा की प्रथम खुली बैठक आयोजित

खुली बैठक में उठीं राशन कार्ड व पेयजल की समस्याएं

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचारः शांतिपुरी नंबर चार ग्राम प्रधान बचुली देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा की प्रथम खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने राशन कार्ड में अनियमितताओं एवं पेयजल संकट को लेकर संबंधित अधिकारियों के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। जैसे ही पूर्ति अधिकारी भारत सिंह राणा ने अपना संबोधन शुरू किया, ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में मानकों के विपरीत राशन कार्ड बनाए जाने की शिकायतें उठानी शुरू कर दीं। ग्रामीणों का आरोप था कि एपीएल व बीपीएल कार्डों का वितरण तय मानकों की अनदेखी करते हुए मनमाने ढंग से किया गया है। ग्रामीणों ने राशन कार्डों की विसंगतियों को दूर करने के लिए पुनः सर्वेक्षण कराए जाने की मांग की। ग्रामीणों की मांग पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मानकों के अनुरूप राशन कार्ड बनाए जाने हेतु शीघ्र पुनः सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया।

बैठक में अधिकांश ग्रामीणों ने हर घर जल-हर घर नल योजना के अंतर्गत लगाए गए नलों में पानी नहीं आने की समस्या भी प्रमुखता से उठाई। हालांकि इस विषय में संबंधित अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

बैठक को संबोधित करते हुए एडीओ पंचायत धीरेंद्र पंत ने ग्रामीणों को श्रम कार्ड, विकसित भारत ग्राम योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन एवं विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने पंचायत को स्वच्छ रखने और राशन कार्ड विसंगतियों पर शीघ्र पुनः सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान बचुली देवी ने ग्रामीणों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गांव में सभी विकास कार्य पारदर्शिता और प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे। बैठक में एडीओ पंचायत धीरेंद्र पंत, ग्राम विकास अधिकारी तारिक हुसैन, जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्य, कृषि उपनिदेशक शिवदत्त पांडे, पटवारी साधना, क्लस्टर अध्यक्ष दीपा जोशी, पूर्ति अधिकारी भारत राणा, क्षेत्र पंचायत सदस्य गंगा दानू, गोविंद सिंह पटवाल मौजूद रहे।

प्रथम खुली बैठक को संबोधित करते एडीओ पंचायत धीरेंद्र पंत। ● अमृत विचार

नगर को स्वच्छ रखने में करें सहयोग

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर व अधिशासी अधिकारी मोहम्मद यामीन ने स्वच्छ भारत अभियान जारी रखते हुए नगरवासियों से नगर को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग देने की अपील की। इस दौरान अभियान को सफल बनाने के लिए वार्डवासियों व पर्यावरण मित्रों को दिशा निर्देश दिए।

बुधवार को वार्ड-एक गांधीनगर में स्वच्छ भारत अभियान जारी रखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर ने कहा नगर को स्वच्छ रखने के लिए सफाई व्यवस्था में नगरवासियों को पर्यावरण मित्रों को पूर्ण सहयोग देना चाहिए। घरों व दुकानों का कूड़ा इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। कूड़े को कूड़ा वाहन में डालकर सहयोग करना चाहिए। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी मोहम्मद यामीन ने कहा कि प्रातः पर्यावरण मित्रों द्वारा सफाई अभियान समाप्ति के बाद सभी दुकानदारों को कूड़ा इकट्ठा कर एक स्थान पर रखना चाहिए। पर्यावरण पर्यवेक्षक चंद्रपाल बत्रा उर्फ बिल्लू ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि लोग घर व दुकानों का गीला व सूखा कूड़ा अलग- अलग कूड़ेदान में न डालकर सड़क पर फेंक देते हैं। जबकि कूड़ा वाहन घरों व दुकानों में प्रतिदिन कूड़ा लेने आती हैं। अभियान में लिपिक गोवर्धन भट्ट, राजन व हरिदास विश्वास, पर्यावरण पर्यवेक्षक चंद्रपाल बत्रा उर्फ बिल्लू, धनीराम, किलेडियस, रवि कुमार, केपीएस बलवंत सिंह मौजूद रहे।

दिनेशपुर में स्वच्छ भारत अभियान जारी रखते पर्यावरण मित्र। ● अमृत विचार

वैष्णवी का प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

खटीमाः राज्य स्तरीय ''विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग'' प्रतियोगिता के घोषित परिणाम में नोज़गे पब्लिक स्कूल की 10वीं की छात्रा वैष्णवी बराल का प्रोजेक्ट चयनित किया गया है। प्रदेश में टॉप थ्री आइडिया में वैष्णवी के प्रोजेक्ट का चयन हुआ है जो कि राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में प्रदर्शित किया जायेगा। प्रोजेक्ट का प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने किया जायेगा। जो खटीमा क्षेत्र और विद्यालय के लिए गर्व की बात है। प्रबंधिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी ने वैष्णवी की इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

ब्रीफ न्यूज

गरुड़ में दुकान में लगी आग सामान जलकर खाक

बागेश्वर : बागेश्वर के गरुड़ कोतवाली क्षेत्र के मटेना गांव में ख्याली दत्त जोशी की परचून की दुकान में मंगलवार की रात आग लग गई। ख्याली दत्त जोशी ने बताया कि वे रोज की तरह दुकान बंद कर घर गए थे। बुधवार सुबह दुकान खोलने पर शटर नहीं खुला। पीछे वाले कमरे का दरवाजा खोलने पर आग भड़की हुई थी। फ्रीज, पंखा और लगभग दस हजार रुपये नकद समेत परचून का सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। उनका अनुमान है कि आग से लगभग डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ। राजस्व उप निरीक्षक रघुवीर सिंह ने मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित दुकान स्वामी को मुआवजा देने की मांग की।

गैराड़ में गोलू देवता क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

बैरती (अल्मोड़ा) : निकटवर्ती गैराड़ में कगलोड़ी ग्राउंड पर गोलू देवता क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन शुरू हो गया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन गैराड़ के पूर्व प्रधान हेम चंद्र आर्य व वर्तमान प्रधान पति प्रकाश चंद्र आर्य ने किया। चितैली के प्रधान बालम सिंह नेगी विशिष्ट अतिथि रहे। प्रतियोगिता के पहले मैच में योगसैंण अंडर14 ने उलैनी को हराया। पहले खेलते हुए योगसैंण की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 6 विकेट पर 102 रन बनाये। जवाब में उलैनी की टीम 66 रन पर ही सिमट गई। योगसैंण के खिलाड़ी नीरज 17 रन पर तीन विकेट के साथ मैन ऑफ द मैच रहे। उद्घाटन अवसर पर रवि कुमार, ख्यालीराम, इन्द्र कुमार, पंकज व वीरेंद्र आदि आयोजक मंडल सदस्य मौजूद रहे।

जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करें अधिकारी: आर्य

न्याय पंचायत पनुवानौला में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में पहुंचे सैकड़ों ग्रामीण

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत बुधवार को न्याय पंचायत पनुवानौला में बहुउद्देशीय का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में 900 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित हुए और कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया।

विकासखंड के गांधी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित शिविर के माध्यम से समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा विभाग, पंचायतीराज विभाग , कृषि, उद्यान, विद्युत, पेयजल समेत अनेक विभागों ने लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किय। शिविर में कई लोगों के आधार कार्ड बने और कई के ई श्रम कार्ड। किसी को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट दी गई तो किसी ने समाज कल्याण विभाग के माध्यम से सहायक उपकरण प्राप्त किए। शिविर में पहुंचे उपाध्यक्ष, राज्य स्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद दिनेश आर्य ने कहा कि इस कार्यक्रम की मंशा है कि लोगों की समस्याओं का समाधान उनके निकट जाकर किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कार्यक्रम की मंशा के अनुरूप लोगों तक योजनाओ को पहुंचाने के निर्देश दिए। वहीं, डीएम अंशुल सिंह ने जनता की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और एक-एक कर फरियादें सुनीं। साथ ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित व प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को सीधे आमजन तक पहुंचना तथा लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है। कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शासन एवं जनता के बीच की दूरी को कम किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। यहां जिला पंचायत अध्यक्षा हेमा गैडा, ब्लॉक प्रमुख लीला बिष्ट, जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

पनुवानौला में बहुउद्देशीय शिविर में डीएम ने लोगों की समस्याएं सुनीं। ● अमृत विचार

योजनाओं की लगाई गई प्रदर्शनी

डीएम ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टालों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई और प्रत्यक्ष रूप से लोगों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस शिविर में कुल 83 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित पंजीकृत की गई। इन शिकायतों में से अधिकतर का मौके पर ही समाधान किया गया। जिन समस्याओं का मौके पर ही समाधान संभव नहीं था, उनको अग्रिम कार्यवाही के लिए प्रेषित किया गया।

पात्रों तक पहुंचे योजना का लाभ: जिलाधिकारी

अल्मोड़ा : प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना को लेकर बुधवार को डीएम ने समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को योजना का जनपद स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम अंशुल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य कृषकों व आमजन को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना से जुड़े सभी विभाग अपने-अपने स्तर से आवश्यक कार्यवाहियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें, ताकि योजना का लाभ पात्र लाभार्थियों तक सुचारु रूप से पहुंच सके। कहा कि योजना से संबंधित सभी विभाग पोर्टल पर अपने विभाग से संबंधित वांछित सूचनाएं निर्धारित समयावधि के भीतर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही और विलंब को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन में जिन जिन विभागों की भूमिका है, उन विभाग के अधिकारी योजना से संबंधित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही करें। योजना से संबंधित सभी प्राविधानों का अध्ययन कर कार्य योजनाएं बनाएं जिससे कृषकों एवं आम लोगों को योजना का लाभ दिलाया जा सके। बैठक में एसडीएम सदर संजय कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी आनंद गोस्वामी आदि अधिकारी रहे।

बहुद्देशीय शिविर में 840 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित

चौमेल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, टनकपुर/ चम्पावत

अमृत विचार: चम्पावत जिले की न्याय पंचायत वल्सों स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज मैदान, चौमेल में बहुद्देशीय जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों ने कुल 97 से अधिक शिकायत पत्र जिलाधिकारी मनीष कुमार को सौंपे।

डीएम ने मौके पर ही शिकायतों का संज्ञान लिया और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

शिविर में ग्राम पंचायत खेती–काकड़ी के 46 वर्षीय गणेश सिंह और उनकी 25 वर्षीय बेटी बसंती दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए आए। डीएम ने तुरंत स्थल पर ही प्रमाण पत्र जारी किए और खंड विकास अधिकारी बाराकोट को प्राथमिकता पर आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा त्रिलोक सिंह को आर्थिक सहायता, भावना देवी को आवास, पार्वती देवी को जल लाइन, अमर सिंह की समस्या के समाधान हेतु विद्युत पोल हटाने, पूरन सिंह को दिव्यांग पेंशन और सुंदरी देवी को आर्थिक सहायता प्रदान करने के आदेश दिए गए।

शिविर में चिकित्सा विभाग द्वारा 123, खाद्य एवं पूर्ति विभाग 12, महिला एवं बाल विकास विभाग 15, ऊर्जा विभाग 10, सहकारिता विभाग 27, पशुपालन विभाग 40, राजस्व विभाग 83, बैंक एवं वित्तीय सेवाएं 29, विधिक सेवा प्राधिकरण 56, ग्रामीण विकास विभाग 65, पंचायती राज विभाग 42, कृषि विभाग 73, आयुष विभाग 80, होम्योपैथी विभाग 116, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण 19, सेवायोजन विभाग 28, समाज कल्याण विभाग 6 और उद्यान विभाग 18 ग्रामीणों को लाभ प्रदान किया गया। इसके अलावा श्रम विभाग ने 5 श्रमिकों को श्रम कार्ड वितरित किए। कुल 160 शिकायत पत्रों में से 140 का मौके पर निस्तारण किया गया।

बनबसा प्रीमियर लीग: सूर्या सुपर किंग्स ने फाइनल में किया प्रवेश

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार : बनबसा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट मे कबीरा गोल्ड टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कबीरा गोल्ड टीम ने 14.1 ओवरों में 10 विकेट पर 92 रन बनाए।

कबीरा गोल्ड टीम से सर्वाधिक 15 रन करन ने बनाएं। रनों का पीछा करने उतरी सूर्या सुपर किंग्स की टीम 11.1 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 93 रन बना कर जीत हासिल की। सूर्या सुपर किंग्स की ओर से विशाल ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। कबीरा गोल्ड की ओर से प्रदीप ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए। इससे पूर्व मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि टनकपुर नगर पालिका के अध्यक्ष विपिन कुमार ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। अम्पायर दीपक सक्सेना और अमित पांडे रहे। स्कोरर देवराज देऊपा व कमेंट्री जनक जोशी ने की। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि हरीश पांडेय, संदीप पाठक, ग्राम प्रधान राकेश चंन्द, मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट आदि खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करते टनकपुर नगर पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार।

अल्मोड़ा में मरीजों की बढ़ेगी मुश्किलें

अल्मोड़ा: जिले के सरकारी अस्पतालों में तैनात 40 से अधिक डाक्टर विशेषज्ञ बनने के लिए जाएंगे। ऐसे में दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

जिले के सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों का टोटा बना हुआ है। चिकित्साधिकारियों के करीब 200 पद रिक्त हैं, वहीं विशेषज्ञ डाक्टरों के भी 100 पद रिक्त चल रहे हैं। सीएमओ डा. नवीन चंद्र तिवारीने बताया कि जिले के सरकारी अस्पतालों में तैनात 40 डाक्टरों ने उच्च शिक्षा के लिए आवेदन किया है। स्वीकृति के बाद करीब 18 डाक्टर पीजी करने के लिए चले गए हैं। अन्य डाक्टर भी शीघ्र ही पीजी करने के लिए जाएंगे। ऐसे में जिले में डाक्टरों की कमी से मरीजों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सीसी कैमरों की निगरानी में होगा उत्तरायणी मेला

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: उत्तरायणी मेले के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में मेला प्रबंधन एवं कानून व्यवस्था से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, अग्निशमन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तरायणी मेला जनपद की सांस्कृतिक पहचान है, इसलिए मेला आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पेयजल, शौचालय, सफाई और प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के साथ ही पानी व शौचालयों के लिए स्पष्ट और उपयुक्त साइनेज लगाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित एवं संगठित ढंग से संचालित करने, हेल्प डेस्क व रैन बसेरों की व्यवस्था करने तथा मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने कार्यों से संबंधित सेफ्टी सर्टिफिकेट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने को कहा गया।

लोक निर्माण विभाग को पुलों के किनारों पर कंटीले तार लगाने एवं भार क्षमता संबंधी सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका को महिलाओं के लिए पर्याप्त शौचालय तथा सरयू बगड़ में बड़े आकार का चेंजिंग रूम बनाने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को कानून व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में बताया गया कि मेले के प्रथम दिवस झांकी निकाले जाने के दौरान संपूर्ण यातायात व्यवस्था प्रतिबंधित रहेगी। झांकी तहसील परिसर से एसबीआई चौराहा होते हुए सरयू पुल के माध्यम से नुमाइश खेत तक जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम नुमाइश खेत में और खेल गतिविधियां सरयू बगड़ में आयोजित होंगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, एसडीएम प्रियंका रानी आदि उपस्थित रहे।

बागेश्वर में बैठक लेतीं जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए आवेदन 15 तक

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए चम्पावत जिले में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी आरएस सामंत ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना है। आवेदक उत्तराखंड का स्थायी निवासी एवं अनुसूचित जाति वर्ग का होना चाहिए। आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित है। प्रशिक्षणार्थियों में न्यूनतम 30 प्रतिशत महिलाएं होना आवश्यक है। आवेदन के साथ आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र तथा जाति एवं आय प्रमाण पत्र की छायाप्रतियां संलग्न करना आवश्यक होगा। प्रशिक्षण से पूर्व चयनित संस्थाओं, इकाइयों को 100 के नान-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में अनुबंध करना होगा। आवेदन पत्र 15 जनवरी तक जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है।

हॉकी और कबड्डी में पांडेतोली बना विजेता

- विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी का हुआ समापन
- प्रमुख कुंडू ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी का समापन हो गया हैं। प्रतियोगिता के तहत हॉकी में पांडेतोली विजेता बना। हवालबाग खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख हवालबाग हिमानी कुंडू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश देती हैं। कहा कि राज्य सरकार युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। प्रतियोगिता के अंडर-14 कबड्डी बालिका में पांडेतोली पहले, धामस दूसरे, रमणा तीसरे, अंडर-19 में पांडेतोली पहले, ग्वालाकोट दूसरे, खत्याड़ी तीसरे, अंडर-14 खो खो में पांडेतोली पहले, कयाला दूसरे, लिंगुड़ता तीसरे, अंडर 19 में कयाला पहले, पांडेतोली दूसरे स्थान पर रहे। इस मौके पर अतिथियों की ओर से अव्वल खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और मैदान प्रदान कर सम्मानित किया। यहां बीडीओ सुंदर सिंह दरियाल, महेश कुमार, मोनिका रावत रहे।

हवालबाग में खेल प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे खिलाड़ी प्रमाण पत्रों के साथ। ● अमृत विचार

नेशनल स्कूल गेम्स के लिए पांच छात्रों का चयन

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: रानीखेत क्षेत्र के लिए गौरव की बात है कि यहां के पांच छात्रों का चयन अंडर-19 राज्य स्तरीय हॉकी टीम में हुआ है। ये खिलाड़ी 12 से 17 जनवरी 2026 तक उदयपुर (राजस्थान) में आयोजित होने वाले 69वें नेशनल स्कूल गेम्स में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के चयन से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

चयनित खिलाड़ियों में कुनाल बिष्ट, पुत्र महेंद्र सिंह बिष्ट, निवासी जोग्याड़ी<bha>;</bha> शिवांग मेहरा, पुत्र रवि मोहन सिंह मेहरा, निवासी जैनोली गनियाद्योली, जे एंड जे सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के छात्र<bha>;</bha> इशांत मेहरा, पुत्र दीवान सिंह मेहरा, पीएम श्री जीआईसी जैनोली<bha>;</bha> जितेंद्र नेगी, पुत्र देवेंद्र सिंह नेगी, निवासी किलकोट तथा मयंक, पुत्र हरीश राम, निवासी कुलसीबी, जीआईसी कुलसीबी के छात्र शामिल हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जे एंड जे सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के प्रधानाचार्य विनोद खुल्बे एवं हॉकी कोच दीपक मेहरा ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं और सही मार्गदर्शन मिले तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र व प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

कार्रवाई | जनता दरबार में शिकायत के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई कार्रवाई, अधिकारियों के साथ पहुंचे एडीएम

एडीएम ने किया नरियालगांव पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का निरीक्षण

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: जनता दरबार में निर्माणाधीन चहारदीवारी को लेकर दर्ज कराई गई शिकायत के बाद जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी ने संबंधित अधिकारियों के साथ नरियालगांव स्थित पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य शिकायत की वास्तविक स्थिति का आकलन कर तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करना था।

उल्लेखनीय है कि बीते सोमवार को आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान नरियालगांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी कि पशुपालन विभाग द्वारा प्रस्तावित चहारदीवारी का निर्माण ग्रामीणों की नाप भूमि में किया जा रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मौके पर ही एडीएम को स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बुधवार को एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मोहन पलड़िया एवं उप-मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. टी.पी. यादव ने पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान एडीएम ने प्रक्षेत्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन करते हुए निर्माणाधीन चहारदीवारी की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। भूमि संबंधी स्थिति को स्पष्ट करने के लिए संबंधित पटवारी से मौके पर पैमाइश कराई गई तथा अभिलेखों का परीक्षण भी कराया गया। एडीएम ने निर्देश दिए कि पैमाइश रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो।

निरीक्षण के दौरान एडीएम ने प्रक्षेत्र में स्थित देवदार वनी के पेड़ों के संरक्षण के निर्देश दिए। साथ ही गत वर्ष हुई अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त पेड़ों को हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए और कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सके। इसके अतिरिक्त एडीएम ने वर्मीकंपोस्ट तथा गोमूत्र अर्क उत्पादन जैसे कार्यों को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालित करने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के अवसर पर पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुमित कुमार, नरियालगांव के सरपंच जगदीश जोशी, दिनेश लाबड़ सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नरियालगांव में पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का निरीक्षण करते एडीएम। ● अमृत विचार

रानीधारा में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

- लंबे समय से आतंक का पर्याय बना था गुलदार
- अंधेरा होते ही घरों में दुबकने को मजबूर थे लोग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा नगर के रानीधारा वार्ड में आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार के पिंजरे में कैद होने से लोगों और वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

दरअसल, लंबे समय से रानीधारा के धारानौला, चीनाखान, गोपालधारा समेत कई इलाकों में गुलदार की धमक से लोगों में दहशत थी। आए दिन रिहायशी इलाकों में गुलदार की चहलकदमी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रही थी। जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। वहीं, घरों के आंगन से गुलदार कई कुत्तों को भी उठा ले गया। लोगों की मांग के बाद वन विभाग ने रानीधारा क्षेत्र में पिंजरा लगाया हुआ था। वहीं, बुधवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। जिसे रेस्क्यू कर विभाग ने एनटीडी स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया है। वन विभाग के वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम आर्य ने बताया कि शिकायत मिलने पर रानीधारा में विभाग की ओर से पिंजरा लगाया गया था। गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। पकड़े जाने के बाद गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है।

अल्मोड़ा में रानीधारा में लगे पिंजरे में कैद गुलदार। ● अमृत विचार

'पुनरीक्षण' का पुनरीक्षण हो

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के एसआईआर के बाद नई मसौदा मतदाता सूची ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता से अधिक उसकी समावेशिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले की प्रकाशित सूची में 15.44 करोड़ मतदाता दर्ज थे, लेकिन नई ड्राफ्ट सूची में 2.89 करोड़ नामों का बाहर होना आनुपातिक रूप से असाधारण है। सबसे अधिक लगभग 19 प्रतिशत मतदाताओं का अवैध होना प्रक्रिया की परिशुद्धता पर शंका पैदा करता है। तमिलनाडु व गुजरात में लगभग 15 प्रतिशत नाम कटने की तुलना में यूपी का 19 प्रतिशत का आंकड़ा दो ही संभावनाएं दिखाता है, या तो यहां एसआईआर असाधारण सख्ती से हुआ या फिर लापरवाही से।

लखनऊ में 30 प्रतिशत से अधिक, गाजियाबाद में 29 प्रतिशत, मेरठ, गौतम बुद्ध नगर और कानपुर नगर में 25 प्रतिशत तथा बरेली में 21 प्रतिशत नाम कटना इस सवाल को तीखा करता है कि क्या पिछले चुनावों तक हर चौथा मतदाता 'अवैध' था, या फिर तंत्र ने बहुत से वैध मतदाताओं को ही छांट दिया। लोकतंत्र में मतदाता सूची का शुद्ध होना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उसका समावेशी होना भी। यदि शुद्धिकरण की प्रक्रिया ही वंचना का माध्यम बन जाए, तो यह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाला कदम होगा। इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने से एसआईआर की पारदर्शिता और चुनाव आयोग की कार्यकुशलता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। सरकार और आयोग की मंशा भले ही यह हो कि कोई वैध मतदाता न छूटे, लेकिन वर्तमान आंकड़े इस लक्ष्य से मेल नहीं खाते। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह पारदर्शिता, समयसीमा में राहत और पुनः नाम जोड़ने की सरल व्यवस्था के साथ इस प्रक्रिया पर पुनर्विचार करे, क्योंकि लोकतंत्र में एक भी वैध मत का खोना, व्यवस्था की हार होती है। सत्यापन के समय अनुपस्थित पाए गए करीब पौने तीन लाख मतदाताओं के नामों का भविष्य क्या होगा? क्या उन्हें पुनः जोड़ने की सरल, सुलभ और समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित है? राज्य की 67 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जहां मोबाइल नेटवर्क, डिजिटल साक्षरता और दस्तावेजों की उपलब्धता सीमित है। अशिक्षितों, अकुशल मजदूरों, गरीबों से यह अपेक्षा करना कि वे काम छोड़कर फॉर्म भरें, तहसील के चक्कर लगाएं और जटिल सत्यापन प्रक्रिया पूरी करें व्यवहारिक नहीं।

ड्राफ्ट सूची में 26 लाख नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज पाए गए हैं; इन्हें हटाना आवश्यक है, लेकिन उससे कहीं अधिक चिंताजनक है 'सेल्फ', 'प्रोजेनी' और 'नाइदर' की श्रेणियों का प्रयोग। काम जल्दी निपटाने के दबाव, गांवों में कमजोर नेटवर्क और लंबी फीडिंग प्रक्रिया के चलते यदि बड़ी संख्या में लोगों को बिना पर्याप्त पुष्टि के कहीं 'नाइदर' श्रेणी में तो नहीं डाल दिया गया, यदि ऐसा हुआ है, तो यह प्रशासनिक सुविधा को नागरिक अधिकारों पर वरीयता देने का उदाहरण होगा। देश के अन्य राज्यों में भी लाखों नाम हटाने की तैयारी है और अनुमान है कि आगामी चरणों में 12–15 करोड़ लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। इसका असर राज्य और आम चुनावों की वैधता, प्रतिनिधित्व और परिणाम, तीनों पर पड़ेगा। निर्णायक सूची बनने से पहले शायद इसका ख्याल रखा जाए।

प्रसंगवश

बच्चों की मानसिक सेहत एक अनदेखा संकट

क्या आज का बच्चा सचमुच बचपन जी रहा है, या वह समय से पहले बड़ा होने को मजबूर कर दिया गया है? जब कंधों पर स्कूल बैग से ज़्यादा अपेक्षाओं का बोझ हो और मुस्कान के पीछे डर व असुरक्षा छिपी हो, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। अंकों, तुलना और स्क्रीन की दुनिया में घिरा बच्चा चुपचाप टूट रहा है और हम उसे 'सामान्य' समझकर आगे बढ़ जाते हैं। यही चुप्पी आज बच्चों की मानसिक सेहत को सबसे गहरा ज़ख़्म दे रही है। भारत में बचपन अब केवल उम्र का एक पड़ाव नहीं रहा, बल्कि निरंतर दबाव का अनुभव बनता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चे खेलते हैं, सवाल पूछते हैं और दुनिया को समझने की कोशिश करते हैं, उसी उम्र में वे प्रदर्शन, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं की कसौटी पर तौले जा रहे हैं। शिक्षा, जो कभी विकास का माध्यम थी, अब कई बच्चों के लिए चिंता और डर का स्रोत बन गई है।

डॉ. सुनिधि मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर

इस पूरे बदलाव में सबसे ज़्यादा उपेक्षित मुद्दा है— बच्चों की मानसिक सेहत। 2025 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, भारत के 13 से 17 वर्ष के लगभग 7.3 प्रतिशत किशोर किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य विकार से प्रभावित पाए गए हैं। यह आंकड़ा काग़ज़ पर भले छोटा लगे, लेकिन इसका अर्थ है कि हर स्कूल, हर कक्षा और हर मोहल्ले में ऐसे बच्चे मौजूद हैं, जो भीतर ही भीतर संघर्ष कर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि मानसिक समस्याओं को खुलकर स्वीकार नहीं किया जाता।

2025 में ही तेलंगाना और कर्नाटक के स्कूलों में किए गए एक बड़े सर्वे में सामने आया है कि लगभग 24 प्रतिशत बच्चों में गंभीर मानसिक तनाव के लक्षण थे। इनमें से 6 से 10 प्रतिशत बच्चों को तत्काल परामर्श और उपचार की आवश्यकता बताई गई। यह स्थिति किसी एक राज्य या वर्ग तक सीमित नहीं है, यह पूरे देश में फैलता हुआ संकट है। फर्क बस इतना है कि कहीं यह शोर बनकर सामने आता है और कहीं खामोशी में दबा रह जाता है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण है शैक्षणिक दबाव। आज बच्चों की योग्यता का मूल्यांकन उनके अंकों, रैंक और तुलना से किया जाता है। 'अच्छा बच्चा' वही माना जाता है, जो बेहतर परिणाम दे सके। असफलता का डर, माता-पिता की अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना बच्चों के मन में स्थायी तनाव पैदा कर रही हैं। परीक्षा अब ज्ञान की जांच नहीं, बल्कि मानसिक सहनशक्ति की परीक्षा बनती जा रही है। कई बच्चे इसी डर में अपनी नींद, रुचियां और आत्मविश्वास खो बैठते हैं।

घरेलू वातावरण भी बच्चों की मानसिक सेहत पर गहरा असर डालता है। पारिवारिक तनाव, आर्थिक दबाव, माता-पिता के बीच तनाव या अत्यधिक नियंत्रण— ये सभी बच्चे के मन में असुरक्षा पैदा करते हैं। 2025 में उत्तराखंड में हुए भारत के पहले समुदाय-आधारित सर्वे में सामने आया कि 35000 से अधिक बच्चे और किशोर मानसिक विकारों, व्यवहारिक समस्याओं और विकास संबंधी चुनौतियों के साथ जीवन जी रहे हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि मानसिक स्वास्थ्य संकट केवल महानगरों की समस्या नहीं, बल्कि गांवों और कस्बों तक फैला हुआ है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि भारत में 80 से 90 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बच्चों को कोई पेशेवर सहायता नहीं मिल पाती। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, प्रशिक्षित काउंसलरों का अभाव और सामाजिक कलंक इस समस्या को और गंभीर बना देते हैं। कई परिवार आज भी मानसिक परेशानी को कमजोरी या बदतमीज़ी मान लेते हैं। परिणामस्वरूप बच्चा अकेला पड़ जाता है।

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर किसकी जवाबदेही

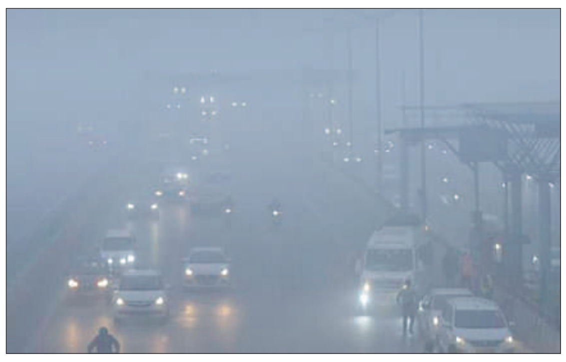

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली आज किसी महानगर की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे विशाल गैस चैंबर की तरह सांस ले रही है, जहां हर सुबह धुंध नहीं, धीमा जहर उतरता है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि वह भयावह यथार्थ है, जिसे राष्ट्रीय राजधानी के करोड़ों नागरिक हर दिन अपने फेफड़ों में भरने को मजबूर हैं। छह जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने इस कड़वी सच्चाई को एक बार फिर उजागर कर दिया कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण अब मौसमी संकट नहीं, स्थायी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा बन चुका है। अदालत की कड़ी टिप्पणियां केवल एक संवैधानिक संस्था की नाराजगी भर नहीं थी, बल्कि वे उस सामूहिक असफलता का आईना थी, जिसमें नीतियां तो बनीं, योजनाएं भी बनीं, लेकिन जमीन पर उतरते ही उनका दम घुटने लगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की कार्यशैली पर न्यायालय की फटकार इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वर्षों से दी जा रही चेतावनियों के बावजूद व्यवस्था ने इस संकट की गंभीरता को न तो पूरी तरह समझा और न ही उसे स्वीकार करने का साहस दिखाया।

अदालत के समक्ष सबसे बड़ा और बुनियादी प्रश्न यही था कि आखिर दिल्ली-एनसीआर की हवा हर सर्दी में जानलेवा क्यों बन जाती है, जबकि समाधान की बातें पूरे साल फाइलों, बैठकों और घोषणाओं में गूंजती रहती हैं। आयोग द्वारा दिल्ली की सीमाओं पर स्थित टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या हटाने के लिए समय मांगना मानो समस्या से बचने का एक और प्रयास था। इस पर न्यायालय का रुख बिल्कुल स्पष्ट था कि अब देरी स्वीकार्य नहीं है। प्रदूषण के कारणों की ठोस पहचान किए बिना समाधान की कोई भी रणनीति केवल दिखावा बनकर रह जाती है। यह भी चिंताजनक है कि आज तक विशेषज्ञ संस्थानों के बीच प्रदूषण के स्रोतों को लेकर स्पष्ट सहमति नहीं बन पाई है। अलग-अलग अध्ययन वाहनों, उद्योगों, निर्माण धूल और पराली को अलग-अलग अनुपात में दोषी ठहराते हैं, जिससे नीति-निर्माण भ्रम और अनिर्णय की दलदल में फंस जाता है।

न्यायालय ने जिस सख्ती से आयोग को विशेषज्ञों की बैठक बुलाने और दो सप्ताह के भीतर एक समग्र रिपोर्ट सार्वजनिक करने का निर्देश दिया, वह लोकतांत्रिक पारदर्शिता और जवाबदेही की अनिवार्यता को रेखांकित करता है। प्रदूषण के कारणों को सार्वजनिक करना इसलिए भी जरूरी है ताकि आम नागरिक यह समझ सके कि समस्या की जड़ कहां है और किस स्तर पर उनका अपना आचरण इस संकट को गहरा कर रहा है। वर्षों से पराली जलाने को प्रदूषण का सबसे आसान खलनायक बना दिया गया, जबकि वास्तविकता यह है कि अत्यधिक निजी वाहन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, अंतहीन ट्रैफिक जाम, खुले में कचरा जलाना, औद्योगिक उत्सर्जन जैसी दिल्ली के भीतर की गतिविधियां स्वयं इस जहर का सबसे बड़ा स्रोत हैं। कोरोना काल के दौरान जब ट्रैफिक और निर्माण गतिविधियां लगभग ठप्प थीं, तब पराली जलने के बावजूद अपेक्षाकृत साफ आसमान ने इस सच्चाई को निर्विवाद रूप से सामने रख दिया था।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी की कि कार आज आवश्यकता नहीं बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुकी है, आधुनिक शहरी जीवनशैली पर सीधा और तीखा प्रहार है। दिल्ली में निजी वाहनों की बाढ़ ने न केवल सड़कों को जाम कर दिया है, बल्कि हवा को भी जहर से भर दिया है। साइकिल और सार्वजनिक परिवहन को त्यागकर कार को प्राथमिकता देना एक ऐसी सामाजिक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिसके दुष्परिणाम अब सामूहिक स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगे हैं। अदालत का यह संकेत कि एक से अधिक कार रखने पर रोक जैसे कठोर कदमों पर भी विचार होना चाहिए, इस बात का प्रमाण है कि समस्या की जड़ तकनीक या मौसम में नहीं बल्कि हमारी जीवनशैली में छिपी है।

इस प्रदूषण का सबसे बड़ा और सबसे मूक शिकार वही वर्ग बनता है, जिसके पास इससे बचने के साधन नहीं हैं। झुग्गियों में रहने वाले लोग, सड़क किनारे काम करने वाले मजदूर, निर्माण स्थलों पर दिन-रात पसीना बहाने वाले श्रमिक, इनके लिए एयर प्यूरीफायर, बंद खिड़कियां और महंगे मास्क महज दूर का सपना हैं। संपन्न वर्ग किसी हद तक खुद को इस जहर से बचा लेता है, लेकिन गरीबों के लिए यह हवा धीरे-धीरे मौत का निमंत्रण बन जाती है। बच्चों में अस्थमा, बुजुर्गों में सांस की बीमारियां और युवाओं में एलर्जी, थकान और मानसिक तनाव के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चिकित्सकीय शोध स्पष्ट कर चुके हैं कि स्मॉग केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है, स्मृति को कमजोर करता है और शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को बढ़ाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वायु प्रदूषण को 'साइलेंट किलर' कहा जाना भारत के संदर्भ में एक भयावह सच बन चुका है।

सबसे चिंताजनक पहलू राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। केंद्र और राज्य सरकारें हर सर्दी में आरोप-प्रत्यारोप के उसी पुराने खेल में उलझ जाती हैं। कभी पड़ोसी राज्यों को दोषी ठहराया जाता है, कभी मौसम को और कभी न्यायालय की सख्ती को। आम नागरिकों के हिस्से में केवल सलाह आती है, घर में रहें, मास्क पहनें, बच्चों को बाहर न भेजें। ये उपाय आपात स्थिति में राहत तो दे सकते हैं, लेकिन समाधान नहीं बन सकते। जब न्यायालय कहता है कि 'हम समस्या जानते हैं, लेकिन ऐसे आदेश चाहिए, जिनका पालन हो सके' तो यह सीधे उस शासकीय निष्क्रियता पर सवाल है, जिसने प्रदूषण को अस्थायी संकट से स्थायी आपदा में बदल दिया है। 'ग्रैप' (ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान) आज एक घिसी-पिटी और लगभग निष्प्रभावी प्रक्रिया बन चुका है। निर्माण कार्यों पर रोक, स्कूलों की बंदी, ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध, हर साल यही कदम और हर साल वही नतीजा। इन उपायों का पालन आधा-अधूरा रहता है।

दिल्ली एक ऐसे विशाल गैस चैंबर की तरह सांस ले रही है, जहां हर सुबह धुंध नहीं, धीमा जहर उतरता है। यह भयावह यथार्थ है, जिसे राष्ट्रीय राजधानी के करोड़ों नागरिक हर दिन अपने फेफड़ों में भरने को मजबूर हैं।

आमने सामने

तीन बच्चे होना कोई अपराध नहीं है, बल्कि जरूरी है। कई हिंदू परिवारों में बच्चे नहीं हो रहे हैं। युवा देर से शादी कर रहे हैं, जिससे हिंदू परिवारों की पीढ़ियां खत्म हो रही हैं, जो लोग 5 से 25 बच्चे पैदा कर रहे हैं, उनसे हिंदुस्तान को बचाना होगा।
–रामेश्वर शर्मा
भाजपा विधायक, मध्य प्रदेश

ये ध्यान भटकाने वाली बाते है, जो पहले के बच्चे हैं, उन्हें तो पहले नौकरी दें। नौकरियां खत्म की जा रही हैं। बीजेपी–संघ वाले शादी नहीं करते। बीजेपी के कितने बड़े नेताओं ने मुस्लिम महिलाओं से शादी की है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, सरकार कुछ नहीं कर रही है।
–पीसी शर्मा
कांग्रेस नेता, मध्य प्रदेश

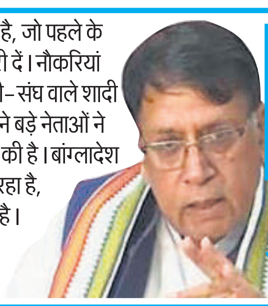

पीएम ने बताया बुद्ध भूमि पिपरहवा का महत्व

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

सिद्धार्थनगर जिले का पिपरहवा विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्थल है। अस्तित्व में आने के बाद इस स्थल के विकास की ओर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया, लिहाजा यह नेपाल के लुंबिनी जैसा विकास नहीं कर सका। निश्चित ही सिद्धार्थनगर जिले का पिपरहवा विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्थल है। बता दें कि पिपरहवा जिसे शुद्धोधन की राजधानी कपिलवस्तु के रूप में पहचाना गया, उसे गौतम बुद्ध की क्रीड़ा स्थली भी कहते हैं, जबकि लुंबिनी गौतम बुद्ध की जन्मस्थली है। आज पिपरहवा की चर्चा इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला है। हाल ही में नई दिल्ली स्थित किला राय पिथौरा कल्चर कांप्लेक्स में 'द लाइट एंड लोटस रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वन' प्रदर्शनी के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि यहां जो बौद्ध अवशेष रखे गए हैं, वह 1898 में पिपरहवा में मिले थे। इस अवशेष को अंग्रेज जमींदार अपने साथ ले गए थे। 2025 में हांगकांग में इसकी नीलामी होने जा रही थी, जिसे केंद्र सरकार और गोदरेज ग्रुप के हस्तक्षेप से बचाया गया। इसके लिए कई कानूनी नोटिस दिए गए थे। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अभी कुछ महीने पहले इसे भारत लाया जा सका, जिसका दर्शन आज सुलभ हो पा रहा है।

पिपरहवा (कपिलवस्तु) दुनिया के दो तिहाई बौद्धिस्ट देशों की आस्था का केंद्र भी है। यहां की पवित्र मिट्टी श्रीलंका सहित कई बौद्धिस्ट देशों के राष्ट्राध्यक्ष ने न केवल अपने माथे पर लगाया, बल्कि साथ भी ले गए। करीब 40 साल पूर्व जब सिद्धार्थनगर बस्ती जिले के उत्तरी हिस्से में स्थित नौगढ़ नाम की तहसील था, तब यहां बौद्धिस्टों का रेला लगा रहता था। प्रतिदिन यहां रेलवे स्टेशन पर विदेशी बुद्ध तीर्थ यात्रियों की एक बोगी मौजूद रहती थी। वे पहले पिपरहवा बुद्ध स्तूप का दर्शन करते थे, फिर यहीं से ककरहवा बार्डर से नेपाल में बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी जाते थे। यह बीते दिनों की बात है। आज इस ऐतिहासिक स्थल का हाल यह है कि शायद ही कोई विदेशी बौद्धिस्ट यहां आता हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पवित्र भाव से पिपरहवा का बखान किया, स्थानीय जनप्रतिनिधि इससे नावाकिफ हैं। भगवान बुद्ध ने यहां अपने जीवन के 29 साल बिताए। इस नाते इस स्थल को बुद्ध की क्रीड़ा स्थली भी कहा जाता है। काश! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पवित्र भाव से पिपरहवा को समझ पाए, यहां के जनप्रतिनिधि भी समझ पाते तो आज पिपरहवा भी नेपाल के लुंबिनी जैसा विकसित होता।

पूर्वी यूपी के जिला सिद्धार्थनगर की शिनाख्त गौतम बुद्ध से है। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था। तीन दशक पूर्व बस्ती जिले के उत्तर स्थित नौगढ़ तहसील को अलग कर सिद्धार्थ के नाम से सिद्धार्थनगर जिले का सृजन हुआ है। जिला मुख्यालय से बीस किलोमीटर उत्तर की ओर स्थित पिपरहवा नामक स्थान को गौतम बुद्ध के पिता राजा शुद्धोधन की राजधानी के रूप में चिह्नित किया गया। यहां के स्तूप और अवशेष प्राचीन कालीन इस राजमहल के खंडहर जैसे आज भी विद्यमान हैं।

यहां से 16 किमी आगे उत्तर तरफ नेपाल में लुंबिनी स्थित है। लुंबिनी की शिनाख्त गौतम बुद्ध के जन्मस्थली के रूप में है। सिद्धार्थनगर के गौतम बुद्ध के स्थली के रूप में चिह्नित होने के बाद यहां अपेक्षित विकास नहीं हो पाया। पिपरहवा के खंडहरनुमा स्तूप को संरक्षित कर इसी के समीप सौ एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर कपिलवस्तु के विकास की तमाम योजनाएं बनीं जरूर, लेकिन राजनीतिक कारणों से यह मूर्त रूप नहीं ले पाईं। 1980 में कांग्रेस शासन में केंद्र सरकार ने कपिलवस्तु विकास महायोजना तैयार की थी, जिसके तहत जमीनें अधिकृत कर विकास की ढेर सारी योजनाएं बनीं थी। इसके लिए प्रारंभिक बजट में 80 लाख रुपये भी जारी किए गए थे, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इसमें रुचि ही नहीं दिखाई, लिहाजा यह योजना फाइलों में दफन होकर रह गई।

आगे चलकर प्रदेश की विभिन्न सरकारों में यहां जरूर कुछ न कुछ निर्माण कार्य हुए, लेकिन वे इस लायक नहीं हैं कि बौद्धिस्टों और टूरिस्टों को आकर्षित कर सके। मायावती ने अपने शासनकाल में यहां हवाई पट्टी तक बनाने की घोषणा की थी। स्थानीय स्तर पर यदि इसके विकास के बारे में किसी ने सोचा तो वह स्वर्गीय धनराज यादव थे, जो भाजपा के कई बार के विधायक और मंत्री रहे हैं। अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में यहां सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के रूप में बड़ी सौगात दी। इस विश्वविद्यालय की स्थापना से यहां जरूर चहल-पहल बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिपरहवा के महत्व को समझने के बाद लोगों को उम्मीद है कि यदि स्थानीय जनप्रतिनिधि जरा भी ध्यान दें, तो पिपरहवा का विकास लुंबिनी सरीखे हो सकता है, जहां बुद्ध अनुयायी वाले देश भी अपना योगदान देने में रुचि लें। इसके लिए लोगों को स्थानीय सांसद जगदंबिका पाल से काफी उम्मीदें हैं। बुद्ध के अवशेष को हांगकांग से वापस भारत आने के बाद उन्होंने उसे पिपरहवा में वापस लाने की बात कही है।

सिद्धार्थनगर का पिपरहवा विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्थल है। इसके विकास की ओर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री ने स्वयं इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला है।

सोशल फोरम

दुनिया की कौमें व 'विश्वास'

मलाया के निवासियों का विश्वास है कि उनके पांवों के निशान की मिट्टी को कोई ले जाता है, तो उससे उसका अनिष्ट किया जा सकता है। चीन में एक देवता का चित्र घर से बाहर चिपकाया जाता है। अमेरिका में तेरह का अंक बड़ा अनिष्टकारी माना जाता है। तेरह तारीख को बहुत से लोग शुभ कार्य नहीं करते। कुछ मुस्लिम जातियों में संडास को भूत तथा जिन्नों का निवास स्थान माना जाता है।

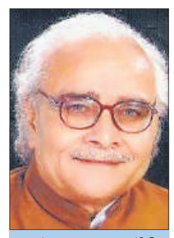

राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
लेखक

आस्ट्रेलिया के आदिवासी इस बात का ध्यान रखते हैं कि कोई शत्रु उनकी छाया के छुरा न मार सके। प्राचीन जर्मनी में भी आत्मा और छाया का संबंध माना जाता था। तिब्बत में घरों पर जब प्रार्थना के झंडे लगाए जाते हैं, तब दुष्ट आत्माओं को दूर करने के लिए एक तिब्बती नीली भेड़ का सिर भी रख दिया जाता है। नाइजीरिया की पाबिर जाति में मगर की पूजा की जाती है। मृतात्मा के लिए नाइजीरिया के लोग सड़क पर भोजन रख देते हैं।

रूस में प्रेत के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजे पर कुल्हाड़ी रखी जाती थी। अमेरिका का नीग्रो अपने पास खरगोश का पांव रखता है, ताकि चुड़ैल उसके जूते में सांप का चूरा न रख सके। मिस्र में प्राचीन काल में नील नदी पर चलने वाली नावों पर आंख बनाई जाती थी। चीन की नौकाओं पर भी आंख बनाई जाती थी और समझा जाता था कि यह आंख चट्टानों से बचाएगी, नाव देखकर चलेगी।

आयरलैंड का ब्लानी स्टोन ऐसा है, जो उसे चूमते हैं, उनकी वाक्शक्ति बढ़ जाती है। स्कॉटलैंड में कुछ पत्थरों पर सामुदायिक रूप से थूका भी जाता है। ऐसी परंपरा से शुभ भविष्य की प्राप्ति मानी जाती है। बुल्गारिया में मान्यता है कि देयुमियस के भोज के अवसर पर आत्माओं का जमघट होता है। रोमन कैथलिक गिरजाघरों में मोमबत्तियां जलाना दुष्टात्मा भगाने में समर्थ माना जाता है।

आस्ट्रेलिया का आदिवासी योद्धा अपने बांये कंधे पर कंगारू चूहे की पूंछ बांधता है। कोर्निश लोग यह मानते हैं कि अंधेरे पाख में पैदा हुए लोग अधिक नहीं जीते। ब्रिटेन में तारों को सद्यः मृतों की आत्मा माना जाता था। पूर्वी अफरीका के अकंबा लोग टूटता तारा देख वेदी पर भोजन पहुंचाते थे, क्योंकि वे समझते थे कि देवता एन्गाई भोजन मांग रहा है।

हम विश्वासों के बीच जन्म लेते हैं। विश्वास मनुष्य के मन में उसी प्रकार जन्म लेता है, जिस प्रकार वृक्ष पर फल।
-एमर्सन

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की 'ए' की सियासत

कांग्रेसी इस कांफिडेंस में हैं कि यूपी की आबादी की बीस फीसद हिस्सेदारी वाले मुस्लिम समाज का पहला प्यार कांग्रेस है। सत्ता से नाराज और बसपा की निष्क्रियता से छिटके दलित कांग्रेस में घर वापसी करेंगे। कांग्रेस नेता दबी जुबान से कुछ इस तरह की बातें करते नजर आ रहे हैं। आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारियां और कांग्रेसी नेताओं के बयान सपा की साइकिल को रोड बाइक का आकार देना चाहते हैं। सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद बार-बार समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाने वाले बयान दे रहे हैं और यूपी कांग्रेस अध्यक्ष इसे अनुशासन हीनता या बड़बोलापन नहीं मानते, बल्कि इमरान मसूद के ऐसे बयानों को जायज ठहरा रहे हैं। जानकार कहते हैं कि यूपी के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस हाईकमान ही सपा पर प्रॉक्सी वार कर दबाव बनवा रहा है। कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सपा पर दबाव बनाने की पूरी छूट दी है, इसलिए वो इमरान मसूद के बयानों को बूस्टअप कर रहे हैं।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

बकौल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय- हम सभी 403 विधानसभा सीटों की तैयारी कर रहे हैं। हमारे पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं, भविष्य में पाने के लिए पूरी शिद्दत से संगठन मजबूत किया जा रहा है। हार का हर डर निकल चुका है। 2024 लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस को आशा की किरण दिखाई है। जीत के उत्साह में मेहनत करके आगे बढ़ने की ऊर्जा दी है। कार्यकर्ताओं ने यूपी में कांग्रेस का पुराना वकार वापस लाने का प्रण लिया है।

यूपी कांग्रेस नेताओं के बयान और संगठन में जान फूंकने की तैयारियां बता रही हैं कि कांग्रेस अगले वर्ष के प्रारंभ में विधानसभा चुनाव से पूर्व समाजवादी पार्टी पर जबरदस्त दबाव बनाएगी। यूपी-बिहार कई मायनों में एक जैसे हैं, लेकिन बिहार की पराजय के बाद भी यूपी कांग्रेस का आत्मविश्वास कमजोर नहीं पड़ा है। यूपी में सपा से अधिक से अधिक सीटें हासिल करने का इरादा है। बताया जाता है कि सवा सौ सीटें मांगी जाएंगी और सत्तर से अस्सी सीटों पर कांग्रेस अड़ जाएगी।

अजय राय ने एक खास बातचीत में बताया कि संगठन को मजबूत करने की कवायद के साथ नये चेहरे और युवा जोश से पार्टी को नई ऊर्जा देने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कर्मठता, कार्यकुशलता, योग्यता और विचारधारा के स्तर पर पार्टी अपने कुनबे का विस्तार कर रही हैं। टैलेंट हंट अभियान के तहत संगठन सृजन में वाक दक्षता से लेकर आईटी एक्सपर्ट और देशहित को समर्पित प्रतिभाओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। प्रवक्ताओं और रिसर्च की एक नई फौज तैयार की गई है। दलितों-पिछड़ों के हक के लिए और सत्ता में उनकी अनदेखी के खिलाफ यूपी कांग्रेस एक बड़ा अभियान छेड़ने जा रही है। अजय राय कहते हैं कि पीडीए से कांग्रेस का प्राचीन रिश्ता रहा है। ब्राह्मण और समस्त समाज को हमने अपने वक्त में खूब सम्मान दिया है। वक्त की धूल साफ करके हम दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों और समाज के हर वर्ग से विश्वास के रिश्ते को एक बार फिर दोहराएंगे।

टैलेंट हंट के जरिए संगठन विस्तार से लेकर दलितों-पिछड़ो के हक की यात्राओं की तैयारी हो या ब्राह्मणों-मुसलमानों से पुराने विश्वास के रिश्तों की याद दिलाना हो, कांग्रेस भी अपने अलग पीडीए का जाल बुन रही है। सपा के पीडीए की तरह कांग्रेस के पीडीए का 'ए' के भी दो अर्थ हैं। 'ए' का अर्थ अल्पसंख्यक है, यानी मुसलमान। दूसरे 'ए' का दूसरा अर्थ हैं- अपर कास्ट, जिसमें खासकर ब्राह्मण शामिल हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

वर्ड स्मिथ

हेलो शब्द की उत्पत्ति

अक्सर इस्तेमाल होने वाला शब्द 'हेलो' सुनने में भले ही साधारण लगे, लेकिन इसका इतिहास काफी दिलचस्प है। कुछ भाषाविदों के अनुसार यह शब्द प्राचीन फ्रांसीसी शब्द Hola से निकला है, जिसका अर्थ होता है-'कैसे हो'। माना जाता है कि 1066 ईस्वी में नॉर्मन आक्रमण के दौरान यह शब्द फ्रांस से इंग्लैंड पहुंचा। समय बीतने के साथ इसका उच्चारण और स्वरूप बदलता चला गया।

चौदहवीं सदी में अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि जेफ्री चॉसर के दौर तक यह शब्द Hallow कहलाने लगा। इसके लगभग दो सौ वर्ष बाद, शेक्सपियर के समय में इसका रूप बदलकर Halloo हो गया। शिकारियों और नाविकों की बोलचाल में आते-आते इसके कई रूप प्रचलन में आए, जैसे- Hallloa, Hallooa, Hollo।

उन्नीसवीं सदी की शुरुआत तक यह शब्द अपने एक निश्चित रूप Hullo में स्थिर हो चुका था। इसके बाद टेलीफोन के आविष्कार ने इस शब्द को पूरी दुनिया में लोकप्रिय बना दिया। शुरुआती दिनों में लोग फोन पर बात शुरू करते समय "Are you there?" कहा करते थे, क्योंकि उन्हें अपनी आवाज के पहुंचने पर संदेह रहता था। अमेरिकी आविष्कारक थॉमस एडिसन ने इस झिझक को खत्म किया और पहली कॉल पर सिर्फ एक शब्द कहा- Hello। तभी से यह शब्द बातचीत की शुरुआत का सार्वभौमिक माध्यम बन गया।

नोटिस बोर्ड

- बरेली कॉलेज बरेली के दर्शन शास्त्र के प्रभारी ने बताया कि तृतीय सेमेस्टर के एसाइनमेंट के साथ अपना रिसर्च प्रोजेक्ट जमा करने की अंतिम तारीख 15 जनवरी है। दर्शनशास्त्र विषय के बीए प्रथम सेमेस्टर और बीए तृतीय सेमेस्टर के मेजर और माइनर में फिलॉसफी विषय के सभी छात्र अपना असाइनमेंट तय समय में जमा कर दें।

- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (मुरादाबाद) ने शिक्षा सत्र 2025-26 की स्नातक एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं का प्रारंभिक परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 जनवरी से 11 फरवरी तक चलेंगी, जबकि परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 जनवरी से शुरू होंगी। स्नातक की परीक्षाएं सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक और परास्नातक की परीक्षाएं दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित की जाएंगी। पहले दिन स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 जनवरी (सोमवार) से शुरु परीक्षाओं का समय सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक रहेगा।

स्मॉग के दौर में सांसों की सुरक्षा

आईआईटी कानपुर की स्मार्ट 'आयरन लंग'

सर्दी के मौसम में दिल्ली समेत उत्तर भारत के अधिकतर शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण से कमजोर होते फेफड़ों को अब घर बैठे आसानी से मजबूत बनाया जा सकेगा। इस काम के लिए आईआईटी कानपुर ने पारंपरिक 'आयरन लंग' मशीन के स्थान पर एक आधुनिक 'आयरन लंग' डिवाइस विकसित की है। यह डिवाइस फेफड़ों के व्यायाम और स्वास्थ्य की निगरानी के लिए एक स्मार्ट रेस्पिरेटरी कंडीशनिंग सिस्टम जैसी है। इससे चिकित्सा क्षेत्र में खासकर फेफड़े से संबंधित रोगों से पीड़ित लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को फेफड़े से जुड़ी समस्या का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ता है। ऐसे में आईआईटी कानपुर की सेंसर आधारित डिवाइस से उनके लिए फेफड़ों की मॉनिटरिंग करना बेहद आसान हो जाएगा। यह डिवाइस वायु प्रदूषण या अन्य स्थितियों के कारण कमजोर हुए फेफड़ों को मजबूत करने के लिए व्यायाम करने में मदद करती है। इसे फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

जिम और घर दोनों जगह कर सकते हैं इस्तेमाल

'आयरन लंग' स्मार्ट वेलनेस डिवाइस को आईआईटी कानपुर के इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के स्टार्टअप मेदांत्रिक ने काफी कम लागत में विकसित किया है। इसे चलाना काफी आसान है। यह डिवाइस पारंपरिक 'आयरन लंग' मशीन जो कि एक बड़ा बेलनाकार वेंटिलेटर था और जिसे पोलियो महामारी के दौरान बनाया गया था, के विपरीत एक आधुनिक, एआई-पावर्ड श्वसन प्रशिक्षण उपकरण है। यह डिवाइस हर रोज फेफड़े की एक्सरसाइज कराती है और तुरंत यह परिणाम भी बताती है कि आपकी एक्सरसाइज से फेफड़ों को कितना लाभ मिला है। ट्रेडमिल की तरह यह मशीन जिम और घर दोनों जगह इस्तेमाल की जा सकती है। मेद्रांत्रिक के सीईओ प्रियरंजन तिवारी ने बताया कि इस डिवाइस की मदद से फेफड़ों का रोज व्यायाम कराया जा सकता है। इससे फेफड़ों को मजबूती मिलती है। उनके मुताबिक इस डिवाइस को अलग-अलग उम्र और शारीरिक बनावट वाले लोगों के लिए अलग-अलग मोड में काम करने के लिए तैयार किया गया है। इसकी तकनीक को पेटेंट कराया जा चुका है, अब यह प्रोडक्ट के रूप में बाजार में आने के लिए तैयार है।

पुरानी आयरन लंग मशीन की कहानी

आयरन लंग एक पुरानी बड़ी धातु की मशीन है, यह उन लोगों को सांस लेने में मदद करती थी, जिनकी श्वसन मांसपेशियां लकवाग्रस्त हो जाती थीं। यह मशीन एक वायुरोधी सिलेंडर होती है, जिसमें मरीज का शरीर अंदर रहता है और सिर बाहर रखकर उसे लिटाया जाता है। इस तरह मशीन अंदर के शरीर में हवा के दबाव को बदलकर फेफड़ों को फैलाने और सिकोड़ने में मदद करती है, इससे प्राकृतिक रूप से सांस लेने जैसा प्रभाव पैदा होता है। इस मशीन का आविष्कार 1920 के दशक में पोलियो के गंभीर मामलों के इलाज के लिए किया गया था, जब मांसपेशियों के लकवाग्रस्त होने के कारण मरीज सांस नहीं ले पाते थे।

70 साल तक लोहे के फेफड़ों से सांस लेते रहे अलेक्जेंडर

पॉल अलेक्जेंडर ने अपनी जिंदगी के 70 साल आयरन लंग मशीन में बंद होकर गुजारे थे। उन्हें 6 साल की उम्र में साल 1952 में पोलियो हो गया था। पॉल का जन्म अमेरिका में वर्ष 1946 में हुआ था और 1952 में अमेरिका में इतिहास का सबसे बड़ा पोलियो फैला था। यह बीमारी इतनी तेजी से फैल रही थी कि हजारों बच्चे इसका शिकार हो गए थे। इनमें पॉल भी शामिल थे। उनके शरीर में गर्दन के नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त होने के कारण काम नहीं कर रहा था। इससे उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी। ऐसे में एक बार उन्होंने आयरन लंग मशीन की शरण ली, तो फिर उससे बाहर ही नहीं निकल पाए। पिछले साल 78 साल की उम्र में पॉल का निधन हो गया था। इसके साथ ही पॉल इतिहास में सबसे लंबे वक्त तक मशीनी फेफड़ों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति बन गए। इसके लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में पहले ही दर्ज किया जा चुका था।

15 मिनट की एक्सरसाइज से फेफड़े स्वस्थ

इस डिवाइस में एक कुर्सी, मानीटर, श्वसन व्यायाम टूल को आपस में जोड़ा गया है। इस पूरे सेट की कीमत करीब 55 हजार रुपये है। डिवाइस में हर व्यक्ति को अपने लिए अलग स्मार्ट कार्ड लगाना होगा। इस स्मार्ट कार्ड में उपयोगकर्ता की उम्र, वजन, लंबाई और क्षेत्र की जानकारी दर्ज रहेगी। इसी आधार पर फेफड़े की आदर्श स्थिति की एक रिपोर्ट डिवाइस तैयार कर देगी। इसमें लोगों के फेफड़ों की कार्यक्षमता के अनुरूप व्यायाम विशेषज्ञों के सुझाए तरीकों को हिस्सा बनाया गया है। इससे व्यायाम करते समय की जाने वाली गलतियों की जानकारी मिलेगी और सही तरीके से व्यायाम करना सीखा जा सकेगा। इससे श्वसन क्षमता को बढ़ाने में सुविधा मिलेगी। इस डिवाइस के जरिए प्रतिदिन 15 मिनट व्यायाम करने से ही एक हफ्ते में फेफड़ों की स्थिति में सुधार होने लगता है। इस डिवाइस में लगने वाले श्वांस लेने वाले उपकरण की कीमत 100 रुपये रखी गई है, जिसे डिवाइस में आसानी से फिट किया जा सकता है।

कैंपस में पहला दिन

गिरते-पड़ते पाला छूने की कहानी

ललित मोहन रयाल
जिलाधिकारी नैनीताल

बारहवीं हमने किसी मेरिट की सीढ़ी चढ़कर नहीं, बल्कि सब्सिडी वाले अंकों के सहारे पास की थी। यूं समझिए, गिरते-पड़ते किसी तरह पाला छू लिया था। देहात से शहर तक की पढ़ाई पूरी तरह साइकिल पर टिकी हुई थी। पंद्रह किमी के रास्ते में कभी चेन उतर जाती, कभी पंचर मुंह चिढ़ा देता। ऐसे में देर होना कोई अपवाद नहीं, रोजमर्रा की नियति थी। इंटर कॉलेज में अनुशासन कोई नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि एक कठोर भौतिक सत्य था। शार्प टाइम पर गेट पर ताला पड़ जाता और उसके बाद गुरुजनों से करुणा की अपेक्षा करना वैसा ही था जैसे तपती दुपहरी में ओस खोज लेना। समय पर पहुंच भी जाएं, तो कक्षा में डेढ़ सौ से अधिक विद्यार्थी ठुंसे रहते। ट्यूशन पढ़ने वाले भीमकाय, बलिष्ठ छात्र आगे की कतारों में विराजमान रहते। हम जैसे बैक-बेंचर्स तक न आवाज पहुंचती थी, न उम्मीद। धीरे-धीरे हम उन्हीं छात्रों की संगत में जाने लगे, जिन्हें व्यवस्था पहले ही 'फेलियर' घोषित कर चुकी थी। कक्षाएं बंक करना आदत नहीं, मजबूरी बन गया।

नतीजा वही निकला, जो निकलना था। यूजी की पहली सूची में हमारा नाम नहीं था। जिस विषय में कृपावश ग्रेस मिला था, वही हमने स्नातक में चुन लिया-यह आत्मविश्वास कम, दुस्साहस ज्यादा था। दो-तीन हफ्ते भारी उधेड़बुन में बीते। उस उम्र में ऊर्जा अतिरिक्त होती है। ऐसी कि एड़ी जमीन पर मारो तो लगे, पानी फूट पड़ेगा। खैर, अन्य विषयों में अंक औसत थे। दूसरी सूची में मनोवांछित विषय मिल गया। प्रवेश मिलते ही लगा- जैसे किसी डूबते को तिनका नहीं, पूरी नाव मिल गई हो। जान बची, तो लाखों पाए- यह भाव भीतर तक समा गया।

1992 का साल था। महाविद्यालय पहुंचे तो कहानी ने नया मोड़ नहीं लिया। कॉन्वेंट, केन्द्रीय विद्यालय, मॉडर्न स्कूल और हमारे इंटर कॉलेज, सबके छात्र वहां मौजूद थे। देहात का स्वाभिमान कुछ अलग किस्म का होता है- वह स्वावलंबन पर ज्यादा टिकता है। देहाती युवक की उनसे न पटरी बैठी थी, न बैठने वाली थी। ऊपर से समय-सारिणी का झंझट। फिजिक्स की कक्षा सुबह नौ बजे, प्रैक्टिकल ग्यारह बजे। रसायन शास्त्र एक बजे, उसका प्रैक्टिकल तीन बजे। गणित चार बजे। टाइम-टेबल ऐसा कि पढ़ाई से ज्यादा धैर्य की परीक्षा ले। हम देहाती युवक थे। खेती-किसानी, घर-बाहर- सबमें हाथ बंटाना पड़ता था। ऐसे में इस समय-सारिणी के मुताबिक चलना हमारे लिए कठिन नहीं, असंभव का पर्याय था। हम नियमित रूप से अनियमित होते चले गए। पर मन में एक बात गहरे बैठ चुकी थी- पाठ्यक्रम को साल भर में दो-चार बार आर-पार किए बिना आगे की राह नहीं खुलेगी। इसी समझ ने हमें स्वावलंबन की ओर धकेला। गुरु, कक्षा और घंटी के भरोसे रहने के बजाय हमने खुद से पढ़ना सीख लिया। शायद वहीं से शिक्षा का असली पाठ शुरू हुआ, जब डिग्री नहीं, समझ लक्ष्य बन गई।

करंट अफेयर्स

- हाल ही में भारतीय वायु सेना (IAF) में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन हुआ है, जिसमें एयर मार्शल नागेश कपूर ने वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ का पद संभाला। लगभग 40 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के साथ, वे गहन संचालन, प्रशिक्षण और रणनीतिक अनुभव लाते हैं। उनकी नियुक्ति उस समय वायु सेना के शीर्ष नेतृत्व को मजबूत करती है, जब बल प्रशिक्षण आधुनिकीकरण, हवाई रक्षा तैयारी और परिचालन तत्परता पर केंद्रित है।
- भारतीय सेना ने हाल ही में अपनी परिचालन क्षमताओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए वर्ष 2026 को 'नेटवर्किंग एवं डेटा-केंद्रितता का वर्ष' घोषित किया है। यह घोषणा जनवरी 2026 में थल सेनाध्यक्ष (COAS) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में की गई, जो भविष्य के लिए तैयार, प्रौद्योगिकी-आधारित सेना के निर्माण की दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा है। यह पहल डिजिटल एकीकरण, रियल-टाइम डेटा साझा करने और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया पर भारतीय सेना के बढ़ते फोकस को दर्शाती है, जो आधुनिक युद्ध के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।
- कर्नाटक के वन्यजीवों ने हाल ही में एक बार फिर राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। राज्य में तेंदुए के एक अत्यंत दुर्लभ रंग-रूप (कलर वैरिएंट) की पहली बार पुष्टि हुई है, जिसे "सैंडलवुड लेपर्ड" नाम दिया गया है। यह खोज कर्नाटक में तेंदुओं की उल्लेखनीय आनुवंशिक विविधता को उजागर करती है और बड़े बिल्लीनुमा जीवों के संरक्षण के लिए भारत के सबसे महत्वपूर्ण परिदृश्यों में से एक के रूप में राज्य की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वाराणसी में आयोजित 72 वीं राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। खिलाड़ियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल में टीमवर्क, समन्वय और सामूहिक जिम्मेदारी जैसे मूल्य भारत की विकास यात्रा को भी प्रतिबिंबित करते हैं। इस आयोजन में देशभर की टीमों ने भाग लिया और यह खेल एवं युवा विकास पर सरकार के मजबूत फोकस को दर्शाता है।

जॉब अलर्ट

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम- स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या- 1146
- योग्यता- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन
- आयु सीमा- VP वेल्थ SRM: 26-42 वर्ष/AVP वेल्थ RM: 23-35 वर्ष/कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव: 20-35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख- 10-जनवरी-2026
- वेबसाइट- sbi.bank.in

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- पदों की संख्या- (1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष), कंप्यूटर ऑपरेटर 18 से 55 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-05-फरवरी-2026
- वेबसाइट- apexbankmp.bank.in

बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम-अप्रेंटिस
- पदों की संख्या-400
- वेतन-13,000 रुपये प्रति माह
- योग्यता-किसी भी विषय में ग्रेजुएट डिग्री
- आयु सीमा-20 से 28 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-10 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www.bankofindia.bank.in

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

- पद का नाम-लेखपाल
- पदों की संख्या-7994
- योग्यता-प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (PET-2025) पास होना चाहिए और आवश्यक शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए
- आयु सीमा- 18-40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख- 28 फरवरी 2026
- वेबसाइट- upsssc.gov.in

AI स्पेशलिस्ट बनकर करियर को दें डिजिटल उड़ान

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तेजी से दुनिया की कार्यप्रणाली बदल रहा है। आज AI सिर्फ एक तकनीकी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल फोन, बैंकिंग सेवाएं, हेल्थकेयर, शिक्षा, ई-कॉमर्स और ट्रांसपोर्ट- हर क्षेत्र में AI का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। पहले जिन कामों को इंसान स्वयं करता था, अब वही कार्य मशीनें सीखकर स्वत: करने लगी हैं। चैटबॉट्स द्वारा ग्राहक सेवा, वॉइस असिस्टेंट्स से जानकारी प्राप्त करना, ऑनलाइन शॉपिंग में पसंद के अनुसार सुझाव मिलना या फिर सेल्फ-ड्राइविंग कारों का विकास- ये सभी AI तकनीक की देन हैं। इसी बढ़ते उपयोग के कारण AI आज करियर के सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक बन गया है। कंपनियां अपने काम को अधिक तेज, सटीक और किफायती बनाने के लिए AI एक्सपर्ट्स को प्राथमिकता दे रही हैं। ऐसे में हर सेक्टर में AI से जुड़े प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी ज्यादा बढ़ती जा रही है। आइए आपको बताते हैं AI स्पेशलिस्ट बनने के लिए कौन से कोर्स कर सकते हैं।

करियर का बेस्ट ऑप्शन

AI का मूल उद्देश्य ऐसी मशीनें और सिस्टम विकसित करना है, जो इंसानों की तरह सोच सकें, निर्णय ले सकें और अनुभव से सीख सकें। यही कारण है कि हर सेक्टर में AI स्पेशलिस्ट की मांग लगातार बढ़ रही है। कम एक्सपर्ट्स और अधिक डिमांड के चलते इस फील्ड में सैलरी पैकेज भी काफी आकर्षक हो चुके हैं। तकनीक के इस दौर में AI न केवल वर्तमान की जरूरत है, बल्कि भविष्य की रीढ़ भी है, जो युवा आज AI की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, उनके लिए यह क्षेत्र स्थिरता, सम्मान और बेहतरीन अवसरों से भरा हुआ साबित हो सकता है।

AI Specialist के लिए बेस्ट कोर्स

अगर आप इस फील्ड में कदम रखना चाहते हैं, तो सबसे पहले कंप्यूटर और मैथ्स की बेसिक समझ होनी चाहिए। इन कोर्सों में आपको मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, Neural Networks, डाटा एनालिसिस, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे पायथन का ज्ञान दिया जाता है। इन स्किल्स की मदद से आप कंपनियों में डेटा एनालिसिस, AI मॉडल डेवलपमेंट या मशीन लर्निंग प्रोजेक्ट्स पर काम कर सकते हैं।

ग्रेजुएशन लेवल कोर्स

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक
- डेटा साइंस में बीएससी
- AI स्पेशलाइजेशन के साथ कंप्यूटर साइंस में बीटेक
- पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल कोर्स
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पीजी डिप्लोमा
- AI और मशीन लर्निंग में MTech या AI और डीप लर्निंग में सर्टिफिकेट कोर्स

सैलरी और करियर ग्रोथ

AI Specialist की शुरुआती में एक सम्मानजनक सैलरी मिल जाती है। फ्रेशर्स को औसतन 8 से 12 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की सैलरी मिल सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता जाता है, वैसे ही सैलरी में ग्रोथ होती जाती है। एक अनुभवी AI Specialist को 20 से 30 लाख रुपये या उससे ज्यादा का सालना पैकेज मिल जाता है। भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी AI इंजीनियर्स और डेटा साइंटिस्ट्स की जबरदस्त डिमांड है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,961.14	26,140.75
गिरावट	102.20	37.95
प्रतिशत में	0.12	0.14

सोना 1,41,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,56,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, गुरुवार, 8 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2280, रविन्द्रा 2420, फॉर्चुन 13 किग्रा 2010, जय जवान 2005, सचिन 2030, सूरज 2005, अवसर 1875, उजाला 1950, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2175, मोर 2200, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9400–12000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा–5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8800, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4050, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800–8500, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700–8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 3200, मसूरी– 800, बासमती– 5200, परमल– 1200

दाल दलहन : काला चना– 2200, साबुत चना दाल– 1400, मूंग साबुत– 4400, राजमा– 8000–11100, दाल उड़द– 5200, साबुत मसूर दाल– 3200, मसूर दाल– 2200, उड़द साबुत– 4000, काबुली चना– 8400, अरहर दाल– 10200, लोबिया/करमानी– 1400

देश को आयात घटाकर बढ़ाना होगा निर्यात

केंद्रीय मंत्री गडकरी बोले- दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

- सीएसआईआर के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समारोह को किया संबोधित
- एग्रो-वेस्ट के उपयोगी संसाधन में बदलने से तेल के आयात पर निर्भरता होगी कम

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि अगर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे आयात घटाने और निर्यात बढ़ाने पर खास ध्यान देना होगा। गडकरी ने सीएसआईआर के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समारोह में कहा कि कृषि अपशिष्ट (एग्रो-वेस्ट) को उपयोगी संसाधन में बदला जा सकता है, जिससे न केवल किसानों को फायदा होगा बल्कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी कम की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में पेट्रोलियम-रहित घटक बायो-

बिटुमेन का इस्तेमाल विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में रूपांतरकारी कदम है।

गडकरी ने कहा कि एग्रो-वेस्ट के उपयोग से पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण घटेगा और संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल पर आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यदि वाहन ईंधन में 15% मिलावट की जाए तो भारत करीब 4,500 करोड़ डॉलर की विदेशी मुद्रा बचा सकता है और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता में बड़ी कमी आ सकती है। गडकरी ने कहा कि फिलहाल दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचने के लिए अपना आयात घटाने और निर्यात को बढ़ाने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि भारत व्यावसायिक स्तर पर बायो-बिटुमेन का उत्पादन शुरू करने वाला दुनिया का पहला देश है। इससे किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे, ग्रामीण रोजगार बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

हरित हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए देश के अलग अलग हिस्सों में 10 राजमार्ग खंड किए गए चिह्नित

मंत्री ने बायो–बिटुमेन के इस्तेमाल को टिकाऊ विकास, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार वृद्धि की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। गडकरी ने कृषि और निर्माण उपकरण विनिर्माताओं से वैकल्पिक ईंधन और फ्लेक्स–इंजन आधारित वाहनों को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकार ने हरित हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए देश के अलग–अलग हिस्सों में 10 राजमार्ग खंड चिह्नित किए हैं। लेकिन उन्होंने हाइड्रोजन ईंधन के परिवहन को एक बड़ी चुनौती बताया। गडकरी ने कहा कि भारत को ऊर्जा का आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बनना चाहिए। गडकरी ने कहा कि देश हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये जीवाश्म ईंधन के आयात पर खर्च करता है, जिसकी वजह से प्रदूषण की समस्या भी बढ़ रही है।

फरवरी माह में संसद में सरकार पेश करेगी बीज विधेयक : कृषि सचिव

- सुझावों सहित 9000 आवेदन मिले कैबिनेट नोट में किए जाएंगे शामिल
- बीज विधेयक, 1966 के बीज अधिनियम का स्थान लेगा नया विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार ने बजट सत्र के पहले चरण में फरवरी में संसद में बीज विधेयक 2025 पेश करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, हमें बीज विधेयक 2025 के लिए सुझावों सहित 9000 आवेदन प्राप्त हुए हैं। हम इन पर विचार करेंगे और 'कैबिनेट नोट' में इन्हें शामिल करेंगे। हमारा लक्ष्य इस विधेयक को बजट सत्र के पहले चरण में पेश करना है।

सचिव ने कहा कि मंत्रालय संसद के अवकाश के बाद कीटनाशक प्रबंधन विधेयक 2020 को पेश करने की योजना बना रहा है। बीज विधेयक, 1966 के बीज अधिनियम का स्थान लेगा। इसमें गुणवत्ता और पैकेट पर क्यूआर कोड जैसे आधुनिक मानकों के साथ 'ट्रेसबिलिटी' सुनिश्चित करने के लिए बीज किस्मों, डीलर और उत्पादकों के लिए अनिवार्य पंजीकरण का प्रावधान है। इसमें निगरानी के लिए केंद्रीय एवं राज्य बीज समितियों की स्थापना का भी प्रावधान है। साथ ही किसानों को बिना पंजीकरण के कृषि में संरक्षित बीजों को रखने और आदान-प्रदान करने की अनुमति दी गई है। व्यक्तिगत तौर पर उल्लंघनों के लिए जुर्माना एक लाख रुपये से 30 लाख रुपये तक से लेकर कारावास तक हो सकता है। यह मामले की गंभीरता के आधार पर लगाया जाएगा। इसमें तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। यदि कोई कंपनी अपराध करती है, तो अपराध के समय कंपनी के प्रभारी एवं व्यवसाय संचालन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

27 से 30 तक गोवा में वैश्विक ऊर्जा मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से भारत ऊर्जा सप्ताह–2026 का आयोजन 27 से 30 जनवरी 2026 तक गोवा में किया जाएगा। यह भारत का प्रमुख वैश्विक ऊर्जा मंच है, जिसमें दुनिया भर के ऊर्जा मंत्री, नीति-निर्माता, वैश्विक सीईओ, उद्योग प्रमुख व विशेषज्ञ भाग लेंगे।

चार दिवसीय इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, निवेश संवर्धन, स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, कार्बन उत्सर्जन में कमी, हरित हाइड्रोजन, जैव-ईंधन और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों जैसे विषयों पर व्यापक विमर्श होगा। सम्मेलन में 120 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी प्रस्तावित है, जो इसे वैश्विक ऊर्जा संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बनाएगा।

भारत ऊर्जा सप्ताह–2026 में मंत्रिस्तरीय राउंड टेबल बैठकें, सीईओ संवाद, रणनीतिक नीति सत्र, तकनीकी सम्मेलन और एक विशाल अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में ऊर्जा क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों, नवाचारों और समाधान को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे वैश्विक निवेश और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। सम्मेलन का उद्देश्य ऊर्जा उपलब्धता, वहन-योग्यता, पहुंच और स्थिरता के बीच संतुलन स्थापित करने पर वैश्विक सहमति बनाना है। इस मंच के माध्यम से विकासशील और विकसित देशों के बीच सहयोग को सशक्त किया जाएगा, ताकि ऊर्जा संक्रमण को व्यावहारिक और समावेशी बनाया जा सके।

भारत ऊर्जा सप्ताह-2026

IEW INDIA ENERGY WEEK 2026

- ऊर्जा सुरक्षा, निवेश व कार्बन उत्सर्जन पर कई देशों के मंत्री नीति-निर्माता करेंगे विचार-विमर्श

भविष्य की योजनाओं पर भी होगी चर्चा

भारत ऊर्जा सप्ताह– 2026 में भारत की इथेनॉल मिश्रण नीति, हरित हाइड्रोजन मिशन, जैव–ईंधन पहल, ऊर्जा अवसंरचना विस्तार और आत्मनिर्भर ऊर्जा रणनीति पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों के माध्यम से भारत के अनुभवों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को वैश्विक समुदाय के साथ साझा किया जाएगा। सम्मेलन वैश्विक निवेशकों को भारत के ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, नीति स्थिरता और निवेश–अनुकूल वातावरण से अवगत कराएगा तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए रास्ते खोलेगा।

खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 देश होंगे शामिल

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में तीन दिवसीय खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 देशों के प्रमुख कारोबारी हिस्सा लेंगे। वाणिज्य मंत्रलय ने बुधवार को यह जानकारी दी। इंडसफूड 2026 का नौवां संस्करण आठ से दस जनवरी को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में हो रहा है। इसे भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) आयोजित कर रहा है।

यह प्रदर्शनी, व्यापार साझेदारी, द्विपक्षीय साझेदारी और दीर्घावधिक साझेदारी को आसान बनाने के लिए प्रमुख भारतीय खाद्य उत्पादकों, अंतर्राष्ट्रीय लिवालों, नीति निर्माताओं, उद्योग के अग्रणी लोगों और वैश्विक संस्थानों को मंच पर लाएगा। प्रदर्शनी के दौरान अबू धाबी फूड हब द्वारा इंडिया-यूएई फूड कॉरिडोर जैसी पहल की शुरुआत की जायेगी। इसमें 120 देशों के हिस्सा लेने की उम्मीद है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं।

ग्रोक मामले में एक्स की रिपोर्ट की जांच करेगा आईटी मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय आपत्तिजनक सामग्री तैयार करने में एआई चैटबॉट ग्रोक के दुरुपयोग से जुड़े मामले में सरकार के कड़े निर्देश के बाद एक्स के जवाब और कार्रवाई रिपोर्ट की जांच कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि उद्योगपति एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स को मंत्रालय ने विस्तारित समय देते हुए बुधवार शाम पांच बजे तक विस्तृत 'कार्रवाई रिपोर्ट' (एटीआर) जमा करने को कहा था।

सूत्रों ने कहा कि एक्स ने अपना जवाब मंत्रालय को सौंप दिया है, जिसे फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से सरकार को दी जानकारी का विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं हो सका है। सरकार ने एक्स को कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि उसके कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित टूल ग्रोक का दुरुपयोग कर महिलाओं और नाबालिगों की अश्लील, आपत्तिजनक और यौन प्रकृति की तस्वीरें एवं वीडियो तैयार किए जाने के साथ साझा किए जा रहे हैं। इसको ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने दो जनवरी को एक्स को तत्काल ऐसी सभी गैरकानूनी और अश्लील सामग्रियों को हटाने का निर्देश दिया था। मंत्रालय ने आदेश में एक्स से यह भी कहा था कि वह 72 घंटे के भीतर यह स्पष्ट करे कि ग्रोक एप के संदर्भ में कौन-कौन से तकनीकी और संगठनात्मक कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने वाले हैं। इस मामले में एक्स के मुख्य अनुपालन अधिकारी की भूमिका एवं निगरानी और उल्लंघन करने वाली सामग्री, उपयोगकर्ताओं एवं खातों के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी देने को कहा गया था।

मंत्रालय ने रेखांकित किया कि ग्रोक एआई का इस्तेमाल फर्जी खाते बनाकर महिलाओं की तस्वीरों एवं वीडियो को अश्लील ढंग से प्रसारित करने को हो रहा है, जो मंच-स्तरीय सुरक्षा उपायों की नाकामी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आईटी अधिनियम और उससे जुड़े नियमों का पालन वैकल्पिक नहीं है और धारा 79 के तहत सुरक्षित स्थान वाली छूट सख्त जांच पर ही निर्भर करती है।

- गैरकानूनी व अश्लील सामग्री हटाने व कार्रवाई की रिपोर्ट जमा करने के दिए थे आदेश

न्यायमूर्ति वर्मा की जांच को समिति गठन पर रोक नहीं

राज्यसभा की ओर से प्रस्ताव खारिज करने के प्रकरण में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए जांच समिति गठित करने में कोई रोक नहीं है। इस प्रकरण में राज्यसभा की ओर से प्रस्ताव खारिज करने के प्रकरण में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह टिप्पणी की। हालांकि शीर्ष अदालत ने अपनी मौखिक टिप्पणी में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा समिति के गठन के तरीके में कुछ खामियां हैं। वह इसकी पड़ताल करेगा कि क्या यह खामी कार्यवाही को समाप्त करने के लिए पर्याप्त है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की इस दलील से असहमति जताई कि राज्यसभा सभापति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उप सभापति को (न्यायाधीश को पद से हटाने के लिए) प्रस्ताव लाने के लिए सौंपे गए नोटिस को खारिज करने का अधिकार नहीं है।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि हम रोहतगी के पहले और दूसरे बिंदु (जांच समिति का गठन और राज्यसभा के उपसभापति द्वारा प्रस्ताव के नोटिस को खारिज करने की कार्रवाई) से सहमत नहीं हैं... हमें केवल यह विचार करना है कि क्या हमें अनुच्छेद 32 के तहत हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि क्या उस व्यक्ति (न्यायमूर्ति वर्मा) को संयुक्त समिति (लोकसभा और राज्यसभा दोनों की) का लाभ मिलना चाहिए था...। पीठ न्यायमूर्ति वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें उनके आवास पर अधजले नोट बरामद होने के संबंध में जांच के लिए गठित संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी।

- न्यायालय ने कहा- लोस अध्यक्ष की समिति के गठन के तरीके में कुछ खामियां, करेंगे पड़ताल

मणिपुर हिंसा : 48 मिनट के ऑडियो की फॉरेंसिक जांच का आदेश

उच्चतम न्यायालय ने 48 मिनट की उस ऑडियो रिकॉर्डिंग की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया जिसे लेकर एक याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह लीक हुई क्लिप 2023 की जातीय हिंसा में मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की भूमिका की ओर इशारा करती है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि लीक हुई ऑडियो को फॉरेंसिक जांच को नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) गांधीनगर भेजा जाए। पीठ ने आदेश दिया कि कथित बातचीत के साथ मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री की स्वीकार की गई वॉयस रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध है।

मध्यस्थता निर्णयों को चुनौती देना मूल उद्देश्य को कर देगा विफल

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर अदालतों को हर स्तर पर हस्तक्षेप करने की अनुमति दी जाती है और मध्यस्थता निर्णयों को उसके समक्ष चुनौती दी जाती है तो यह मध्यस्थता कानून के मूल उद्देश्य को ही विफल कर देगा। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि मध्यस्थता व सुलह अधिनियम 1996 एक विशेष अधिनियम है जिसका उद्देश्य संविदात्मक या वाणिज्यिक विवादों को अदालत के न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ मध्यस्थता के माध्यम से हल करना है। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के मार्च 2021 के फैसले को रद्द करते हुए आई।

शब्बीर शाह की जमानत पर 13 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। यह याचिका न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्वेस अलगाववादी नेता की ओर से पेश हुए थे। शब्बीर ने पिछले साल 12 जून को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जमानत देने से इन्कार किए जाने संबंधी आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार सितंबर को शब्बीर को अंतरिम जमानत देने से इन्कार कर दिया था और उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

डेटा सुरक्षा उल्लंघन से जुड़ी याचिका पर आरबीआई और केंद्र से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने निजता एवं डेटा संरक्षण के अधिकार के उल्लंघन से जुड़ी जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से बुधवार को जवाब तलब किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा डिजिटल ऋण एप के माध्यम से उधारकर्ता के निजता और डेटा संरक्षण के अधिकार का उल्लंघन किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने पाया कि हिमाक्षी भार्गव द्वारा दायर जनहित याचिका में गंभीर चिंताएं उठाई गई हैं और इस मामले में केंद्र तथा आरबीआई को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि हम आपके द्वारा की जा रही कार्रवाई को लेकर चिंतित हैं। हम आरबीआई से याचिका में लगाए गए आरोपों और 2025 (डिजिटल ऋण) दिशानिर्देशों के प्रवर्तन के लिए की गई कार्रवाई के संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हैं। आरबीआई द्वारा दाखिल किए हलफनामे में इन निर्देशों के उल्लंघन के मामले में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अधिवक्ता कुणाल मदन और मनवे सरवागी के माध्यम से जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता युगल जैन और टीना भी उपस्थित रहे।

याचिका में आरोप लगाया कि भारतीय रिजर्व बैंक के 2025 के डिजिटल ऋण दिशानिर्देश जारी होने के बावजूद कुछ डिजिटल ऋण देने वाले एप प्रतिबंधित मोबाइल फोन संसाधनों जैसे संपर्क सूचियों और कॉल लॉग तक पहुंच हासिल कर लेते हैं। अत्यधिक व्यक्तिगत और उपकरण-स्तरीय डेटा एकत्र करते हैं और जबरन सहमति मांगने वाले तंत्र का इस्तेमाल करते हैं। याचिका में तर्क दिया, उधारकर्ताओं को सेवाओं का लाभ उठाने की शर्त के रूप में व्यापक और गोपनीय नीतियों को स्वीकार करने के लिए बाध्य किया जाता है जिससे सहमति अनैच्छिक हो जाती है और यह दिशा-निर्देशों की धारा 12 के विपरीत हो जाती है। डेटा संग्रह के तरीके असंगत हैं और उनका केवाईसी या क्रेडिट मूल्यांकन जैसे वैध उद्देश्यों से कोई उचित संबंध नहीं है।

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि नवंबर 2025 में उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विशिष्ट उल्लंघनों का उल्लेख करते हुए एक विस्तृत शिकायत प्रस्तुत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जनहित याचिका में आरबीआई को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया कि वह ऋण दिशा निर्देशों का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं के खिलाफ शीघ्र एवं समयबद्ध कार्रवाई करे।

- डिजिटल ऋण एप से उधारकर्ता के डेटा संरक्षण के अधिकार के उल्लंघन का आरोप

50 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी में दो गिरफ्तार

हैदराबाद। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की 50 करोड़ की कथित चोरी के अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई ने छह जनवरी को दोनों को गिरफ्तार किया।

ऑरेंज पैसेंजर ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार ने 28.24 करोड़ रुपये का जीएसटी (जीएसटी) एकत्र किया था लेकिन नियत तारीख से तीन महीने बीत जाने के बाद भी इसे सरकार के पास जमा नहीं कराया था। वहीं अन्य मामले में ट्रिलियन लीड फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चेतन एन. 22 करोड़ रुपये के फर्जी 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' की साजिश रची। दोनों को सीजीएसटी अधिनियम 2017 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। डीजीजीआई ने कहा कि डेटा विश्लेषण और अंतर-एजेंसी सहयोग से प्राप्त विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर संगठित जीएसटी चोरी रैकेट के सरगनाओं के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई शुरू की गई है।

एसआईआर : अमर्त्य सेन को नोटिस देने पर भड़की टीएमसी

कोलकाता, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को नोटिस जारी किया है, जिसमें 92 वर्षीय अर्थशास्त्री को 16 जनवरी को उनके आवास पर सुनवाई के लिए बुलाया गया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे 'शर्मनाक तमाशा' बताया। अधिकारियों ने बताया कि सेन वर्तमान में विदेश में हैं, इसलिए नोटिस उनके पैतृक निवास, शांतिनिकेतन, बोलपुर में रह रहे उनके परिवार के सदस्य को दिया गया है।

बंगाल में एक और बीएलओ की मौत

बंगाल के मालदा जिले में बीएलओ की बुधवार को मौत हो गई और परिजन का आरोप है कि एसआईआर के अत्यधिक कार्यभार से वह तनाव में थीं। मृतक संप्रिता चौधरी सान्याल के पति ने बताया कि वह कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं तथा चिकित्सकों ने आराम की सलाह दी थी, लेकिन उन्होंने काम करना जारी रखा। एसआईआर का कार्यभार बढ़ने से हालत बिगड़ गई और मौत हो गई।

सोमनाथ मंदिर को लेकर भाजपा-कांग्रेस में वाकयुद्ध

भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को थी : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सोमनाथ मंदिर को अतीत में महमूद गजनी और अलाउद्दीन खिलजी ने लूटा था, लेकिन स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत थी। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर आरोप लगाया कि नेहरू अपनी तुष्टीकरण की अंधी राजनीति से स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण नहीं चाहते थे, जिसके अनुसरण में उन्होंने मुगल आक्रांताओं का महिमामंडन करने से भी परहेज नहीं किया।

त्रिवेदी ने नेहरू के पत्रों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि नेहरू ने पाकिस्तानी दुष्प्रचार का सामना करने या भारत की सभ्यतागत स्मृति का बचाव करने के बजाय, हिंदू धर्म के ऐतिहासिक प्रतीकों को कम महत्व देकर पाकिस्तान को खुश करने का विकल्प चुना और आंतरिक आत्मविश्वास के बजाय बाहरी तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी।

झूठ फैला रही भाजपा, नेहरू ने गांधी-पटेल की नीति का पालन किया था : कांग्रेस

कांग्रेस ने सोमनाथ मंदिर और पंडित जवाहरलाल नेहरू पर भाजपा के दावे को झूठ करार देते हुए कहा कि नेहरू ने महात्मा गांधी और सरदार पटेल की सहमति से तय उस नीति का पालन किया था कि धर्मस्थल के निर्माण में सरकारी पैसे का उपयोग नहीं होना चाहिए।

मुख्य विपक्षी दल ने सवाल किया है कि भाजपा को यह बताना चाहिए कि क्या राम मंदिर के शिलान्यास के समय तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और इसके उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को क्या इसलिए नहीं आमंत्रित किया गया कि कि वे दलित और आदिवासी समुदाय से आते हैं?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी नेता पीयूष बबेले का वीडियो 'एक्स' पर साझा किया था, जिसमें भाजपा के आरोपों पर विस्तृत जवाब दिया गया है। कांग्रेस नेता बबेले ने कहा कि सुधांशु त्रिवेदी पंडित नेहरू और सोमनाथ मंदिर को लेकर अर्धसत्य परोस रहे हैं, झूठ फैला रहे हैं। वे नेहरू के कुछ चुनिंदा पत्र को निकालते हैं और आगे एवं पीछे के पत्रों को अलग कर देते हैं ताकि झूठ सच लगने लगे।

वेनेजुएला दो अरब डॉलर कीमत का कच्चा तेल अमेरिका को भेजेगा : ट्रंप

- तेल से होने वाली आय पर होगा अमेरिकी नियंत्रण

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और वेनेजुएला एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जिसके तहत वेनेजुएला लगभग दो अरब डॉलर कीमत का कच्चा तेल अमेरिका भेज सकता है।

ट्रंप ने कहा कि यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि वेनेजुएला अमेरिकी तेल कंपनियों के लिए अधिक पहुंच प्रदान करने की उनकी मांग का पालन कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि वेनेजुएला में हालिया सैन्य अभियान का एक मुख्य उद्देश्य देश के तेल क्षेत्र को अमेरिकी नियंत्रण में लाना था। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेनेजुएला 3 करोड़ से 5 करोड़ बैरल प्रतिबंधित तेल उपलब्ध कराएगा, जिसे बाजार की कीमतों पर बेचा जाएगा तथा इसकी आय उनके प्रशासन द्वारा नियंत्रित की जाएगी।

वेनेजुएला के दो तेल टैंकरों पर किया कब्जा

अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक और कैरेबियन में दो कार्रवाइयों में वेनेजुएला से जुड़े दो प्रतिबंधित तेल टैंकरों को जब्त कर लिया। अमेरिका- यूरोपीय कमान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोप में व्यापारिक पोत बेला-1 को जब्त करने की जानकारी दी। अमेरिका पिछले महीने से इस टैंकर का पीछा कर रहा था, क्योंकि इसने वेनेजुएला के आसपास प्रतिबंधित तेल जहाजों पर अमेरिकी नाकेबंदी से बचने की कोशिश की थी। अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने कहा कि सेना ने टैंकर सोफिया पर भी कब्जा कर लिया है।

अथाह सागर में देश की आंख

तटरक्षक बल का समुद्र प्रताप

भारतीय तटरक्षक बल ने अपने बेड़े में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आधुनिक पोत समुद्र प्रताप को शामिल किया है। यह पोत भारतीय तटरक्षक बल का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत है, जिसे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है और 5 जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा आधिकारिक रूप से इसे कमीशन किया गया। यह पोत न केवल समुद्री सुरक्षा में बल्कि समुद्री पर्यावरण के संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में भी एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। समुद्र प्रताप का नाम ही इसका उद्देश्य स्पष्ट करता है : समुद्र की महानता और उसकी रक्षा करना। भारतीय तटरक्षक बल के लिए यह पोत समुद्र में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

स्वदेशी उपकरणों का इस्तेमाल

यह 114 .5 मीटर लंबा पोत लगभग 4,170–4,200 टन का है और इसमें 60% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जो भारत के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों को मजबूती देता है। इसकी रफ्तार 22 नॉट्स से अधिक तक पहुँच सकती है और इसकी समुद्री सहनशीलता लगभग 6,000 नौटल मील तक है, जिससे यह लंबी समुद्री यात्राएँ और मिशन को पूरा कर सकता है।

पोत में क्या है खास

- **अत्याधुनिक तकनीक :** यह डायनेमिक पोजिशनिंग, इंटीग्रेटेड ब्रिज सिस्टम और ऑटोमेटेड पावर मैनेजमेंट सिस्टम जैसी उन्नत तकनीकों से लैस है।
- **हथियार :** सुरक्षा के लिए इसमें 30 मिमी सीआरएन-91 गन और दो 12 .7 मिलीमीटर की रिमोट-कंट्रोल गन लगी हैं।
- ऑनबोर्ड लैब : समुद्र के पानी, रसायनों के रीयल-टाइम विश्लेषण के लिए एक आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण प्रयोगशाला है।
- **हेलीकॉप्टर संचालन :** एक हेलीकॉप्टर हैंगर और एविएशन सपोर्ट की सुविधा है।

आत्मनिर्भरता को मिली मजबूती

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि स्वदेश निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत समुद्र प्रताप के तटरक्षक बल की सेवा में शामिल होने से आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को मजबूती मिली है और यह सतत विकास की प्रतिबद्धता दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि भारतीय तटरक्षक पोत समुद्र प्रताप का सेवा में शामिल होना कई कारणों से उल्लेखनीय है, जिनमें यह तथ्य भी शामिल है कि यह आत्मनिर्भरता के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करता है, हमारे सुरक्षा तंत्र को बढ़ावा देता है और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत में निर्मित सबसे बड़ा और सबसे उन्नत प्रदूषण नियंत्रण पोत समुद्र प्रताप देश की पोत निर्माण की उत्कृष्टता की प्रतीक है।

इन कार्यों को देगा अंजाम

- प्रदूषण नियंत्रण : तेल रिसाव को रोकना, समुद्र से तेल और हानिकारक रसायनों को अलग करना और पर्यावरण की रक्षा करना।
- समुद्री निगरानी : भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और अवैध शिकार करने वाले विदेशी जहाजों पर नजर रखना।
- खोज और बचाव : समुद्र में संकट में फंसे जहाजों और मछुआरों की सहायता करना।
- अग्निशमन : बंदरगाहों और तेल प्लेटफार्मों पर आग लगने की स्थिति में उच्च क्षमता वाली बाहरी अग्निशमन प्रणाली का उपयोग करना।

चौथा स्थान

भारतीय तटरक्षक बल वर्तमान में दुनिया के चौथे सबसे बड़े तटरक्षक बलों में से एक है। समुद्र प्रताप जैसे पोतों की तकनीक भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करती है जिनके पास समुद्री पर्यावरण सुरक्षा की उन्नत क्षमताएं हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन ने जापान पर लगाया निर्यात प्रतिबंध

बीजिंग। चीन ने जापान को उन दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर मंगलवार को प्रतिबंध लगा दिया, जिनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किए जाने की संभावना है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब ताइवान को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, जिसे बीजिंग अपना संप्रभु क्षेत्र होने का दावा करता है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ऐसे सामान का निर्यात, जिनका उपयोग नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जापानी सैन्य उपयोगकर्ताओं और अन्य सभी अंतिम उपयोगकर्ताओं को प्रतिबंधित कर दिया गया है जो जापानी सैन्य शक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

खारिज की हादी हत्या मामले की चार्जशीट

ढाका। बांग्लादेश में इंकलाब मंच ने अपने नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में दायर पुलिस के आरोपपत्र को खारिज कर दिया और आरोप लगाया कि इस हत्याकांड में सरकारी तंत्र भी शामिल है। बांग्ला समाचार पत्र प्रथम ऑलो की खबर के अनुसार पार्टी ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर न्याय नहीं मिला तो जिन लोगों ने खून बहाया है, उन्हें खून का जवाब खून से देने पर मजबूर होना पड़ सकता है। ढाका पुलिस ने हत्या के मामले में मुख्य आरोपी फैसल करीम मसूद समेत 17 लोगों के खिलाफ मंगलवार को औपचारिक आरोप पत्र दायर किया। पुलिस का कहना है कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत हादी की हत्या की गई।

दूसरे देश भारत को सलाह देने की बजाय अपने यहां हिंसा पर दें ध्यान

विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर पश्चिमी देशों की दोहरी नीति पर उठाए सवाल

- जयशंकर ने लैटिन अमेरिकी घटना का किया परोक्ष रूप से जिक्र

लक्ज़मबर्ग, एजेंसी

विदेश मंत्री डा. एस.जयशंकर ने लैटिन अमेरिका के घटनाक्रम का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी देशों के दोहरे मानदंडों की बुधवार को कड़ी आलोचना की। डा. जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत में भारत और लक्ज़मबर्ग के बीच मजबूत साझेदारी पर आधारित संबंधों पर भी जोर दिया। बातचीत के दौरान विदेश मंत्री ने उन देशों पर निशाना साधा जो भारत को क्षेत्रीय तनावों पर उपदेश देते हैं लेकिन अपने ही क्षेत्रों में हो रही हिंसा और जोखिमों को नज़रअंदाज़ करते हैं।

उन्होंने कहा, कभी-कभी लोग कहते हैं कि जैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कहा गया। अब अगर आप उनसे पूछें कि सच में आपको चिंता है, तो क्यों न आप अपने ही क्षेत्र को देखें? और खुद से पूछें कि वहां हिंसा का स्तर क्या है, कितने जोखिम उठाए गए हैं और हममें से बाकी लोग आपके कार्यों को लेकर कितने चिंतित हैं। लेकिन यही दुनिया की प्रकृति है। लोग जो कहते हैं, वह हमेशा वही नहीं होता जो वे करते हैं, और हमें इसे उसी भावना के साथ स्वीकार करना पड़ता है।

डा. जयशंकर की टिप्पणियों से उन देशों के प्रति उनकी नाराज़गी झलकी जो ऐसे संघर्षों पर अनचाही सलाह देते हैं जिन्हें वे ठीक से समझते भी नहीं। उन्होंने कहा कि दूर बैठे देश अक्सर बिना जटिलताओं को समझे या अपने रणनीतिक हितों पर विचार किए बोलते हैं। अब दुनिया के बाकी हिस्सों में हो रहे घटनाक्रमों का इस पर कितना असर पड़ता है, यह कहना मुश्किल है। दूर बैठे लोग बातें करेंगे, कभी सोच-समझकर, कभी बिना सोचे, कभी अपने स्वार्थ में, तो कभी लापरवाही से। आज के समय में देश अधिक आत्मकेंद्रित हो रहे हैं और वही करेंगे जिससे उन्हें सीधा लाभ हो। वे आपको मुफ्त की सलाह देते रहेंगे।

पाकिस्तान ने भारत-अफगानिस्तान को ललकारा

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ बयानबाजी तेज करते हुए दोनों देशों को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की चुनौती दी है। पाकिस्तानी सेना के इंटर- सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक ने कई भारतीय सोशल मीडिया खातों और टेलीविजन क्लिप का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि ये खाते और क्लिप पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए एक समन्वित अभियान के हिस्से के रूप में रॉ एजेंटों द्वारा चलाए जा रहे थे। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान में ऊपरवाले ने बड़ी बरकत दी है, तुम्हें जो करना है कर लो।

पाकिस्तान की तरह व्यवहार करने वाले देशों से अलग तरीके से निपटेंगे

विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत का रुख इस बात पर निर्भर करता है कि वह किससे निपट रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों के साथ सकारात्मक और रचनात्मक रूप से जुड़ने को तैयार है जो नई दिल्ली के साथ सकारात्मक तरीके से काम करना चाहते हैं, लेकिन जो पाकिस्तान की तरह व्यवहार करते हैं, उनसे अलग ढंग से निपटना पड़ता है। पश्चिमी देशों की कथित दोहरी नीति की आलोचना से आगे बढ़ते हुए डा. जयशंकर ने भारत और लक्ज़मबर्ग के बीच 78 वर्षों पुराने मजबूत और विकसित होते संबंधों को भी रेखांकित किया। विदेश मंत्री ने कहा कि हमने एक लंबा सफर तय किया है और हम लक्ज़मबर्ग को न केवल अपने आप में एक बहुत महत्वपूर्ण साझेदार मानते हैं, बल्कि यूरोपीय संघ के संदर्भ में भी, खासकर ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ के साथ हमारे अपने संबंध भी एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। उन्होंने कहा, इस व्यापक रिश्ते को आकार देने में आपका जो प्रभाव है, जो समर्थन आप देते हैं, वह हमारे लिए बहुत मूल्यवान है। कई मायनों में आप भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंधों को गहरा करने के समर्थक रहे हैं। भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत के बाद विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा , आज लक्ज़मबर्ग में भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिलकर खुशी हुई। राजनीतिक, व्यापार और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में लक्ज़मबर्ग के साथ हमारी साझेदारी के उल्लेखनीय विस्तार को रेखांकित किया। भारत-लक्ज़मबर्ग संबंधों को मजबूत करने में हमारे प्रवासी समुदाय के योगदान की सराहना करता हूँ। उन्होंने यूरोप के साथ भारत की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान जताया और इसे वैश्विक व्यवस्था में एक बार फिर से संतुलन का दौर बताया।

आतंकवाद का मिलकर दृढ़ता से मुकाबला करेंगे भारत-इजराइल

- नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कॉल कर दी गाजा शांति योजना की अद्यतन जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को गाजा शांति योजना से संबंधित अद्यतन जानकारी अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी के साथ साझा की तथा आतंकवाद से लड़ने के साझा संकल्प की पुष्टि की। नेतन्याहू ने मोदी को कॉल करके उन्हें गाजा शांति योजना पर अद्यतन जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और दोनों देशों के लोगों के लिए शांति और समृद्धि की कामना की। बयान में यह भी कहा गया है कि नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री को गाजा शांति योजना के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। मोदी और नेतन्याहू ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, गहरे आपसी विश्वास और दूरदर्शी दृष्टिकोण के तहत आने वाले वर्ष में भारत-इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए साझा प्राथमिकताओं को चिह्नित किया। उन्होंने आतंकवाद के सभी प्रकार और रूपों को कतई बर्दाश्त न करने के अपने दृष्टिकोण को दोहराया और इस खतरे के खिलाफ लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मोदी ने एक्स पर कहा कि नेतन्याहू ने आतंकवाद से और अधिक दृढ़ता के साथ लड़ने के प्रति अपने साझा संकल्प की पुष्टि की। आने वाले वर्ष में भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

ईरान में मोसाद के जासूस को फांसी

तेहरान। ईरान ने इजराइल की मोसाद एजेंसी के लिए जासूसी करने के दोषी एक व्यक्ति को फांसी दे दी। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने दोषी की पहचान अली अर्देस्तानी के रूप में की और बताया कि उसने क्रिप्टोकरेंसी के रूप में वित्तीय लाभ के बदले मोसाद को संवेदनशील जानकारी दी थी। दोषी ने जासूसी के आरोपों को स्वीकार किया था।

ग्रीनलैंड विवाद : फ्रांस और सहयोगी देशों ने अमेरिका को दी चेतावनी

बर्लिन/पेरिस। ग्रीनलैंड को हासिल करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंशा को देखते हुए फ्रांस ने अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर उसके किसी भी प्रयास पर प्रतिक्रिया देने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने बार-बार जोर दिया है कि ग्रीनलैंड को हासिल करना अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकता है। जबकि ग्रीनलैंड नाटो सदस्य डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट्टे फ्रेडरिक्सन ने चेतावनी दी कि ग्रीनलैंड पर कोई भी अमेरिकी हमला नाटो के अंत का संकेत हो सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, जर्मनी के चांसलर मेरज, इटली की पीएम मेलोनी, पोलैंड के पीएम टस्क, स्पेन के पीएम सांचेज, ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर और डेनमार्क के पीएम ने एक संयुक्त बयान जारी किया है।

पोर्श कार हादसा : जमानत अपील पर राज्य को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- दो आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की है जमानत याचिका

उच्चतम न्यायालय ने पुणे में मई 2024 में हुई पोर्श कार दुर्घटना मामले में दो आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर बुधवार को महाराष्ट्र सरकार से जवाब तलब किया। इस दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई थी।

आदित्य अविनाश सूद और आशीष सतीश मित्तल को पिछले साल 19 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था, क्योंकि दुर्घटना के समय 17-वर्षीय मुख्य आरोपी के साथ कार में मौजूद दो नाबालिगों से जुड़े मामले की जांच में सूद और मित्तल के रक्त नमूनों का परीक्षण किया गया था। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 19 मई 2024 को 17-वर्षीय एक किशोर द्वारा कथित तौर पर शराब के नशे में चलाई जा रही पोर्श कार ने दो आईटी पेशेवरों को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा जमानत याचिकाएं खारिज करने संबंधी आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया।

लॉरेंस गिरोह के गुर्गे को अमेरिका से किया प्रत्यर्पित

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का भगोड़ा और प्रमुख सदस्य अमन उर्फ अमन कुमार भैंसवाल, सीबीआई द्वारा विदेश मंत्रालय (एमईए) और इंटरपोल की मदद से अमेरिका से भारत लाया गया। भैंसवाल हत्या, दंगा और आपराधिक साजिश सहित गंभीर आपराधिक मामलों में हरियाणा पुलिस द्वारा वांछित है। सीबीआई अधिकारी ने बताया, भैंसवाल एक कुख्यात अपराधी और संगठित लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का प्रमुख सदस्य है। उसे पहले भारत में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत मिल गई थी।

इसरो 12 जनवरी को करेगा नए साल का पहला प्रक्षेपण

बेंगलुरु, एजेंसी

- श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी सी-62 मिशन भेजेगा अंतरिक्ष

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 12 जनवरी को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण करेगा। इसरो का नए साल का यह पहला मिशन है।

इसरो के अनुसार, इस मिशन का मुख्य पेलोड ईओएस-एन1 है, जो रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा रणनीतिक उद्देश्यों के लिए निर्मित एक इमेजिंग उपग्रह है। इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पीएसएलवी-सी62 का प्रक्षेपण 12 जनवरी 2026 को 10:17 बजे श्रीहरिकोटा स्थित एसडीएससी एसएचएआर के प्रथम प्रक्षेपण पैड से निर्धारित है। इसने बताया कि रॉकेट में स्पेन के एक स्टार्टअप द्वारा विकसित केस्ट्रेल इनिशियल डेमोंस्ट्रेटर (केआईडी) भी होगा, जो पीएस-4 चरण से जुड़ा रहेगा। सूत्रों के अनुसार भारत, मॉरीशस, लक्जमबर्ग, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, यूरोप और अमेरिका के स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों के 17 अन्य वाणिज्यिक पेलोड भी इस उड़ान के लिए सूचीबद्ध हैं।

सबरीमाला सोना चोरी मामले की जांच करेगा ईडी, केंद्र सरकार ने दी स्वीकृति

- धन शोधन के तहत मामला दर्ज कर जांच करेगी केंद्रीय एजेंसी

कोच्चि,एजेंसी

सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामले में केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मामला दर्ज करने की मंजूरी दे दी है, जिससे ईडी इस घटना से जुड़े संदिग्ध मनी लॉन्ड्रिंग की विस्तृत जांच शुरू कर सकेगी।

मंजूरी मिलने के बाद ईडी की कोचि इकाई एक जांच अधिकारी नियुक्त करेगी और मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज करेगी। जांच के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है और एजेंसी सबसे पहले मुख्य आरोपी से पूछताछ करेगी, जिनमें वर्तमान में हिरासत में मौजूद उन्नीकृष्णन पोत्ती भी शामिल हैं। ईडी उन सभी व्यक्तियों के बयान दर्ज करेगी, जिनसे पहले एसआईटी ने पूछताछ की थी। एजेंसी का फोकस सबरीमाला मंदिर में कार्यों के लिए इस्तेमाल किये गये सोने की कथित गबन से जुड़े वित्तीय लेन-देन का पता लगाने पर होगा। ईडी ने पिछले साल अक्टूबर में संभावित मनी लॉन्ड्रिंग के संकेत मिलने के बाद प्रारंभिक जांच शुरू की थी। इसके बाद उसने कोल्लम सतर्कता अदालत से मामले के रिकॉर्ड मांगे थे। एसआईटी की आपत्तियों के बावजूद, अदालत ने 19 दिसंबर 2025 को सभी संबंधित दस्तावेज ईडी को सौंपने का निर्देश दिया था। इन रिकॉर्ड की जांच के बाद ईडी ने केंद्र से औपचारिक मंजूरी मांगी थी, जो अब मिल गई है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी पूर्ण रात्रि।

आज का पंचांग

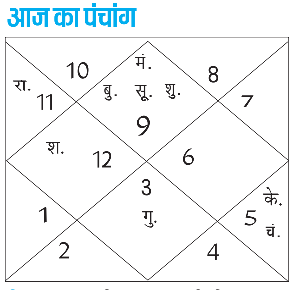

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 12 .24 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज आप जीवनसाथी को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ट और मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसंद कर सकते हैं। शाम को पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं। दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है।

मिथुन — आज सुख-सुविधाओं का भरपूर आनंद लेंगे। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क — आज दिन की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रहेगी। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। शाम के समय अच्छे मूड में रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

सिंह — आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं।

कन्या — आज आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

तुला — आज फाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे।

वृश्चिक — आज किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता बढ़ सकती है। रुचिपूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। आप लोगों से सम्मान की अपेक्षा रखेंगे। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

धनु — आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। धीमी गति से आपके कार्य बनते प्रतीत होंगे। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय ज्यादा खर्च करेंगे।

मकर — आज आप कोई नया कार्य आरंभ करने से बचें। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी, इसीलिये बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं।

कुंभ — आज तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आपके प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे।

मीन — आज आपका दिन अत्यधिक व्यस्त रहेगा। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। विद्यार्थियों को कुछ नया सीखने को मिलेगा।

सुडोकू-26

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9		6				7		1
	3			1				8
		5		9		6	3	
3			8				7	
5	2						6	9
	4				1			3
	1	2		4		3		
4				6			2	
7		9				5		4

सुडोकू - 25 का हल

7	2	3	1	6	4	8	9	5
9	8	4	5	7	3	6	1	2
6	1	5	2	8	9	4	3	7
4	7	9	6	5	2	1	8	3
8	5	2	3	4	1	9	7	6
3	6	1	7	9	8	2	5	4
5	9	8	4	3	6	7	2	1
1	4	7	9	2	5	3	6	8
2	3	6	8	1	7	5	4	9

मीनाक्षी से हारना एक तरह से मेरे लिए अच्छा साबित हुआ। अगर मैं जीत जाती और मुझे स्वर्ण पदक मिल जाता तो मैं निश्चित हो जाती और फिर कभी 51 किलोग्राम वर्ग में नहीं आती। वह हार मेरे लिए एक निर्णायक मोड़ थी। उसके बाद मैंने वर्ग बदलने का फैसला किया।
-नीतू घंघास

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार, 8 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर का शेड्यूल तय

दुबई। आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप क्वालीफायर 2026 के पूरे फिक्स्चर, जिसमें सुपर सिक्स स्टेज भी शामिल है, कन्फर्म हो गए हैं। नेपाल में 18 जनवरी से 1 फरवरी तक होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमें जून-जुलाई में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप 2026 के लिए चार क्वालिफिकेशन स्पॉट के लिए मुकाबला करेंगी। वार्म-अप मैच 14 और 16 जनवरी को तीन जगहों पर होंगे - त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड, अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड और लोअर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड। 18 जनवरी से ग्रुप स्टेज शुरू होने के बाद त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड और अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड में ही कॉम्पिटिटिव मैच खेले जाएंगे। ग्रुप ए और ग्रुप बी की टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स में जाएंगी।

जैकब न्यूजीलैंड की विश्व कप टीम में

वेलिंगटन। वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन करके अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्ड 81 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जैकब डफी को बुधवार को टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम में शामिल किया गया। इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक विकेट लेने के रिचर्ड हैडली (79 विकेट) के 40 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। टीम: मिशेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, डैरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

न्यूजीलैंड का ध्यान अभी भारतीय चुनौती पर

मुंबई। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम अभी टी20 विश्व कप के बारे में नहीं सोच रही है जो अभी एक महीने दूर है बल्कि उनका पूरा ध्यान भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला में भारतीय गेंदबाजों से मिलने वाली चुनौती पर है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों से सजी भारतीय टीम रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी और इसके बाद पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी।

लखनऊ ने यमुना की बढ़त पर लगाया ब्रेक

नोएडा। उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीजन 2 के दिन 14 के पहले मुकाबले में करो-या-मरो सप्ताह का दबाव साफ नजर आया, जहां लखनऊ लायंस ने दबाव में दमदार प्रदर्शन करते हुए यमुना योद्धास को 60-44 से पराजित किया। इस अहम चरण में यमुना को अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका नहीं दिया। करो-या-मरो सप्ताह के दौरान दूसरे स्थान पर पहुंचने की संभावना के साथ मैदान में उतरी यमुना योद्धास ने स्पष्ट इरादे और तात्कालिकता के साथ मुकाबले की शुरुआत की। उनका आक्रामक रवैया शुरुआती दौर में कारगर साबित हुआ, जब उन्होंने लखनऊ लायंस को ऑल-आउट किया, जिससे इस मुकाबले में उनकी भूख और आक्रामकता झलक गई।

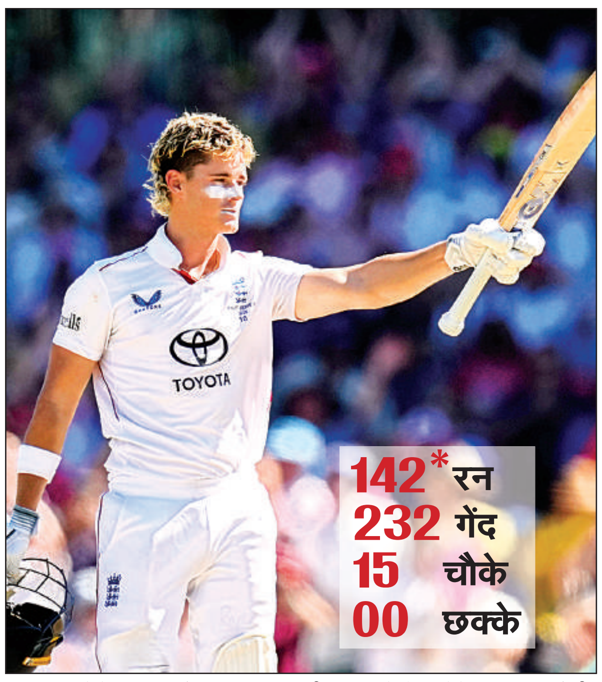

शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते जैकब बेथेल। एजेंसी

बेथेल के पहले शतक से इंग्लैंड की उम्मीद कायम

सिडनी, एजेंसी

जैकब बेथेल ने बुधवार को अपना पहला टेस्ट शतक बनाया जिससे इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच पांचवें दिन तक खींचकर अपनी उम्मीद भी कायम रखी।

बारबाडोस में जन्मे 22 वर्षीय ऑलराउंडर बेथेल इंग्लैंड की दूसरी पारी के पहले ओवर में क्रीज पर आए, क्योंकि मिशेल स्टार्क ने पांचवीं गेंद पर जैक क्रॉली (01) को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था। बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक 232 गेंद का सामना करके 142 रन बनाए हैं। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 302 रन बनाए हैं। इस तरह से इंग्लैंड ने अभी तक 119 रन की बढ़त हासिल कर ली है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल की थी। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। पिच से चौथे दिन ही स्पिनरों को मदद मिल रही है जो इंग्लैंड के लिए सकारात्मक संकेत है क्योंकि उसकी टीम में तीन स्पिनर हैं। बेथेल ने बेन डकेट (42) के साथ 81 रन, जो रूट (06) के साथ 32, हैरी ब्रूक (42) के साथ 102 और जेमी स्मिथ (26) के साथ 45 रन की साझेदारियां की। ऑस्ट्रेलिया पहले तीन मैच जीत कर एशेज अपने पास बरकरार रखने में सफल रहा लेकिन चौथे मैच में जीत दर्ज करने वाला इंग्लैंड श्रृंखला में हार के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, ''यह उपलब्धि मेरे लिए खास है। मेरा परिवार यहां आया हुआ है और ऐसे में शतक लगाना बेहद खास बन गया है।'' बेथेल ने एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद अपने धैर्य और कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर तीन विकेट) ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अप्रत्याशित स्टार के रूप में उभरे।

ऑस्ट्रेलिया इस मैच में विशेषज्ञ स्पिनर के साथ नहीं उतरा है। इससे इंग्लैंड का खेमा थोड़ा खुश होगा क्योंकि उसके पास स्पिन विकल्पों के रूप में बेथेल, विल जैक्स और रूट मौजूद हैं। पिच से स्पिनरों को मदद को मिल रही है।

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को आउट करने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

सिडनी टेस्ट - चौथा दिन

- इंग्लैंड के पास कुल 119 रनों की हुई बढ़त, दूसरी पारी में अभी दो विकेट शेष

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	567/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी जारी)	302/8

सिंधु और सात्विक-चिराग ने की जीत से शुरुआत

मलेशिया ओपन : चोट से उबरने के बाद पीवी की जबरदस्त वापसी

कुआलालंपुर, एजेंसी

चोटिल होने के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी ने नए सत्र की जीत से शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में अपने-अपने वर्ग में अगले दौर में प्रवेश किया।

पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थी। उन्होंने वापसी पर अच्छा खेल दिखाया तथा 51 मिनट तक चले महिला एकल के मुकाबले में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-20 से हराया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो ह्सुआन और ली झे-हुए को 35 मिनट में 21-13 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा। ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर बाहर हो गई। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इंडोनेशिया की फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और मेइलिसा ट्रायस पुष्पितासारी के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें 66 मिनट के मुकाबले में 9-21 23-21 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। पांडा बहनें रुतुपर्णा और श्वेतपर्णा भी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से एकतरफा मुकाबले में 11-21 9-21 से हार गईं।

विश्व में 18वीं रैंकिंग सिंधू ने सहज खेल दिखाया और सुंग को दूसरी बार हराकर उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला विश्व में नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी जब 21-19, 1-2 से आगे चल रही थी, तब दक्षिण कोरिया की उनकी प्रतिद्वंदी सिम यू जिन चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई थी जिससे जापान की खिलाड़ी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही। सिंधू ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले गेम में 6-2 की बढ़त हासिल कर ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्हें पहला गेम अपने नाम करने में कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन दूसरे गेम में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने इसके बाद अच्छी वापसी की और जीत दर्ज की।

बॉल के लिए मुकाबला करती श्राची बंगाल टाइगर्स (नारंगी ड्रेस) और जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की खिलाड़ी। एजेंसी

जीत के साथ विदा ली सूरमा ने

रांची, एजेंसी

महिला हॉकी लीग

जेएसडब्ल्यू सूरमा क्लब ने महिला हॉकी लीग के अपने आखिरी मैच में बुधवार को श्राची बंगाल टाइगर्स को 3-2 से हराया। बंगाल की टीम फाइनल में पहुंच चुकी है जबकि सूरमा दौड़ से बाहर है।

सूरमा के लिए ओलिविया शैनोन ने चौथे ही मिनट में मौका बनाया, लेकिन गोल नहीं हो सका। कप्तान सलीमा टेटे ने इसके बाद करीब से शॉट लगाया जो गोलकीपर के ऊपर से निकल गया। सूरमा ने आखिर में दसवें मिनट में बढ़त बनाई जब सोनम ने पहला गोल दागा। सूरमा को पहला पेनल्टी कॉर्नर 26वें मिनट में मिला और लगातार दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी अर्जित किया लेकिन गोल नहीं हो सका। हाफटाइम तक सूरमा के पास एक गोल की बढ़त थी। तीसरे क्वार्टर में विक्टोरिया मैनुएले ने पेनल्टी कॉर्नर बनाया, लेकिन गोल नहीं हो सका। लीग में सर्वाधिक गोल कर चुकी आगस्टिना गोर्जेलानी ने आखिर में बराबरी का गोल दागा। चौथे क्वार्टर के 21 सेकंड के भीतर ही सूरमा को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल में तब्दील नहीं हो सका। फिर 49वें मिनट में वैष्णवी ने गोल करके सूरमा को 2-1 से बढ़त दिलाई। सूरमा के लिये 53वें मिनट में मारियो ग्रानाटो ने तीसरा गोल किया और स्कोर 3-1 कर दिया। टाइगर्स के लिये 59वें मिनट में लालरेम्सियामी ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिये दूसरा गोल किया।

सूर्यवंशी व जॉर्ज के शतक से भारत ने किया क्लीन स्वीप

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी

अंडर-19 सीरीज

- तीसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 233 रनों से हराया

वैभव सूर्यवंशी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सैकड़ा जड़ा जबकि आरोन जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली जिससे भारत की अंडर-19 टीम ने तीसरे युवा वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 233 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज क्लीन स्वीप कर ली।

कप्तान सूर्यवंशी ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद एक बार फिर छक्कों की बरसात करते हुए 74 गेंद में 127 रन बनाए जिसमें 10 छक्के और नौ चौके शामिल थे।

बिहार के इस 14 साल के खिलाड़ी ने पिछले मैच में 24 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी। सूर्यवंशी को जॉर्ज का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 106 गेंद में 118 रन बनाए। इस तरह दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 227 रन की भागीदारी निभाकर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस तरह भारत ने सात विकेट पर 393 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जो दक्षिण अफ्रीका के लिए बहुत बड़ा लक्ष्य साबित हुआ और टीम 35 ओवर में 160 रन पर ऑल आउट हो गई।

मेजबान टीम के लिए नटांडो सोनी (61 रन देकर तीन विकेट) और जेसन रोल्स (59 रन देकर दो विकेट) ने मिलकर पांच विकेट लिए। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने चौथे ओवर में 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। किशन सिंह ने अपनी गेंदों से कहर बरपाते हुए शीर्ष क्रम में जोरिच वैन शाल्कविक (01), अदनान लागडियन (09) और लेथाबो फाहलामोहलाका (शून्य) को आउट कर दिया। किशन सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे।

वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

भारत न आने पर बांग्लादेश अड़ा, आईसीसी को मनाएंगे

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने बुधवार को कहा कि वह आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश के वेन्यू को बदलने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को मनाने की पूरी कोशिश करेंगे, और इस बात पर जोर दिया कि खेल की गवर्निंग बॉडी बांग्लादेश की चिंताओं की गंभीरता को समझने में नाकाम रही है।

आईसीसी से बोर्ड को एक पत्र मिलने के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए नजरुल के बीसीबी निदेशकों से मिलने की उम्मीद थी, जिसके बाद बांग्लादेश ने औपचारिक रूप से वेन्यू बदलने का अनुरोध किया था।

प्रेसवार्ता के दौरान मुंबई इंडियंस की हेड कोच लिसा कैटली, कप्तान हरमनप्रीत कौर और मेंटर झूलन गोस्वामी। एजेंसी

मुंबई इंडियंस ने भरी जीत की मानसिकता : कौर

मुंबई, एजेंसी

- बोर्ली- डब्ल्यूपीएल ने मेरे भीतर बदल दी सोच

हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को कहा कि महिला प्रीमियर लीग और उनकी टीम मुंबई इंडियंस ने उनके भीतर जीत की मानसिकता भरी जिसका इस्तेमाल उन्होंने भारतीय महिला टीम को वनडे विश्व कप जिताने में किया। डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को दो खिताब दिला चुकी हरमनप्रीत ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने प्रतिस्पर्धा में अलग सोच के साथ उतरने में उनकी मदद की।

उन्होंने मुंबई इंडियंस द्वारा आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा मेरा मानना है कि मैं जहां भी जाती हूं, जीत के बारे में ही सोचती हूं क्योंकि भागीदारी तो हम बरसों से कर रहे हैं। लेकिन जीत की सोच के साथ उतरने और उस दिशा में काम करने से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

डब्ल्यूपीएल ने मेरे भीतर बहुत कुछ बदला है खासकर सोच बदली है। हरमनप्रीत ने कहा मुंबई इंडियंस बरसों से आईपीएल खिताब जीत रही है और इस टीम से जुड़ने के बाद मेरे भीतर भी जीत की वही मानसिकता आई। मुंबई टीम की नई कोच लीसा नाइटले ने कहा कि भारत के घरेलू क्रिकेटरों को अच्छी स्पर्धा मिल रही है जिसका असर उनके प्रदर्शन पर देखने को मिल रहा है।

फैसला

1500 मी के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी धावक जिन्सन 15 वर्षों के करियर को विराम देकर करेंगे नई शुरुआत

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता जॉनसन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और भारतीय धावक जिन्सन जॉनसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि 15 वर्षों के करियर के बाद अब कुछ नया करने का समय आ गया है।

जॉनसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा सपने देखने वाले लड़के की यात्रा कोलकाता से शुरू हुई और 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों के पोडियम तक पहुंची। धन्यवाद, एथलेटिक्स। इस एथलीट ने लिखा कुछ यात्राएं मीटर और सेकेंड में मापी जाती हैं। कुछ आंसुओं, बलिदानों, आस्था और उन लोगों से देखी जाती हैं जो आपको कभी गिरने नहीं देते।

जॉनसन ने 2018 में गुवाहाटी में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप के दौरान एक मिनट 45.65 सेकेंड का समय निकालकर महान एथलीट श्रीराम सिंह का 42 साल पुराना पुरुषों का 800 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। हालांकि यह रिकॉर्ड 2025 में मोहम्मद अफसल ने तोड़ दिया। गोल्ड कोस्ट 2018 राष्ट्रमंडल खेलों (ऑस्ट्रेलिया) में जॉनसन ने तीन मिनट 37.86 सेकेंड का समय निकालकर बहादुर प्रसाद का 23 साल पुराना 1500 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हालांकि वे फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे थे। इसके बाद उन्होंने अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में दो बार और सुधार किया जिसमें 2019 में बर्लिन मीट में बनाया गया 3:35.24 सेकेंड का समय उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

उन्होंने कहा दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना और भारतीय एथलेटिक्स में योगदान देना मेरे जीवन के सबसे गौरवशाली पलों में से एक रहेगा। जॉनसन ने कहा मुझे ओलंपिक खेलों, विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला। हर बार जब मैंने तिरंगा ओढ़ा, तो मैं सिर्फ पैरों से नहीं बल्कि दिल से दौड़ा। अपने लंबे सफर को याद करते हुए जॉनसन ने कहा मेरी यात्रा 2007 में कोलकाता से शुरू हुई, जब स्कूल नेशनल में मैंने अपना पहला पदक जीता। तब मुझे नहीं पता था कि यह रास्ता मुझे कहां ले जाएगा। मुझे बस इतना पता था कि मैं भारत के लिए दौड़ना चाहता हूं।

उन्होंने कहा इसके बाद का जीवन मुश्किल ट्रेनिंग, संघर्षों, दर्दनाक चोटों, ट्रैक, परीक्षा लेने वाली वापसी और ऐसे पलों से भरा रहा जिन्होंने हर बलिदान को सार्थक बना दिया। जॉनसन के लिए करियर का सर्वश्रेष्ठ वर्ष 2018 रहा। उन्होंने कहा 2018 में मैं एशिया का शीर्ष एथलीट बना जिससे मुझे ओस्ट्रावा में वर्ल्ड कॉन्टिनेंटल कप' में एशिया-पैसिफिक का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। वह साल यादगार था, मैंने जकार्ता एशियाई खेलों में 1500 मीटर में स्वर्ण और 800 मीटर में रजत पदक जीता।

ये यात्रा सिर्फ मेरी नहीं थी। पर्दे के पीछे अथक मेहनत करने वाले सभी लोगों का दिल से धन्यवाद जो अक्सर दिखाई नहीं देते, लेकिन हमेशा महसूस होते हैं। हर दिन मुझे आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद। जॉनसन ने कहा आपने दर्द को प्रगति में और संघर्ष को ताकत में बदला। आपके बिना मैं वह एथलीट नहीं बन पाता जो आज हूं।
-जिन्सन जॉनसन

उपलब्धियां

केरल के इस 34 वर्षीय एथलीट ने कहा कि उनका सफर 'मुश्किल ट्रेनिंग, संघर्षों और दर्दनाक चोटों' से भरा रहा। जॉनसन ने अक्टूबर 2023 में हांगझोउ एशियाई खेलों में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ क्षण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 1500 मीटर में तीन मिनट 44.72 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीतना रहा। इन्हीं खेलों में उन्होंने 800 मीटर में रजत पदक भी जीता था।